बालाघाट
गुरुवार 26 फरवरी 2026
फाल्गुन शुक्ल 08 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 154
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 82,276.07
निफ्टी - 25,482.50
सोना - 1,61,890
चांदी - 2,85,000
डॉलर - 90.90

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

माइनिंग अफसर के घर से 4.27 करोड़ नकद मिले

कटक। ओडिशा विजिलेंस ने बुधवार को कटक सर्किल के डिप्टी डायरेक्ट (माइंस) देबब्रत मोहंती के घर से 4.27 करोड़ रुपए नकद जब्त किए। मोहंती को लाइसेंसी कोयला व्यापारी से 30 हजार की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। आरोप है कि वह कोयला डिपो को बिना रुकावट चलाने और काम आसान करने के बदले रिश्वत ले रहा था। यह ट्रैप ऑपरेशन ओडिशा विजिलेंस ने रिश्वत मांगने की शिकायत मिलने के बाद किया था। गिरफ्तारी के बाद विजिलेंस की टीमों ने मोहंती और उनके करीबियों के कई ठिकानों पर छापे मारे। विभाग ने मठासाही में मोहंती के पैतृक घर और भुवनेश्वर के पाटिया इलाके वाले फ्लैट पर छापा मारा। भुवनेश्वर वाले फ्लैट से सूटकेस, ट्रॉली बैग और अलमारियों में नोटों के ढेर मिले। इसके अलावा, उसके ऑफिस से 1.20 लाख नकद भी बरामद हुए। नोटों की गिनती के लिए करेंसी काउंटिंग मशीनें लाई गईं।

अरुणाचल प्रदेश की 3 महिलाओं पर नस्लीय टिप्पणी, आरोपी कपल न्यायिक हिरासत में

नई दिल्ली । अरुणाचल प्रदेश की 3 महिलाओं पर नस्लीय टिप्पणी करने के मामले में दिल्ली पुलिस ने आरोपी रूबी जैन और उसके पति हर्ष सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों को एससी/एसटी कानून के तहत गिरफ्तार किया गया है। हाईकोर्ट ने कपल को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा है। इसके पहले मंगलवार को हर्ष सिंह ने कहा कि हम शर्मिंदा हैं। ये सब कुछ हीट ऑफ द मोमेंट में हो गया। हर्ष ने कहा कि मामले में हम दिल्ली पुलिस का पूरी तरह से सहयोग कर रहे हैं।

भगवान वेंकटेश के लड्डू प्रसाद की जांच करेगी इलेक्ट्रॉनिक जीभ और इलेक्ट्रॉनिक नाक

अमरावती। देश के प्रसिद्ध तिरुपति बालाजी मंदिर में लड्डू प्रसाद में मिलावट का मामला सामने के बाद ऐसा भविष्य में नहीं हो इसके लिए तैयारी की जा रही है। इसी कड़ी में वेंकटेश्वर मंदिर में प्रसाद की सामग्री जांच के लिए अत्याधुनिक खाद्य प्रयोगशाला स्थापित हो रही है। इसके बारे में जानकारी देकर आंध्र प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री वाई सत्य कुमार यादव ने कहा कि तिरुपति जिले के तिरुमाला में बन रही अत्याधुनिक खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला अगले महीने से काम करना शुरू करेगी। खाद्य मंत्री ने परियोजना की प्रगति की समीक्षा बैठक के दौरान यह बयान दिया।

कुछ ना कहना

एनसीआरटी बुक में न्यायपालिका पर भ्रष्टाचार के कंटेंट से नाराज सीजेआई सूर्यकांत बोले...

न्यायपालिका को बदनाम करने की इजाजत दी जाएगी नहीं

किसी भी कीमत पर मैं इसे बर्दाश्त नहीं करूंगा, यह सोचा-समझा कदम लग रहा, केस खुद देखूंगा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने एनसीआरटी की 8वीं कक्षा की किताब में 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' का चैप्टर शामिल किए जाने पर नाराजगी जताई है। सीजेआई ने कहा- किसी को भी न्यायपालिका को बदनाम करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। बुधवार को सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस विपुल एम पंचोली और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच में यह मामला सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने उठाया था। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि मुझे इसकी पूरी जानकारी है। यह पूरे ज्यूडीशियल इंस्टीट्यूशन के लिए चिंता की बात है। यह सोचा-समझा कदम लग रहा है। मैं किसी को भी, चाहे वे कितने भी ऊंचे पद पर क्यों न हों, इंस्टीट्यूशन को बदनाम नहीं करने दूंगा। मैं इस मामले पर खुद नोटिस ले रहा हूं।

एनसीआरटी ने 23 फरवरी को जारी नई टेक्स्टबुक 'एक्सप्लोरिंग सोसायटी- इंडिया एंड बियॉन्ड पार्ट 2' में 'द रोल ऑफ द ज्यूडीशियरी इन अवर सोसायटी' टॉपिक के अंदर ज्यूडिशियरी में करप्शन का टॉपिक जोड़ा है। इसका पहला पार्ट जुलाई 2025 में रिलीज किया गया था। ये किताब एकेडमिक सेशन 2026-27 से स्कूलों में पढ़ाई जानी है। सोशल साइंस की इस किताब में लिखा गया है- इंसाफ में देरी नाइंसाफी की तरह है। यहां सुप्रीम कोर्ट में 81 हजार, हाईकोर्ट्स में 62 लाख 40 हजार, डिस्ट्रिक्ट और सबऑर्डिनेट कोर्ट के 4 करोड़ 70 लाख पेंडिंग केस की संख्या भी बताई गई है।

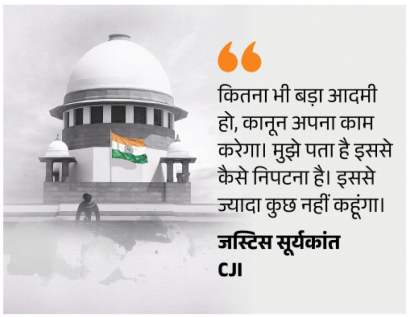

> कितना भी बड़ा आदमी हो, कानून अपना काम करेगा। मुझे पता है इससे कैसे निपटना है। इससे ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा।
>
> **जस्टिस सूर्यकांत**
> **CJI**

संस्था को बदनाम करने की इजाजत नहीं दूंगा

जब कपिल सिब्बल ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि कोर्ट इस मामले का स्वतः संज्ञान लेगा। इस पर टिप्पणी करते हुए सीजेआई सूर्य कांत ने कहा कि एक दिन रुकिए। यह निश्चित रूप से पूरी संस्था के लिए चिंता का विषय है। बार और बेंच दोनों ही परेशान हैं। मुझे बहुत सारे फोन और मैसेज मिल रहे हैं। हाई कोर्ट के जज भी परेशान हैं। मैंने पहले ही एक आदेश पारित कर दिया है और इस मामले को स्वतः संज्ञान में ले रहा हूं। मैं किसी को भी संस्था की गरिमा को धूमिल करने और संस्था को बदनाम करने की इजाजत नहीं दूंगा। किसी भी कीमत पर, मैं इसे बर्दाश्त नहीं करूंगा। कानून अपना काम करेगा। मुझे पता है कि इससे कैसे निपटना है।

किताब में ब्यूरोक्रेसी, पॉलिटिक्स पर एक शब्द नहीं

सीनियर वकील कपिल सिब्बल और अभिषेक एम सिंघवी ने सीजेआई की बेंच के सामने कहा- बच्चों को ज्यूडिशियरी में करप्शन का सब्जेक्ट ऐसे पढ़ाया जा रहा है जैसे यह कहीं और, किसी और इंस्टीट्यूशन में है ही नहीं। यह चिंता का विषय है। हम यहां बार काउंसिल की चिंता लेकर आए हैं। दोनों वकीलों ने कहा कि किताब में ब्यूरोक्रेसी, पॉलिटिक्स वगैरह को छोड़ दिया है। दूसरे सेक्टर्स पर एक शब्द भी नहीं। वे ऐसे पढ़ा रहे हैं जैसे यह सिर्फ इसी इंस्टीट्यूशन में है। जवाब में सीजेआई ने कहा कि प्लीज थोड़ा इंतजार करें। मुझे बार और बेंच दोनों से बहुत सारे कॉल, मैसेज आ रहे हैं। सभी हाईकोर्ट के जज समेत सिस्टम का हर स्टेकहोल्डर परेशान है। मैं इस मामले को खुद देखूंगा। कानून अपना काम करेगा। बेंच में शामिल जस्टिस बागची ने भी कहा कि यह किताब बेसिक स्ट्रक्चर के ही खिलाफ लगती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजराइली संसद को संबोधित करते हुए इजराइल पर हमास के हमले की निंदा की

तेल अवीव। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजराइली संसद को संबोधित करते हुए इजराइल पर हमास के हमले की निंदा की। मोदी ने कहा कि हम आपके दर्द को समझते हैं, भारत लंबे वक्त से आतंकवाद से पीड़ित है।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत इस समय और भविष्य में भी पूरे विश्वास के साथ इजराइल के साथ खड़ा है। मोदी ने कहा कि किसी भी वजह से आम नागरिकों की हत्या को सही नहीं ठहराया जा सकता और आतंकवाद को किसी भी हाल में जायज नहीं ठहराया जा सकता।

मोदी नेसेट को संबोधित करने पहले भारतीय प्रधानमंत्री है। संसद पहुंचने पर सांसदों ने मोदी का खड़े होकर स्वागत किया और मोदी मोदी के नारे लगाए।

मोदी से पहले इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने संबोधन में कहा कि मोदी मेरे भाई जैसे हैं, मेरे दिल में उनके लिए खास जगह है। उन्होंने मोदी को दुनिया का सम्मानित नेता बताया।

इससे पहले नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा नेतन्याहू ने एयरपोर्ट पर मोदी को रिसीव किया। इस दौरान राष्ट्रगान की धुन के साथ पीएम का स्वागत किया गया। एयरपोर्ट पर ही मोदी और नेतन्याहू ने राजधानी तेल अवीव में प्राइवेट बातचीत भी की। इसके बाद वे होटल पहुंचे जहां, प्रवासी भारतीयों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान कलाकारों ने परफोर्मेंस भी दी। मोदी का यह 9 साल बाद दूसरा इजराइल दौरा है। इससे पहले मोदी जुलाई 2017 में तेल अवीव गए थे।

मुरैना : बोर्ड परीक्षा के दौरान 10वीं की छात्रा को आया हार्ट अटैक मौत, मचा हड़कंप

मुरैना। जिले के बानमोर कस्बे में मंगलवार सुबह एक हृदय विदारक घटना सामने आई, जहां 10वीं बोर्ड की परीक्षा दे रही एक छात्रा की परीक्षा केंद्र पर ही बेहोश होकर गिरने के बाद मौत हो गई। इस घटना से केंद्र पर मौजूद अन्य परीक्षार्थियों और शिक्षकों के बीच अफरा-तफरी और शोक का माहौल व्याप्त हो गया। जानकारी के अनुसार, बानमोर स्थित पंडित नेहरू कॉलेज परीक्षा केंद्र पर सुबह गणित का पेपर चल रहा था। इसी दौरान ग्वालियर जिले के हस्तिनापुर क्षेत्र के चकुनारा गांव निवासी वर्षा कुशवाह अचानक अपनी सीट से नीचे गिरकर बेहोश हो गई।

वर्षा अपने भाई अंकेश के साथ परीक्षा देने आई थी, दोनों भाई-बहन 10वीं कक्षा के छात्र थे और उन्होंने बानमोर के ही एक स्कूल से बोर्ड परीक्षा का फॉर्म भरा था। ड्यूटी पर तैनात स्टाफ ने तुरंत छात्रा को संभाला और उच्चाधिकारियों व परिजनों को सूचना दी। आनन-फानन में उसे गंभीर हालत में इलाज के लिए ग्वालियर ले जाया गया, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। भाई और परिवार के लिए यह वज्रपात जैसा था, क्योंकि कुछ ही समय पहले वर्षा सामान्य स्थिति में परीक्षा देने केंद्र के अंदर गई थी। प्राथमिक चिकित्सा रिपोर्ट के अनुसार, छात्रा गंभीर एनीमिया (खून की कमी) और कुपोषण से पीड़ित थी, जिसके कारण संभवतः उसे दिल का दौरा पड़ा। हालांकि, जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों का सटीक खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल पुलिस और शिक्षा विभाग इस दुखद मामले की विस्तृत जांच कर रहे हैं।

कलेक्टर ने दुख व्यक्त किया

प्रारंभिक तौर पर मौत का कारण अचानक आया हार्ट अटैक माना जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ ने दुख व्यक्त किया और बताया कि उन्होंने स्वयं ग्वालियर के डॉक्टरों से संपर्क कर जानकारी ली है।

सुप्रीम कोर्ट से सीएम हेमंत सोरेन को राहत

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दर्ज शिकायत वाद पर रांची सिविल कोर्ट के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी द्वारा लिए गए संज्ञान को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने रांची की एमपी-एमएलए कोर्ट की विशेष अदालत में चल रही कार्रवाई पर फिलहाल रोक लगा दी। साथ ही ईडी को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। इस आदेश के बाद फिलहाल निचली अदालत में आगे की प्रक्रिया स्थगित रहेगी, जिससे मुख्यमंत्री को अस्थायी राहत मिल गई है। मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में हुई, जिसमें जस्टिस जॉयमंगल बागची भी शामिल थे।

30 दिनों तक हिरासत में रहने पर हटाए जाएंगे पीएम-सीएम इस विधेयक पर होगी गैर-एनडीए शासित राज्यों से चर्चा

नई दिल्ली। पीएम और सीएम के पदों से संबंधित 3 महत्वपूर्ण विधेयकों की समीक्षा के लिए गठित संयुक्त संसदीय समिति की बुधवार को अहम बैठक हुई. इन विधेयकों में प्रावधान है कि यदि प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री 30 दिनों तक हिरासत में रहते हैं, तो उन्हें पद से हटाया जा सकता है. बैठक में 130वां संविधान संशोधन विधेयक 2025, जम्मू एवं कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक 2025 और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकार (संशोधन) विधेयक 2025 पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया. 31 सदस्यों वाली इस जेपीसी की यह छठी बैठक थी, जो करीब तीन घंटे तक चली। समिति ने इस दौरान वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों और कानूनी विशेषज्ञों के साथ इन विधेयकों के कानूनी और प्रशासनिक पहलुओं पर चर्चा की. बैठक में मध्य प्रदेश सरकार के मुख्य शासन सचिव के अलावा , पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च और इंडियन लॉ इंस्टिट्यूट के वरिष्ठ प्रतिनिधि पेश हुए।

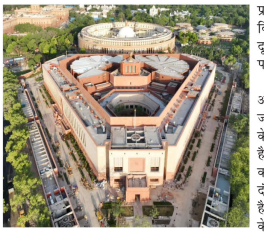

बैठक में सभी ने राजनीति के अपराधीकरण के खिलाफ भारत सरकार की मुहिम का समर्थन किया है. सरकार चाहती है कि पॉलिटिक्स को डेक्रिमिनलाइज् किया जाये। मध्य प्रदेश सरकार ने सम्पूर्ण समर्थन दिया है. इससे पहले राजस्थान सरकार के प्रतिनिधियों ने भी समर्थन किया था. इसके अलावा दो दूसरे संस्थाओं ने बिल में परिवर्तन का सुझाव दिया है.

अब तक 14 संस्थाओं और 2 राज्य सरकारों ने जॉइंट पार्लियामेंट्री कमिटी के सामने प्रेजेंटेशन किया है. जॉइंट पार्लियामेंट्री कमिटी ने राज्यों का भी दौरा करने का फैसला किया है, जिस दौरान मुख्यमंत्रियों के साथ तीनों महत्वपूर्ण विधायकों पर चर्चा की जाएगी. आज एक सुझाव बैठक में दिया गया कि गैर-एनडीए शासित राज्यों के अधिकारीयों को भी बैठक में बुलाया जाये।

एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 10वीं या माध्यमिक परीक्षा का एडमिट कार्ड पहचान के रुप में मान्य नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सुनवाई करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के दौरान 10वीं या माध्यमिक परीक्षा का एडमिट कार्ड सिर्फ पहचान के रूप में मान्य नहीं होगा। इन्हें सिर्फ सहायक (पूरक) दस्तावेज माना जाएगा। एडमिट कार्ड तभी मान्य होगा जब उसके साथ मार्कशीट भी हो। वरिष्ठ वकील दीपक नायडू ने सुप्रीम कोर्ट के सामने मामला उठाकर पूछा था कि क्या क्लास 8वीं की परीक्षा का एडमिट कार्ड अपने आप में पहचान पत्र रूप में इस्तेमाल हो सकता है। इस पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा कि क्लास 8वीं की मार्कशीट पहचान सत्यापन के लिए मान्य दस्तावेजों में शामिल है। एडमिट कार्ड सिर्फ उसी की पुष्टि के लिए जोड़ा जा सकता है। एडमिट कार्ड सिर्फ सहायक कागज है, यह अपने दम पर पहचान का आधार नहीं बन सकता।

बंगाल सहित 12 राज्यों में एसआईआर के फेज 2 के तहत वोटर वेरिफिकेशन की प्रक्रिया जारी है। यहां पर 28 फरवरी को फाइनल मतदाता सूची प्रकाशित होगी। बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान राज्य सरकार और चुनाव आयोग के बीच खींचतान चल रही है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट मामले पर सुनवाई कर रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने 24 फरवरी 2026 के अपने आदेश का हवाला देकर कहा कि जो दस्तावेज अभी तक अपलोड नहीं हुए हैं और 15 फरवरी से पहले मिले थे, उन्हें संबंधित ईआरओ और एईआरओ गुरुवार शाम 5 बजे तक न्यायिक अधिकारियों के सामने पेश करें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जन्मतिथि और पिता का नाम साबित करने के लिए मार्कशीट के साथ एडमिट कार्ड दिया जा सकता है। लेकिन एडमिट कार्ड सिर्फ मान्य नहीं होगा। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि जिन लोगों ने परीक्षा नहीं दी या पास नहीं की, उनके पास भी एडमिट कार्ड हो सकता है।

एनसीपी ने सुनेत्रा को बारामती विधानसभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवार किया घोषित

मुंबई। महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने दिवंगत नेता और पूर्व डिप्टी सीएम अजीत पवार के निधन के बाद खाली हुए नेतृत्व के शून्य को भरने के लिए बड़ा फैसला लिया है। मंगलवार को पार्टी की अहम बैठक में सुनेत्रा पवार को बारामती विधानसभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवार घोषित किया गया, साथ ही उन्हें पार्टी का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने की तैयारी भी पूरी कर ली गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बारामती विधानसभा सीट सुनेत्रा के पति और महाराष्ट्र के पूर्व डिप्टी सीएम अजित पवार की 28 जनवरी को एक विमान हादसे में अचानक मौत के बाद खाली हुई है। 2024 के विधानसभा चुनावों में, अजित पवार ने अपने भतीजे और एनसीपी (एसपी) कैंडिडेट युगेंद्र पवार पर 1,00,899 वोटों से हराकर यह सीटी जीती थी।

बैठक में पार्टी लीडरशिप ने पार्थ पवार के राज्यसभा के लिए नॉमिनेशन को भी फाइनल किया गया। वह राज्यसभा में अपनी मां सुनेत्रा पवार की जगह लेंगे। सुनेत्रा अपने पति की मौत के बाद महाराष्ट्र में महायुति सरकार में डिप्टी सीएम बनी हैं। महाराष्ट्र में राज्यसभा की सात खाली सीटों के लिए 16 मार्च को चुनाव होना हैं।

बड़े नेता-अफसर समुदाय विशेष को टारगेट नहीं कर सकते

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि ऊंचे संवैधानिक पदों पर बैठे नेता-अफसर किसी समुदाय को धर्म-जाति, भाषा और क्षेत्र के आधार पर निशाना नहीं बना सकते। कोर्ट ने कहा कि ऐसा करना संविधान के खिलाफ है। किसी भी माध्यम से समुदाय को बदनाम करना अस्वीकार्य है। कोर्ट ने कहा कि संविधान के अनुसार राज्य या गैर-राज्य अभिनेता सहित कोई भी व्यक्ति भाषण, मीम, कार्टून या दृश्य कला जैसे किसी भी माध्यम से किसी समुदाय को बदनाम या अपमानित नहीं कर सकता। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जवल भुयान की बेंच ने नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली फिल्म 'घूसखोर पंडत' पर रोक की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए अलग से यह टिप्पणी की। बेंच ने 19 फरवरी को फिल्म निर्माता नीरज पांडे के हलफनामे को रिकॉर्ड में लेकर याचिका खत्म कर दी। अदालत ने उम्मीद जताई कि विवाद अब खत्म हो जाएगा। जस्टिस भुयान ने अपने 39 पन्नों के अलग फैसले में कहा कि देश की एकता और समाज में शांति बनाए रखने के लिए भाईचारा बहुत जरूरी है। संविधान की प्रस्तावना में भी सभी नागरिकों के बीच भाईचारा बढ़ाने और देश की एकता व अखंडता बनाए रखने का वादा किया गया है।

इस याचिका में अलग क्या है? यह पब्लिसिटी हासिल करने दाखिल की गई- सीजेआई

नई दिल्ली। विश्विद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में फिर याचिका दाखिल की गई है। बुधवार को दायर इस याचिका पर सुप्रील कोर्ट के सीजेआई सूर्यकांत ने कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा है कि याचिका मीडिया में पब्लिसिटी हासिल करने के मकसद से की गई है। उन्होंने पूछा कि इस याचिका में अन्य याचिकाओं से अलग क्या है।

इस पर एडवोकेट ने कहा कि मेरा आधार यह है कि नियमों को अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर बनाया गया है। हालांकि यह पहली बार नहीं है जब इक्विटी रेगुलेशंस के खिलाफ किसी ने सुप्रील कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इसपर सीजेआई ने कहा कि इसके जरिए मीडिया में चर्चा में आने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह जनहित याचिका क्यों? अब यह हद से ज्यादा हो रहा है। यह सब केवल बाहर मीडिया को संबोधित करने के लालच में किया जा रहा है। वरना आप यूट्यूब पर कैसे आएंगे! इस याचिका में ऐसा क्या अलग है जो दूसरी याचिकाओं में नहीं था?

सुप्रीम कोर्ट ने नियमों पर जनवरी में ही रोक लगा दी थी। कोर्ट ने कहा कि यह प्रारूप प्रथम दृष्टया अस्पष्ट है, इसके बहुत व्यापक परिणाम हो सकते हैं और इसका प्रभाव खतरनाक रूप से समाज को विभाजित करने वाला भी हो सकता है। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा था कि विनियमों में कुछ अस्पष्टताएं हैं और इनके दुरुपयोग की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है।

दरअसल, नियमों को लेकर दलीलें दी गई थीं कि यूजीसी ने जाति-आधारित भेदभाव की गैर-समावेशी परिभाषा अपनाई है और कुछ श्रेणियों को संस्थागत संरक्षण से बाहर रखा है। इन नियमों के खिलाफ देश में कई स्थानों पर विरोध प्रदर्शन हुए जिसमें छात्र समूहों और संगठनों ने इन्हें तत्काल वापस लेने की मांग की।

उद्योगपति अनिल अंबानी के मुंबई स्थित घर को अस्थाई रूप से कुर्क किया गया

मुंबई (ईएमएस)। उद्योगपति अनिल अंबानी के मुंबई स्थित घर को अस्थाई रूप से कुर्क किया गया है। कुर्की की ये कार्रवाई प्रवर्तन निदेशालय की तरफ से की गई है। ईडी से जुड़े सूत्रों के अनुसार इस घर की कीमत करीब 3,716 करोड़ रुपये बताई जा रही है। ईडी के अनुसार अनिल अंबानी और उनके समूह की कंपनियों के खिलाफ अब तक कुल अटैचमेंट की कार्रवाई ?15,000 करोड़ से अधिक की हो चुकी है। आपको बता दें कि इस कार्रवाई से पहले बंबई उच्च न्यायालय ने उद्योगपति अनिल अंबानी को झटका देते हुए एकल पीठ के उस अंतरिम आदेश को सोमवार को रद्द कर दिया, जिसमें उनके एवं रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड के बैंक खातों को "धोखाधड़ी वाला वर्गीकृत करने की कार्यवाही पर रोक लगाई गई थी। मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अनखड़ की खंडपीठ ने सार्वजनिक क्षेत्र के तीन बैंक और लेखा परामर्श कंपनी बीडीओ इंडिया एलएलपी की, दिसंबर 2025 में पारित एकल पीठ के अंतरिम आदेश के खिलाफ दायर अपील को स्वीकार करते हुए यह फैसला सुनाया था।खंडपीठ ने एकल पीठ के आदेश को रद्द करते हुए इसे अवैध एवं विकृत करार दिया था। अनिल अंबानी के वकीलों ने उच्च न्यायालय से अनुरोध किया कि आदेश पर रोक लगाई जाए ताकि वे उच्चतम न्यायालय का रुख कर सकें, लेकिन अदालत ने यह मांग ठुकरा दी।अंबानी एवं उनकी कंपनी को अंतरिम राहत देने वाले दिसंबर 2025 के आदेश को तीनों बैंक ने पिछले महीने चुनौती दी थी।

मजदूरों के विभिन्न संगठनों ने की एक दिवसीय काम बंद हड़ताल

भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रव्यापी आंदोलन के तहत बस स्टैंड में दिया धरना

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

मजदूर वर्ग के विभिन्न संगठनों की वर्षो से कई मांगे लंबित है।जो अब तक पूरी नही हो पायी है।बार बार आवेदन, निवेदन, ज्ञापन ,धरना प्रदर्शन और आंदोलन के बावजूद भी उनकी प्रमुख मांगे पूरी ना होने से मजदूरों वर्ग के सभी संगठन केंद्र व राज्य सरकार से खासा नाराज है।जिसपर अपना एतराज जताते हुए, मजदूरों के विभिन्न संगठनों ने बुधवार 25 फरवरी को सामुहिक रूप से एक दिवसीय काम बंद हड़ताल की।जहा सभी संगठनों के द्वारा भारतीय मजदूर संघ के राष्टीय आह्वान पर नगर के बस स्टैंड में एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी आंदोलन के तहत धरना प्रदर्शन किया गया।इस दौरान मजदूरों के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने जहा अपने उद्बोधन में कार्य क्षेत्र के दौरान मजदूरों को होने वाली विभिन्न परेशानियों को बतलाया।तो वही अपनी विभिन्न मांगों को लेकर किए गए अब तक के प्रयास, और उसपर मिले आश्वासनो से अवगत कराया।जहा उन्होंने सरकार पर वादाखिलाफी और श्रमिको मजदूरों की सुनवाई ना करने,उनकी मांगों की उपेक्षा किए जाने का आरोप लगाते हुए,अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी की।वही नगर में एक आक्रोश रैली निकालकर कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा है।जिसमे उन्होंने उनकी विभिन्न मांगों को यथाशीघ्र पूरी किए जाने की गुहार लगाई है।जहां मांगे जल्द जल्द से पूरी ना होने पर भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले राष्ट्रव्यापी उग्र आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

नगर में रैली निकालकर दिखाया आक्रोश,सौपा ज्ञापन

भारतीय मजदूर संघ के आव्हान पर श्रमिक मजदूरों के विभिन्न संगठनों द्वारा किए गए इस एक दिवसीय कार्य बंद आंदोलन और धरना प्रदर्शन के बाद, बस स्टैंड से श्रमिकों एवं कर्मचारियों ने नगर में एक आक्रोश रैली निकाली यह रैली नगर के बस स्टैंड से रानी आवन्ति बाई चौक, वहां से काली पुतली चौक होते हुए, पीजी कालेज के सामने से होते हुए आंबेडकर चौक, वहां से एलआईसी कार्यलय के सामने से डॉ विश्वेश्वरैया चौक, और वहां से सीधे कलेक्टर कार्यलय पहुची।इस आक्रोश रैली के दौरान मजदूर श्रमिको के विभिन्न संगठनों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी की तो वही अब तक मांगे पूरी ना होने पर अपना आक्रोश जताया।

गेट बंद होने पर पुन: कलेक्ट्रेट में किया सांकेतिक धरना प्रदर्शन

उधर रैली के माध्यम से ज्ञापन देने के लिए कलेक्टर कार्यालय पहुचने पर उन्हें कलेक्ट्रेट का मुख्य द्वार बंद मिला।जिसपर नाराजगी जताते हुए भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले कलेक्ट्रेट गेट के समीप पुन: सांकेतिक धरना प्रदर्शन कर जमकर नारेबाजी की।जिसके उपरांत संगठन द्वारा प्रधानमंत्री, केंद्रीय श्रम मंत्री व मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया।इस दौरान भारतीय मजदूर संघ से जुड़े श्रमिको व मजदूरों के विभिन्न संगठनो के पदाधिकारियों सदस्यों व जिले के सरकारी एवं निजी विभागों में कार्यरत कर्मचारी और श्रमिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

इन प्रमुख मांगो को लेकर सौपा ज्ञापन

ईपीएफओ अंशदान के लिए वेतन सीमा में वृद्धि की जाने, ईएसआईसी अंशदान की वेतन सीमा बढ़ाई जाने, ईपीएस–95 के अंतर्गत पेंशन राशि बढ़ाकर न्यूनतम 7500 रुपये प्रतिमाह किए जाने, पेंशन भोगियों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ देने, खदानों एवं अन्य संस्थानों में कार्यरत ठेका श्रमिकों को नियमित किए जाने,आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका, मिड–डे मील रसोईया, पेशा मोबिलाईजर, अतिथि शिक्षक, नगर पालिका के अनियमित कर्मचारी, आउटसोर्सिंग कर्मचारी एवं सफाई कर्मियों को स्थायी कर उन्हें कामगार का दर्जा देने, लोडिंग अनलोडिंग, के दाम बढ़ाने, जो मजदूर बांस टाल, कवेलु कारखानों, पेट्रोल पंप, अनाज मंडी, वेयरहाउस और धान खरीदी केंद्रों में कार्यरत हैं उन्हें सामाजिक सुरक्षा के दायरे में शामिल करने,चालक एवं परिचालकों का श्रमिक पंजीयन, दुर्घटना एवं जीवन बीमा, पेंशन, वृद्धावस्था सहायता तथा स्वास्थ्य बीमा जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ देने सहित अन्य मांगों को धरना व ज्ञापन के माध्यम से पूरा करने की गुहार लगाई है।

तो सड़को पर उतरकर किया जाएगा उग्र आंदोलन- योगेश यादव

भारतीय मजदूर संघ अध्यक्ष योगेश यादव ने बताया कि यह आंदोलन केवल मांगों का ज्ञापन देने तक सीमित नहीं है, बल्कि श्रमिकों के अधिकारों और सम्मान की लड़ाई का प्रतीक है।उन्होंने बताया कि वर्षों से लंबित मांगों पर सरकार द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है लगातार श्रमिकों मजदूरों का शोषण किया जा रहा है।इसीलिए आज चेतावनी स्वरूप एक दिवसीय कार्य बंद कर राष्ट्रव्यापी हड़ताल कर, रैली के माध्यम से ज्ञापन सौपा गया है। जहां मांगे आज की नहीं है बल्कि वर्षों पुरानी है हमारी मांग है कि जल्द से जल्द इन सभी मांगों को पूरा किया जाए। यदि ऐसा नहीं होता तो आगामी समय में भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान संगठन से जुड़े सभी पदाधिकारी सदस्य, विभिन्न विभागों में पदस्थ मजदूर श्रमिक व अन्य संगठन के पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

लामता ब्लॉक अध्यक्ष पद पर श्री दीपचंद ठाकरे नियुक्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला पंवार समाज अध्यक्ष विशाल बिसेन ने आज समाज संगठन को मज़बूत करने की दिशा में और समाज संगठन का विस्तार करते हुए जिले के लामता क्षेत्र में नई जिम्मेदारी का दायित्व सौंपा है जिसके तहत उनके द्वारा लामता क्षेत्र में ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। संगठन द्वारा जारी नियुक्ति पत्र अनुसार यह स्पष्ट है कि समाज के वरिष्ठों, मार्गदर्शकों एवं संरक्षकों के निर्देश पर एवं समाज की प्रबंध कार्यकारिणी के प्रस्ताव अनुसार यह नियुक्ति जारी की गई है।नए ब्लॉक अध्यक्ष में दीपचंद ठाकरे निवासी तीखाखारी को लामता ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया है।उल्लेखनीय यह है की दीपचंद सोमाजी ठाकरे का एक विस्तृत सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन रहा है वे पूर्व से ही जिला समाज संगठन के आजीवन सदस्य हैं , श्री राम मंदिर ट्रस्ट के सर्किल समिति अध्यक्ष रहे हैं , सेवा सहकारी समिति पूर्व संचालक, जल उपभोक्ता पूर्व अध्यक्ष, पूर्व जनपद सदस्य जनपद पंचायत बालाघाट रहे हैं, वर्तमान में उनकी पत्नी श्रीमती धनवंता ठाकरे जनपद सदस्य हैं। पंवार समाज जिला मीडिया विभाग संयोजक संजय बिसेन ने जानकरी देते हुए बताया कि पंवार समाज जिला अध्यक्ष श्री विशाल बिसेन द्वारा समाज संगठन को सशक्त बनाने के उद्देश्य से जिले में ब्लॉक स्तरीय नियुक्तियां दी जा रही है। लामता ब्लॉक के प्रथम ब्लॉक अध्यक्ष होंगे दीपचंद ठाकरे जिनकी नियुक्ति में उनके अनुभव को प्राथमिकता दी गई है एवं सामाजिक संतुलन बनाने का प्रयास किया गया है।मीडिया संयोजक ने आगे बताया कि जल्द ही ब्लॉक कटंगी, ब्लॉक हट्टा एवं ब्लॉक बालघाट ग्रामीण अध्यक्षों की नियुक्ति की जाएगी।नव नियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष से समाज संगठन को मज़बूत करने एवं समाज के समस्त संस्थानों के साथ लेकर काम करने की अपेक्षा की गई है।समाज के समस्त क्षेत्रों में पंवार समाज निरंतर कार्य कर रहा है, समाज जनों ने नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष को शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

किराये से देना है
दुकान/ऑफिस किराये से देना है
स्टेट बैंक के पास मेन रोड बालाघाट
-संपर्क करें-
8516809720

सुरक्षा कर्मी की बंपर भर्ती
योग्यता 10 वी 12वीं पास
सैलरी 15 से 20 हजार रूपए,
पीएफ ईएसआईसी लीव सैलेरी बोनस की सुविधा
सनफ्लैग स्टील प्लांट भंडारा (वरठी)
संपर्क-7030497666, 9766188388

सबका प्यारा
विपुल बिसाने
को आज 26 फरवरी 2026
को 11वें जन्मदिन की
हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती विद्या–शौकत बिसाने
व श्रीमती रजनी–हौसीलाल बिसाने, मयुरी,
एनाक्षी, सुजीत व समस्त स्नेहीजन बालाघाट

बालाघाट में माल्यार्पण और हट्टा में सुरों से दी जाएगी श्रद्धांजलि

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अपनी वीरता और स्वाभिमान से अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिला देने वाले महान क्रांतिकारी अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की पुण्यतिथि जिला मुख्यालय के करीब 13 किमी दूर ग्राम हट्टा में 27 फरवरी को गौरवमयी ढंग से मनाई जाएगी। इस अवसर पर अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद द्वारा शहर में श्रद्धासुमन अर्पित किए जाएंगे, तो वहीं ग्रामीण क्षेत्र हट्टा में देशभक्ति की सांस्कृतिक बयार बहेगी।

दोपहर 2 बजे आजाद चौक पर जुटेंगे राष्ट्रभक्त

बताया गया कि अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद (इकाई बालाघाट) के तत्वाधान में नगर के हनुमान चौक पर विशेष माल्यार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। संगठन के अध्यक्ष विकास हजारी ने जानकारी देते हुए बताया कि आजाद जी का जीवन हर भारतीय के लिए प्रेरणा का पुंज है।उन्होंने कहा, चन्द्रशेखर आजाद जी ने जीते जी कभी गुलामी स्वीकार नहीं की, उनका बलिदान युवाओं में राष्ट्रवाद की भावना भरता है। इस कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक दोपहर 2:00 बजे एकत्रित होकर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करेंगे।

हट्टा में सजेगी एक शाम शहीदों के नाम की महफिल

बताया गया कि शहीदों के सम्मान में ग्राम पंचायत हट्टा में एक अनूठी पहल की जा रही है। यहाँ शाम 7 बजे से एक शाम शहीदों के नाम संगीतमय कार्यक्रम का भव्य आगाज होगा। इस आयोजन में स्थानीय व आमंत्रित कलाकारों द्वारा देशभक्ति गीतों और भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को देश के बलिदानियों के गौरवशाली इतिहास से रूबरू कराना है। आयोजन समिति ने क्षेत्र के समस्त नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर शहीदों के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट करने का आह्वान किया है।

रोजेदारों को हिंदू धर्मावलंबियों ने कराया रोजा इफ्तार

मजहबी नफरतों के बीच भरवेली में दिखाई दी गंगा जमुना तहजीब

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पवित्र माह रमजान में इबादतों का दौर जारी है। जहां चांद के दीदार के साथ 18 फरवरी की शाम से शुरू हुए इस पवित्र माह रमजान में जिले की तमाम मस्जिदों, मदरसों व अन्य इबादतगाहों में रोजाना ही सामूहिक रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन किया जा रहा है। इसी दरमियान जिला मुख्यालय से करीब 5 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत भरवेली स्थित जामा मस्जिद में बुधवार की शाम हिंदू मुस्लिम एकता की एक मिसाल देखने को मिला जहां देश में बढ़ती मजहबी कटुता और सामाजिक तनाव के माहौल के बीच भरवेली में आपसी भाईचारे और सौहार्द की मिसाल देखने को मिली है।जहा आयोजित रोज़ा इफ्तार पार्टी में हिंदू धर्मावलंबियों ने आगे बढ़कर रोज़ेदारों को इफ्तार कराया। इस अवसर पर हिंदू–मुस्लिम एकता की अनूठी तस्वीर नजर आई।

हिंदू समुदाय के लोग भी रोजा इफ्तार में हुए शामिल

रमजान के पाक महीने में आयोजित इस इफ्तार कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के रोज़ेदारों के साथ–साथ हिंदू समाज के लोग भी शामिल हुए। जहां सर्वप्रथम हिंदू धर्मालंबियों ने उपस्थित सभी रोजगारों का फूल महिलाओं से स्वागत किया जिसके उपरांत सभी ने मिलकर रोज़ा खोला और देश में अमन–चैन और भाईचारे की दुआ मांगी।

आपसी सौहार्द का दिया गया संदेश

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि भरवेली हमेशा से गंगा–जमुनी तहजीब की मिसाल रहा है। यहां सभी धर्मों के लोग एक–दूसरे के पर्व–त्योहारों में बढ़–चढ़कर हिस्सा लेते हैं। इफ्तार पार्टी का उद्देश्य समाज में प्रेम, सद्भाव और एकता का संदेश देना था।हिंदू समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि रोज़ा इफ्तार में शामिल होना और रोज़ेदार भाइयों के साथ बैठकर रोज़ा खोलना उनके लिए गर्व की बात है। वहीं मुस्लिम समुदाय के लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन आपसी विश्वास को मजबूत करते हैं।

सभी ने एक दूसरे के गले मिलकर दी बधाई

कार्यक्रम के अंत में सभी ने एक–दूसरे को गले लगाकर भाईचारे का संदेश दिया और भविष्य में भी इसी तरह मिल–जुलकर रहने का संकल्प लिया।भरवेली में आयोजित यह इफ्तार पार्टी क्षेत्र में सामाजिक सौहार्द और सांप्रदायिक एकता की प्रेरणादायक मिसाल बन गई है।

अंजुमन इस्लामिया कमेटी की जानिब से हुआ आयोजन

बताया कि प्रत्येक वर्ष रमजान पाक के मुकद्दस माह में अंजुमन इस्लामिया कमेटी द्वारा रोजाना ही सामुहिक रोजा ईफ्तार पार्टी का आयोजन कराया जाता है।जहां हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी रोजा इफ्तार का आयोजन जामा मस्जिद में किया गया है। लेकिन इस वर्ष 7 वे रोजो में ये अनूठी मिशाल देखने को मिली जहा आपसी प्रेम ,भाईचारा व सुख समृद्धि की कामना को लेकर हिन्दू भाई भी इस आयोजन में शामिल हुए।जिसमें उपस्थित सभी ने रोजा इफ्तार कर सामूहिक रूप से अमनो - अमान की दुआएं मांगी है।

न्यायालय नायब तहसीलदार किरनापुर.
जिला बालाघाट म.प्र.

रा.प्र.क्र./0053/8-154/वर्ष 2025-26
साकिन:- कुंडे प.ह.नं. 27
रा.नि.म.- माटे तहसील किरनापुर

समाचार पत्र प्रकाशन

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक उदेलाल पिता सुकाजी जाति मरार निवासी ग्राम कुंडे तहसील किरनापुर जिला बालाघाट म प्र. द्वारा अपनी माताजी डारोबाई कावरे की मृत्यु दिनांक 16/07/1998 को ग्राम कुंडे में मृत्यु हो जाने से मत्यु के 1 वर्ष पश्चात पंजीयन की अनुमति मिलन हेतु लोकसेवा केन्द्र किरनापुर के माध्यम से आवेदन पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया है।अत: उक्त के संबंध में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को सूचित किया जाता है, कि वे निश्चित दिनांक 26/02/2026 को या तो स्वयं, किसी अभिभाषक अथवा प्रतिनिधी द्वारा उपस्थित होकर कोई आपत्ति हो तो प्रस्तुत करें। नियत दिनांक के बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। नियत दिनांक के पश्चात प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।आज दिनांक 13/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर के अधीन जारी किया गया।

तहसीलदार किरनापुर

कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का हुआ समापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ, आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ एवं शोध एवं विकास प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी कार्यक्रम का समापन 25 फरवरी को किया गया। संगोष्ठी का विषय भारतीय ज्ञान परंपरा के विविध आयाम रहा। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। द्वितीय दिवस के कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। अतिथियों का स्वागत भारतीय परंपरा अनुसार पुष्पगुच्छ, बैज, श्रीफल, शाल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया। आयोजन सचिव डॉ. स्वाति खोब्रागडे ने संगोष्ठी की विषयवस्तु पर प्रकाश डालते हुए भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्व को रेखांकित किया। मुख्य वक्ता डॉ. अरूणा पलटा, भूतपूर्व कुलगुरू, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय ने भारतीय ज्ञान परंपरा में गृह विज्ञान विषय पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। वहीं द्वितीय विषय विशेषज्ञ डॉ.

शैलेन्द्र कुमार भारल, डीन प्राध्यापक (वाणिज्य संकाय), सम्राट विक्रम विश्वविद्यालय ने भारतीय ज्ञान परंपरा, वाणिज्य विज्ञान एवं विकसित भारत विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. दीपरत्ना मासुलकर ने 'बुद्ध द्वारा दी गई मुद्राओं' पर प्रकाश डाला। डॉ. सुनील कुमार मासुलकर एवं प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर ने भी अपने उद्बोधन में भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता पर विचार रखे। कार्यक्रम के अंत में सहायक प्राध्यापक डॉ. अरूण कुमार बोरकर ने आभार व्यक्त किया। मंच संचालन सुश्री प्रीति उइके एवं विजय कुमार तुरकर ने किया। भोजन अवकाश के पश्चात आयोजित तकनीकी सत्र में विभिन्न महाविद्यालयों से आए प्राध्यापकों, सहायक प्राध्यापकों, शोधार्थियों एवं महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। समापन समारोह में श्रीमती दीप्ति गढ़पाले ने आभार प्रदर्शन किया। संगोष्ठी के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में भारतीय ज्ञान परंपरा एवं श्री अन्न प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया, जिसे प्रतिभागियों ने सराहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के वरिष्ठ एवं सहायक प्राध्यापकों, अतिथि विद्वानों, कार्यालयीन एवं तकनीकी कर्मचारियों तथा छात्राओं का सराहनीय योगदान रहा।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट सिटी न्यूज़

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

जिला अधिवक्ता संघ ने की मुख्यमंत्री और पंचायत मंत्री से भोपाल में की भेंट

नए न्यायालय भवन की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन, मिला आश्वासन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वर्षों से लंबीत, नए न्यायालय भवन की मांग पूरी न होने से जिला अधिवक्ता संघ प्रदेश सरकार से खासा नाराज है।जिन्होंने कई बार नए न्यायालय भवन के निर्माण की मांग को लेकर आवेदन निवेदन किया, लेकिन उनपर कोई सुनवाई नही हुई।जिसपर अपनी नाराजगी जताते हुए, जिला अधिवक्ता संघ पदाधिकारी सहित अन्य अधिवक्ताओं द्वारा चरणबद्ध आंदोलन शुरू कर दिया गया है।जहा आवेदन निवेदन पर बात नही बनने पर उन्होंने नए न्यायालय भवन की मांग को

लेकर बुधवार को भोपाल पहुचकर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और पंचायत मंत्री प्रह्लाद पटेल से मुलाकात की।कुशाभाऊ ठाकरे पुराना विधानसभा भवन में की गई इस मुलाकात में संघ पदाधिकारियो ने बताया कि वर्तमान में जो न्यायालय भवन है, वह काफी जर्जर हालत में है, प्रकरणों की संख्या लगातार बढ़ रही है, अधिवक्ताओं और पक्षकारों की संख्याओं में भी इजाफा हो रहा है, न्यायालय रिकॉर्ड भी बढ़ चुका है। वर्तमान भवन इतना ज्यादा जर्जर हो चुका है कि उसकी बिल्डिंग को जहां-तहां से मरम्मत कराकर काम चलाना पड़ रहा है इसलिए हम चाहते हैं कि बालाघाट में नया न्यायालय भवन बने, हमारी यह मांग वर्षों पुरानी है,वर्षों पुरानी मांग के अनुरूप कलेक्टर कार्यालय के समीप करीब 12 वर्ष पूर्व, वर्ष 2013 में न्यायालय भवन के लिए 9 एकड़ 87 डिसमिल जमीन आवंटित की गई है लेकिन आज तक उस भूमि पर न्यायालय भवन बनाने के लिए काम शुरू नहीं किया गया है। यहां तक की भूमि पूजन तक नहीं हुआ है जिलाअधिवक्ता संघ द्वारा आवंटित की गई उक्त भूमि पर जल्द से जल्द नया न्यायालय भवन बनाए जाने की गुहार लगाई गई। जिसपर सुनवाई करते हुए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल ने जिला अधिवक्ता संघ को जल्द ही नए न्यायालय भवन बनाने के लिए फंड आवंटित किए जाने का भरोसा दिलाया है।इस दौरान जिला अधिवक्ता संघ बालाघाट के अध्यक्ष प्रवेश मलेवार, सचिव महेंद्र मधु बिसेन, विजय गुप्ता, नरेंद्र धुवारे ,राज्य अधिवक्ता परिषद जबलपुर सदस्य अधिवक्ता शैलेंद्र गुड्डा वर्मा सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बालाघाट बायपास लवादा से नैनपुर तक 66 किमी लंबी फोरलेन 543 के उन्नयन कार्य करने के आदेश

कलेक्टर ने ली निर्माण विभागों के अधिकारियों की बैठक, निर्माण कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

कलेक्टर मृणाल मीना ने 25 फरवरी को अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित निर्माण कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण करने एवं पूर्ण हो चुके कार्यों को संबंधित विभागों को हस्तांतरित करने के निर्देश दिये। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ भी उपस्थित थे। बैठक में सर्वप्रथम विभिन्न विभागों द्वारा बनायी जा रही सडको की स्थिति की समीक्षा की गई। इस दौरान एनएचपीडब्ल्यूडी के अधिकारी द्वारा बताया गया कि राष्ट्रीय राजमार्ग 543 के नैनपुर बायपास के अंत से बालाघाट बायपास अंत तक 66 किमी लंबाई में उन्नयन का कार्य किया जाना है। इसके लिए 1040 करोड रुपए का प्राकलन तैयार कर मुख्य अभियंता राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र भोपाल को प्रस्तुत किया गया है। इसी प्रकार राष्ट्रीय राजमार्ग 543 के गर्रा, वारासिवनी, तुमसर के महाराष्ट्र सीमा पर 51 किमी लंबाई में उन्नयन का कार्य प्रस्तावित है। इसके लिए 182 करोड 28 लाख रुपए का प्राकलन मुख्य अभियंता राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र भोपाल को प्रस्तुत कर दिया गया है।कलेक्टर श्री मीना ने इस पर एनएचपीडब्ल्यूडी के अधिकारी को निर्देशित किया कि इन मार्गों के उन्नयन के लिए भूमि आवंटन संबंधी कार्य को शीघ्रता से पूर्ण करें और मुख्य अभियंता राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र भोपाल से समन्वय कर उन्नयन कार्य की प्रक्रिया को शीघ्रता से आगे बढ़ाये।

एमपीआरडीसी के जिला प्रबंधक ने बताया कि वारासिवनी, लालबर्रा सडक बीओटी के अंतर्गत है और इसका मेटर्नेस 2030 तक संबंधित फर्म द्वारा किया जाएगा। वारासिवनी-कटंगी सडक का कार्य पूर्ण हो चुका है। बैहर-

लामता सडक के 30 किमी लंबाई का कार्य किया जाना है। सिवनी-बालाघाट सडक के बीटी रिनिवल का कार्य कर लिया गया है। इस सडक को फोरलेन करने का डीपीआर पूर्ण हो गया है। खैरलांजी-अगासी एवं सीतापठोर-महकेपार सडक लोकनिर्माण विभाग को हस्तांतरित की जा रही है। गढी-चिल्पी सडक के 02 कल्वर्ट में काम हो गया है। इस सडक की मरम्मत का कार्य 03 दिन पूर्व ही प्रारंभ किया गया है। बैहर-मुक्की-गढी सडक के 20 किमी में बीटी रिनिवल का कार्य कर लिया गया है। बालाघाट-बैहर 19 किमी लंबाई का बीटी रिनिवल करने टेंडर हो गया है। कलेक्टर श्री मीना ने बैहर-लामता सडक का मरम्मत कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिये। इसी प्रकार बैहर-गढी रोड के कान्हा टाईगर रिजर्व से अनुमति के लिए रोके गए 11.3 किमी कार्य की शीघ्र अनुमति प्राप्त कर पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। कलेक्टर श्री मीना ने बैहर-सालेटेकरी रोड की मरम्मत का कार्य भी शीघ्रता से करने के निर्देश दिये।

बैठक में मप्र भवन विकास निगम के अधिकारी द्वारा बताया गया कि मुलना स्टेडियम में स्पोर्ट्स काम्पलेक्स एवं गर्रा में क्रिकेट स्टेडियम निर्माण के लिए प्राकलन तैयार किये जा रहे है। प्राकलन तैयार होने के बाद टेंडर आदि की प्रक्रिया की जाएगी और उसके साथ ही निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा। कलेक्टर श्री मीना ने स्पोर्ट्स काम्पलेक्स एवं क्रिकेट स्टेडियम के लिए खिलाडियो की आवश्यकता के अनुरूप सभी व्यवस्थाओं को प्राकलन में शामिल करने के निर्देश दिये। स्पोर्ट्स काम्पलेक्स एवं क्रिकेट स्टेडियम मानक मापदण्डों के अनुसार ही बनाया जाना है। इसके लिए विशेषज्ञ फर्म से प्राकलन तैयार कर टेंडर आदि की प्रक्रिया शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिये गए।

बैठक में लोक निर्माण विभाग, पीआईयू, सेतु संभाग, पुलिस हाउसिंग बोर्ड, एमपी हाउसिंग बोर्ड, प्रधानमंत्री ग्रामीण सडक, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, जनजातीय कार्य विभाग, सिंचाई विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा कराये जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री मीना ने समीक्षा के दौरान निर्देशित किया कि शाला भवन, स्वास्थ्य विभाग के भवन, छात्रावास भवन, नक्सल प्रभावित क्षेत्र की सडकें, पुल पुलिया का कार्य समय सीमा में पूर्ण कराया जाए और निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने कहा गया। आरसीपीएलडब्ल्यूई एवं एससीए के अंतर्गत पूर्व में स्वीकृत सडको एवं पुल पुलिया का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। जिन कार्यों के लिए वन विभाग की अनुमति लेना है उसके लिए परिवेश पोर्टल पर जानकारी अपलोड की जाए एवं अनुमति लेने के प्रक्रिया शीघ्रता से पूर्ण की जाए। वन विभाग से अनुमति लेने की प्रक्रिया में किसी भी तरह का विलंब नही होना चाहिए। छात्रावास एवं स्कूल भवनों के जो कार्य पूर्ण हो गए है उन्हें संबंधित विभाग को शीघ्र हस्तांतरित किया जाए।

बैठक में सिंचाई विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान सातनारी जलाशय एवं लामता सिंचाई योजना का कार्य समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। इसी प्रकार पोला जलाशय के जमीन आवंटन संबंधी कार्यवाही को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। सेतु संभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान लांजी-बिसोनी-सोगलपुर मार्ग पर महाराष्ट्र सीमा पर बनाये जा रहे पुल का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने कहा गया। बैठक में बताया गया कि बालाघाट में जागपुर घाट का पुल दिसम्बर 2026 तक पूर्ण हो पाएगा। बैठक में जिला खनिज निधि से स्वीकृत कार्यों की भी समीक्षा की गई।

अनुभा ने सदन में सरकार को घेरा, समाधान न होने पर आमरण अनशन करेंगी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट विधानसभा क्षेत्र के विधायक अनुभा मुंजारे ने विधानसभा सदन में अपने क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण और ज्वलंत मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधाओं की बदहाली और किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने की मांग को लेकर सरकार का ध्यान आकर्षित किया। विधायक मुंजारे ने कहा कि बालाघाट क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाएं पर्याप्त नहीं हैं। विशेष रूप से लालबर्रा क्षेत्र के स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों की भारी कमी है, जिससे ग्रामीण अंचल के लोगों को इलाज के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने पूर्व में घोषित मेडिकल कॉलेज को लेकर भी सरकार से स्पष्ट स्थिति बताने की मांग की और कहा कि इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं। किसानों की समस्याओं को उठाते हुए विधायक ने कहा कि क्षेत्र में बने जलाशयों के बावजूद किसानों को पर्याप्त सिंचाई जल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। उन्होंने सरकार से मांग की कि जल संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए ताकि किसानों को समय पर पानी मिल सके और फसल उत्पादन प्रभावित न हो।

मध्यप्रदेश विधानसभा में बजट पर चर्चा के दौरान बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने अपने क्षेत्र से जुड़े कई गंभीर विषयों को गम्भीरता से उठाया। उन्होंने कहा कि यदि बालाघाट विधानसभा की मूलभूत समस्याओं का शीघ्र

समाधान नहीं किया गया तो वे आमरण अनशन का रास्ता अपनाने को बाध्य होंगी। विधायक मुंजारे ने जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को अत्यंत चिंताजनक बताते हुए कहा कि शहीद भगत सिंह जिला चिकित्सालय, बालाघाट में स्वीकृत पदों के मुकाबले बड़ी संख्या में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी है। इसी प्रकार लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आवश्यक सुविधाओं का अभाव है। सोनोग्राफी मशीन उपलब्ध नहीं है और विशेषज्ञ डॉक्टरों के पद भी रिक्त हैं। एकमात्र महिला चिकित्सक पर 24 घंटे की जिम्मेदारी होने से 70 से अधिक ग्राम पंचायतों की जनता प्रभावित हो रही है। विधायक ने यह भी स्मरण कराया कि राज्य सरकार द्वारा बालाघाट में मेडिकल कॉलेज की स्वीकृति दी जा चुकी है और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा भूमि पूजन भी किया गया था, लेकिन अब तक निर्माण की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ी है।

शिक्षा व्यवस्था पर सवाल

विधायक मुंजारे ने शिक्षा क्षेत्र की कमियों को भी सदन में रखा। उन्होंने बताया कि बालाघाट विधानसभा क्षेत्र में कुछ शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल आज भी भवन विहीन हैं। कई विद्यालयों में बाउंड्रीवाल नहीं है, जिससे विद्यार्थियों की सुरक्षा खतरे में है। 30 से अधिक स्कूलों में फर्नीचर की कमी के कारण बच्चे जमीन पर बैठकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं। साथ ही कई स्कूलों में मरम्मत और अतिरिक्त कक्षों की आवश्यकता है।

आंगनवाड़ी, पंचायत और पुल निर्माण की समस्या

विधायक ने बताया कि क्षेत्र में आंगनवाड़ी केंद्र स्वयं के भवन से वंचित हैं। कई ग्राम पंचायतों के पास भी स्थायी भवन नहीं है। सिहोरा से रमपुरी मार्ग पर स्थित क्षतिग्रस्त पुल के कारण 8 से 10 गांवों के लोगों को लंबा चक्कर लगाकर आना-जाना पड़ रहा है, लेकिन इसके निर्माण के लिए बजट प्रावधान नहीं किया गया।

किसानों और बिजली आपूर्ति का मुद्दा

बालाघाट को धान उत्पादन में अग्रणी जिला बताते हुए विधायक ने किसानों के लिए 3100 रुपये समर्थन मूल्य की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि रबी फसल के दौरान मात्र 10 घंटे बिजली मिलने से सिंचाई प्रभावित हो रही है, इसलिए बिजली आपूर्ति का समय बढ़ाया जाना चाहिए। साथ ही जलाशयों से निकलने वाली जर्जर नहरों के सुधार की मांग भी की, जिससे करीब 50 गांवों के किसान प्रभावित हैं।

ट्रेन की चपेट में आने से मृत बिहार राज्य के युवक के शव का हुआ पोस्टमार्टम

परिजन पहुंचे बालाघाट, शव को ले गए बिहार, हैदराबाद से घर जाने निकला था आदित्य

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना अंतर्गत जबलपुर रेलवे लाइन पर ट्रेन की चपेट में आने से मृत बिहार राज्य के युवक का शव जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया। यह युवक आदित्य कुमार यादव पिता हरिवंश राय यादव 24 वर्ष ग्राम रजासन थाना बिदपुर,प्रखंड बिदपुर जिला वैशाली बिहार निवासी है। जिसका शव उसके परिजनों ने बिहार ले गए।

ज्ञात हो कि 24 फरवरी को ग्रामीण थाना अंतर्गत बालाघाट से जबलपुर रेलवे लाइन पर स्थित समनापुर रेलवे स्टेशन से 4 कि. मी. आगे ग्राम ओरमा से टेकाड़ी के बीच रेलवे ट्रैक पर एक युवक की ट्रेन की चपेट में आने से क्षत विक्षत लाश देखी गई। दोपहर में सूचना मिलती ही ग्रामीण पुलिस मौके पर पहुंची और मौके की कार्रवाई करने के बाद इस युवक की लाश जिला अस्पताल लाकर फ्रीजर में रखवा दिया गया था। इस युवक के बैग से कुछ दस्तावेज और मोबाइल मिले। जिससे यह युवक आदित्य कुमार यादव पिता हरिवंश राय यादव बिहार निवासी होना पाया गया। ग्रामीण पुलिस ने मोबाइल से संपर्क कर इस घटना के संबंध में उनके परिजनों को सूचित किये। आदित्य राय हैदराबाद में अपनी बहन के यहा रहकर नीट की तैयारी कर रहा था और वह होली पर्व की छुट्टी मनाने घर जाने निकला था । 23 फरवरी को चिल्हापल्ली रेलवे स्टेशन से टिकट कटाकर उसे ट्रेन में बिठा दिया गया था। उसके बाद रात में आदित्य राय की परिजनों से मोबाइल से बात हुई थी। आदित्य राय ने उन्हें बोला था कि खाना खाने के बाद सोने वाला हूं। उसके बाद बात नहीं हुई। 24 फरवरी बालाघाट से पुलिस वालों ने कॉल कर जानकारी दी। यह घटना 24 फरवरी को सुबह 4 बजे बालाघाट से होकर जाने वाली इतवारी (नागपुर)-रीवा एक्सप्रेस ट्रेन से होने की संभावना की गई है। 25 फरवरी को सुबह 10 बजे ग्रामीण पुलिस जिला अस्पताल में आदित्य की लाश का पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है।

हैदराबाद में रहकर नीट की तैयारी कर रहा था आदित्य- सिकंदर

हैदराबाद निवासी सिकंदर ने बताया कि मृतक आदित्य उसका साला है वह हैदराबाद में रहकर नीट की तैयारी कर रहा था। होली पर्व की छुट्टी पर वह घर जाने के बोला था। 23 फरवरी को आदित्य को ट्रेन की टिकट कटाकर चिल्हापलली रेलवे स्टेशन में ट्रेन में बिठा दिया था और उसके बाद रात में कॉल से बात हुई जिसने कहा था कि खाना खाने के बाद सोने वाला हूं। उसके बाद कॉल पर बात नहीं हुई। वहीं 24 फरवरी को बालाघाट से पुलिस वालों ने कॉल कर जानकारी दी उसके बाद यहां पहुंचे हैं।

सतपुड़ा इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक कॉलेज एवं आईटीआई में 11 कंपनियों के लिए ओपन कैंपस ड्राइव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सतपुड़ा इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक कॉलेज एवं आईटीआई, गर्रा, मांझापुर, बालाघाट (म.प्र.) में दिनांक 25/02/2026 को ओपन कैंपस का आयोजन किया गया, जिसमें देश की सुप्रसिध्द एवं प्रतिष्ठित कंपनियों में नागपुर की नेको ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज, एग्रोफेब मशीनरीज प्राइवेट लिमिटेड, पुणे की हायर एप्लायंसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, फिएट ऑटोमोबाइल्स, बिग मल्टीनेशनल (हुंडई), जाबिल सर्किट प्राइवेट लिमिटेड, फोर्स मोटर्स, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स, चेन्नई की एमआरएफ टायर लिमिटेड, मुंबई की ब्लू स्टार लिमिटेड ,गुजरात की जेसीबी लिमिटेड के लिए एच.आर. गुणसागर गायकवा सर एवं उनकी टीम द्वारा भर्ती ली गई जिसमें आईटीआई, डिप्लोमा, इंजीनियरिंग एवं ग्रेजुएशन कर चुके छात्र-छात्राएं जो बालाघाट जिले म.प्र. के अन्य शहरों (मंडला, कटनी, सिवनी, छिंदवाा, बैतूल, इटारसी, भोपाल, रीवा, सतना, जबलपुर इत्यादि) और राज्यों (ओसा,महाराष्ट्र,छत्तीसग,वेस्ट बंगाल इत्यादि) से लगभग 210 छात्र-छाात्राएं सम्मिलित हुए जिसमें साक्षात्कार के माध्यम से 148 अभ्यर्थियों का चयन किया गया संस्था के प्राचार्य , प्लेसमेंट अधिकारी एवं सभी स्टॉफ सदस्यों द्वारा चयनित छात्र-छात्राओं को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई हमारी संस्था द्वारा प्रतिष्ठित कंपनियों के कैंपस/रोजगार मेले के आयोजन किये जाते रहते हैं जिसका लाभ लेने हेतु छात्र-छाात्र हमारी संस्था के सोशल मीडिया नेटवर्क/दैनिक समाचार पत्र एवं संस्था से जुड़े रहे, जिससे संबंधित जानकारी समय-समय पर

भरवेली में शबरी जयंती पर निकली रैली, कोल समाज ने मनाया उत्सव

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। आदिवासी कोल समाज विकास समिति, जिला बालाघाट द्वारा शबरी जयंती का कार्यक्रम ग्राम हीरापुर, वार्ड क्रमांक 11 में हर्ष और उल्लास के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर समाजजनों द्वारा रैली निकालकर माता शबरी के प्रति श्रद्धा व्यक्त की गई। कार्यक्रम की शुरुआत कोल समाज के प्रांतीय अध्यक्ष दिनेश रौतेल द्वारा माता शबरी के चित्र पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर की गई। इस दौरान पारंपरिक रूप से बेर का प्रसाद अर्पित कर पूजा-अर्चना की गई। उपस्थित समाजजनों ने शबरी माता की जय के उद्घोष के साथ वातावरण को भक्तिमय बना दिया। अपने संबोधन में दिनेश रौतेल ने कहा कि माता शबरी कोल समाज की आराध्य एवं प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने समाज के लोगों से आह्वान किया कि हर वर्ष शबरी जयंती मनाई जाए, ताकि नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं, संस्कृति और आस्था से जोड़ा जा सके। उन्होंने कहा कि बच्चों को अपने इतिहास और समाज की महान विभूतियों से परिचित कराना आवश्यक है, जिससे वे भविष्य में समाज को सही दिशा दे सकें। कार्यक्रम में समाज के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से कार्तिक कठौते, दीपक कठौते, दिलीप कठौते, भूरा कठौते, प्रहलाद कठौते, सुशील कठौते, बंटी कठौते, रंजीत सकरे, रमेश कोहरे, अजीत साहू सहित महिला मंडल की सदस्याएं नर्मदा कठौते, निर्मला कठौते, शांताबाई कठौते, रुक्मणी रौतेले, आरती कठौते, अनीता कठौते, रश्मि रौतेले, श्यामा बाई कठौते, वर्षा कठौते, ज्योति कठौते, लक्ष्मी कठौते, अरुण कठौते एवं अन्य समाजजन उपस्थित रहे।

आस-पास की खबरें

यादव समाज की ब्लॉक स्तरीय आम बैठक कल

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली में स्थित यादव समाज मंगल में 27 फरवरी को दोपहर 12 बजे

यादव समाज संगठन की एक महत्वपूर्ण आम बैठक आयोजित की गई है। चर्चा में यादव समाज ब्लाक अध्यक्ष मनोज यादव ने बताया कि 27 फरवरी को दोपहर 12 बजे से अमोली स्थित यादव समाज मंगल भवन में ब्लाक स्तरीय बैठक आयोजित की गई है। बैठक में भवन निर्माण, आय-व्यय पर चर्चा, 31 मार्च को जिला संगठन द्वारा जिला सम्मेलन होने जा रहा है इस विषय पर, समाजोत्थान सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की जायेगी। साथ ही उक्त बैठक यादव समाज संगठन जिलाध्यक्ष गुलाब यादव के मुख्य आतिथ्य एवं ब्लाक अध्यक्ष मनोज यादव की अध्यक्षता में प्रारंभ होगी। इस अवसर पर यादव समाज के पदाधिकारी एवं स्वजातीय बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील यादव समाज ब्लाक अध्यक्ष मनोज यादव ने की है।

लालबर्रा में पूर्व मुख्यमंत्री, राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह का आगमन 26 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। मध्यप्रदेश शासन के पूर्व मुख्यमंत्री, रा'यसभा सांसद दिग्विजय सिंह का 26 फरवरी को दोपहर 3.30 बजे लालबर्रा आगमन हो रहा है। चर्चा में पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन के पूर्व मुख्यमंत्री, रा'यसभा सांसद दिग्विजय सिंह जी का 26 फरवरी को दोपहर 3.30 बजे लालबर्रा के विश्राम गृह में आगमन हो रहा है। इस अवसर पर वे कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं से भेंट करेगें तत्पश्चात सरपंच अनीस खान के निज निवास पर पारिवारिक भेंट करेगें। इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में विश्रामगृह पहुंचने की अपील ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा अध्यक्ष मनीराम भोयर, खमरिया ब्लाक अध्यक्ष दमनसिंह राहंगडाले, नगर कांग्रेस लालबर्रा अध्यक्ष अमीनुद्दीन हन्फी ने की है।

टेंगनीकला से अतरी पहुंच मार्ग पर आवागमन भगवान भरोसे!!

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

ग्रामीण एवं राहगीरों ने सड़क का जल्द निर्माण करवाने की शासन-प्रशासन से की मांग

नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत टेंगनीकला से अतरी पहुंच मार्ग का खस्ताहाल होने के कारण आने-जाने वालों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही मार्ग में बने गड्ढों एवं सड़क की चौड़ाई कम होने के कारण दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है परन्तु जिम्मेदारों के द्वारा इस सड़क की समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिसके कारण ग्रामीण एवं राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत टेंगनीकला से अतरी-घोटी पहुंच मार्ग का प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग के द्वारा विगत वर्ष पूर्व कुछ दुरी तक सीमेन्टीकरण एवं कुछ दुरी तक डामरीकरण सड़क का निर्माण कार्य करवाया गया है परन्तु निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण मार्ग में जगह-जगह डामर उखड़ जाने के साथ ही सड़क की चौड़ाई भी कम होने के कारण आने-जाने वाले लोगों व स्कूली बच्चों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि इस मार्ग पर शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल भी स्थित है जहां अतरी, टेंगनीकला सहित अन्य ग्राम के छात्र-छात्राएं पढ़ाई करने आते है और टेंगनीकला में सोसायटी होने के कारण अतरी, चंदनटोला, आमाटोला के किसान भी इसी मार्ग से अपनी धान समर्थन मूल्य में विक्रय करने आते है परन्तु सड़क का खस्ताहाल होने के कारण उन्हे खासा परेशानियों का सामना करना पड़ता है और हर समय दुर्घटना घटित होने की संभावना बनी रहती है। वहीं ग्रामीण व राहगीरों ने सड़क की समस्या से जिम्मेदारों को कई बार अवगत करवा चुके है परन्तु जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजनों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीण एवं राहगीरों ने शासन-प्रशासन से टेंगनीकला से अतरी पहुंच मार्ग का जल्द निर्माण करवाने की मांग की है ताकि आवागमन करने में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके। वहीं प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग के महाप्रबंधक माया परते से दूरभाष पर टेंगनीकला से अतरी पहुंच मार्ग खराब हो चुकी है। जिसका मरम्मत कार्य या फिर नवीन सड़क का निर्माण करवाने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया किन्तु संपर्क नही हो पाया।

आवागमन में हो रही परेशानी - फागुलाल

फागुलाल पांचे ने बताया कि टेंगनीकला से अतरी पहुंच मार्ग पुरी तरह से खराब हो चुकी है और जगह-जगह से डामर उखड़ जाने एवं सड़क की चौड़ाई कम होने के कारण आने-जाने में परेशानी होती है। साथ ही अतरी तालाब के समीप दोनों साईड में कचरा का ढेर लगा हुआ है। जिसके कारण मोड़ाई में दूर से आने वाले लोग दिखाई नही देते है ऐसी स्थिति में दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। साथ ही यह भी बताया कि सड़क का खस्ताहाल होने से स्कूली बच्चों सहित ग्रामीणजनों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि सड़क का निर्माण करवाये।

सड़क का जल्द निर्माण करवाये प्रशासन - गेंदलाल

गेंदलाल कारे ने बताया कि प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग के द्वारा टेंगनीकला से अतरी तक विगत वर्ष पूर्ण कुछ दुरी तक सीमेन्टीकरण एवं कुछ दुरी तक डामरीकरण सड़क का निर्माण करवाया गया है परन्तु निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण सड़क में गड्ढे बन गये है। जिसके कारण स्कूली बच्चों के साथ ही ग्रामीणजनों को आने-जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, साथ ही मार्ग में बने गड्ढों के कारण हादसे भी घटित हो सकते है। श्री कारे ने बताया कि टेंगनीकला-अतरी पहुंच मार्ग पर हायर सेकेण्डरी स्कूल भी है जहां अतरी, टेंगनीकला, खुरपुड़ी, बबरिया के छात्र-छात्राएं पढ़ाई करने आते है और अतरी, आमाटोला, चंदनटोला के किसान खरीफ सीजन में टेंगनीकला में धान खरीदी होने पर विक्रय करने आते है परन्तु सड़क खराब होने से उन्हे खासा परेशानी होती है। इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि टेंगनीकला से अतरी पहुंच मार्ग का जल्द नवीन निर्माण करवाये ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

ट्रांसफार्मर खराब होने से कटंगटोला में बिजली गुल, अंधेरे में गुजारी रात, ग्रामीणजन परेशान

ग्रामीणों ने विद्युत विभाग से खराब ट्रांसफार्मर को बदलकर नया ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के सिवनी मार्ग स्थित ग्राम कटंगटोला के बजरंग मंदिर के समीप विद्युत विभाग का ट्रांसफार्मर खराब हो चुका है। जिसके कारण मंगलवार को दिनभर बिजली गुल रही और शाम में दुसरा ट्रांसफार्मर लगाया गया किन्तु वह भी दुसरे दिन खराब हो चुका है। ऐसी स्थिति में पुरे ग्राम में अंधेरा छाया हुआ है और बुधवार की रात में पुरी रात बिजली गुल रहने से ग्रामीणजनों को अंधेरे में रात गुजारनी पड़ी है। जिससे उन्हे बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ा और सबसे अधिक परेशानी पढाई करने वाले विद्यार्थियों को हो रही है जिनकी बोर्ड परीक्षा जारी है। जबकि ग्रामीणजनों के द्वारा विद्युत विभाग को नया ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की जा रही है, लेकिन कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजनों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम के बजरंग मंदिर से समीप स्थित ट्रांसफार्मर से पुरे ग्राम में बिजली कनेक्शन गया हुआ है लेकिन मंगलवार को ट्रांसफार्मर खराब हो गया था, जिसके बाद विद्युत विभाग को जानकारी दी गई। जिसके बाद विद्युत विभाग के द्वारा दुसरा ट्रांसफार्मर लगाया है वह भी खराब हो चुका है जिसके कारण पुरे ग्राम में बिजली गुल है और लोग अंधेरे में जीवनयापन कर रहे है। जिससे रात्रि के समय सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और बच्चों को परीक्षा की तैयारी करने में परेशानी हो रही है लेकिन जिम्मेदार इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दे रहे है। जिससे लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

नया ट्रांसफार्मर जल्द लगाये विद्युत विभाग - सुजीत

सुजीत बिसेन ने बताया कि ट्रांसफार्मर खराब हो जाने से पूरे ग्राम में बिजली गुल है और अंधेरे में रात गुजारनी पड़ रही है जिसके कारण सभी को परेशानी हो रही है। वहीं अंधेरे रहने पर जहरीले कीड़े-मकोड़े के काटने का भी डर बना हुआ है। जबकि यह ग्राम हाईवे मार्ग पर स्थित ग्राम है। अगर लोग अंधेरे में रोड़ क्रास करते है तो दुर्घटनाएं भी घटित हो सकती है। इस समस्या से जब विद्युत विभाग के जिम्मेदारों को अवगत करवाकर नया ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की जाती है तो वे संतुष्टजनक जवाब नही दे रहे है। श्री बिसेन ने बताया कि बिजली गुल हो जाने के बाद दुसरा ट्रांसफार्मर लगाया गया था किन्तु वह भी खराब हो चुका है। जिसके कारण बिजली नही है। विद्युत विभाग से मांग है कि खराब ट्रांसफार्मर को बदलकर उसके स्थान पर अधिक क्षमता का नया ट्रांसफार्मर जल्द लगाये ताकि बिजली की समस्या दुर हो सके।

अनियंत्रित होकर पलटा स्वास्थ्य विभाग का वाहन, बड़ा हादसा टला

विद्युत पोल से टकराकर खेत में घुसी गाड़ी, जेसीबी की मदद से निकाला गया बाहर

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) में लगा एक शासकीय चौपहिया वाहन बुधवार शाम दुर्घटनाग्रस्त हो गया। बघोली मार्ग पर अनियंत्रित होकर वाहन एक विद्युत पोल से टकराते हुए सीधे खेत में जा पलटा किन्तु चालक सहित अन्य लोग बाल-बाल बच गये और बड़ा हादसा होते-होते टल गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत डॉ. मुकेश चौहान और उनकी टीम बुधवार को क्षेत्र का भ्रमण कर दोपहर करीब 2.30 बजे मुख्यालय लौटी थी। वहीं ड्यूटी के बाद वाहन चालक को शासकीय वाहन सौंप दिया गया था। शाम के समय जब चालक वाहन लेकर बघोली की ओर जा रहा था, तभी रास्ते में वाहन अपना संतुलन खो बैठा। साथ ही रफ्तार तेज होने के कारण वाहन बिजली के खंभे से टकराकर सड़क किनारे खेत में पलट गया। जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग का चौपहिया वाहन अनियंत्रित होकर पलट जाने की जानकारी जब ग्रामीणजनों को लगी तो घटना स्थल में ग्रामीणों भीड़ जमा हो गई। वहीं प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार गाड़ी (वाहन) की स्थिति देखकर अंदाजा लगाया जा रहा था कि अंदर सवार लोगों को गंभीर चोटें आई होंगी, लेकिन सौभाग्य से सभी सुरक्षित हैं। बाद में जेसीबी मशीन बुलाकर कड़ी मशक्कत के बाद वाहन को खेत से बाहर निकाला गया। वहीं इस घटना स्थल पर मौजूद लोगों के अनुसार वाहन में 3 से 4 लोग सवार थे, जबकि स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि चालक वाहन लेकर अकेला ही गया था। साथ ही यह भी बताया जा रहा है कि शासकीय कार्य पूर्ण होने के बाद चालक वाहन को अपने ग्राम टेकाड़ी ला लेकर जा रहा था। स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि चालक ड्यूटी के बाद गाड़ी लेकर बघोली की ओर क्यों गया था। फिलहाल, मामले की जांच की जा रही है कि शासकीय वाहन का उपयोग निर्धारित रूट से हटकर किस प्रयोजन के लिए किया जा रहा है।

चालक बाल-बाल बच गया - डॉ. मुकेश

दूरभाष पर चर्चा में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मुकेश चौहान ने बताया कि बुधवार को राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत टीम के साथ क्षेत्र में गये थे और लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दोपहर करीब ढाई बजे वापस आ गये थे। जिसके बाद चालक को शासकीय वाहन सौंप दिया गया था जो अपने गांव चले गया था। शाम में जानकारी मिली कि बघोली में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम में लगी वाहन विद्युत पोल से टकराकर अनियंत्रित होकर पलट गया है। वहीं इस घटना में चालक को कोई चोटे नही आई है वाहन क्षतिग्रस्त हुआ है। डॉ. चौहान ने बताया कि शासकीय कार्य से वाहन आने के बाद चालक बघोली की ओर वाहन लेकर क्यों गया था इसकी जानकारी नही है। जबकि इस वाहन का शासकीय कार्य में ही उपयोग किया जाना है, मामले की जांच की जायेगी।

खुरपुड़ी पंचायत में पंच महेश कावरे निर्विरोध चुने गए स्थानापन्न सरपंच

पूर्व सरपंच धन्नालाल कावरे के आकस्मिक निधन के बाद रिक्त पद पर हुई नियुक्ति

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत खुरपुड़ी में बुधवार को शासन के निर्देशानुसार स्थानापन्न सरपंच के चुनाव की प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। इस विशेष सम्मेलन में वार्ड क्रमांक 9 के पंच महेशकुमार कावरे को सभी पंचों ने सर्वसम्मति से स्थानापन्न सरपंच के रूप में चुनकर पंचायत की कमान सौंपी है। वहीं स्थानापन्न सरपंच की नियुक्ति होने के बाद अब पंचायत के विकास कार्यों को गति मिलेगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 के त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव में ग्राम पंचायत खुरपुड़ी की जनता ने धन्नालाल कावरे को अपना सरपंच चुना था। उन्होंने अपने 3 वर्ष के कार्यकाल में पंचायत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। किंतु गत 12 फरवरी की दरमियानी रात अचानक हृदयघात (हार्ट अटैक) के कारण उनका दुःखद निधन हो गया, जिससे सरपंच का पद रिक्त हो गया था। जिसके बाद विकास कार्यों में कोई बाधा न आये, इसे देखते हुए शासन के नियमानुसार स्थानापन्न सरपंच की चयन प्रक्रिया अपनाई गई और 25 फरवरी को स्थानापन्न सरपंच के रूप में महेशकुमार कावरे को चुना गया है।

प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में हुआ चयन

खुरपुड़ी पंचायत के सभाकक्ष में स्थानापन्न सरपंच की चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए जनपद पंचायत लालबर्रा के अधिकारी उपस्थित रहे। जिसमें खंड पंचायत अधिकारी खिलेन्द्र सोनवंशी, पीसीओ संदेश पारधी की उपस्थिति में स्थानापन्न सरपंच की प्रक्रिया शुरू हुई। जिसके बाद पंचायत क्षेत्र के 12 वार्ड के पंचों ने सर्वसम्मति से वार्ड नंबर 9 के पंच महेशकुमार कावरे को खुरपुड़ी पंचायत का स्थानापन्न सरपंच चुना है। वहीं स्थानापन्न सरपंच चुने जाने के बाद महेशकुमार कावरे ने कहा कि पूर्व सरपंच स्वर्गीय धन्नालाल कावरे के अधूरे सपनों और विकास कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करेंगें। साथ ही सभी पंचों और ग्रामीणों का आभार व्यक्त करते हुए सभी को विश्वास दिलाया कि वे शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास करेंगें। इस तरह से अब खुरपुड़ी पंचायत को नया सरपंच मिल चुका है और अब पंचायत क्षेत्र के रूके कार्य तीव्र गति से किये जायेंगें। इस अवसर पर ग्राम पंचायत के सभी पंच, सचिव, रोजगार सहायक उपस्थित रहे।

पंचायत क्षेत्र का किया जायेगा विकास - महेश

दूरभाष पर चर्चा में स्थानापन्न सरपंच महेशकुमार कावरे ने बताया कि सभी पंचों की सर्वसम्मति से मुझे स्थानापन्न सरपंच चुना गया है, जिसके लिए मैं सभी पंचों का आभार व्यक्त करता हूं। साथ ही यह भी बताया कि जिस विश्वास के साथ मुझे सरपंच की जिम्मेदारी सौंपी है जिसका ईमानदारी से निर्वहन कर सभी पंचों के सहयोग से पंचायत क्षेत्र का सर्वांगीण विकास करने के साथ ही पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलवाने का पुरा प्रयास किया जायेगा।

सर्वसम्मति से चुना गया स्थानापन्न सरपंच - खिलेन्द्र

दूरभाष पर चर्चा में खंड पंचायत अधिकारी खिलेन्द्र सोनवंशी ने बताया कि खुरपुड़ी पंचायत के सरपंच धन्नालाल कावरे का गत दिवस निधन हो जाने के बाद सरपंच का पद रिक्त हो गया था। जिसके बाद शासन के निर्देश पर बुधवार को पंचायत में पंचों की विशेष सम्मेलन बैठक आयोजित कर 12 पंचों के द्वारा सर्वसम्मति से वार्ड नंबर 9 के पंच महेशकुमार कावरे को स्थानापन्न सरपंच चुना गया है। श्री सोनवंशी ने बताया कि महेशकुमार कावरे खुरपुड़ी पंचायत के स्थानापन्न सरपंच बन चुके है जिसके बाद अब रूके कार्य थे उसे गति मिलेगी।

पीतमलाल डहरवाल ने मुझसे नौकरी दिलाने के नाम पर लिया 3 लाख रूपये-पीयूष राउत

आवेदक ने जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक को शिकायत कर कार्यवाही करने की मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम कटंगझरी निवासी २६ वर्षीय पीयूष पिता गनीराम राउत के द्वारा पीतमलाल डहरवाल आउटसोर्स कर्मी शंकरसाव पटेल शासकीय महाविद्यालय वारासिवनी एवं अन्य पर सरकारी नौकरी लगाने के नाम पर लाखों रुपए की धोखाधड़ी, वित्तीय हेराफेरी एवं जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए जिला कलेक्टर बालाघाट ,पुलिस अधीक्षक बालाघाट ,पुलिस थाना वारासिवनी में लिखित शिकायत देकर उचित कार्यवाही की मांग की है। शिकायत में पीयूष राउत ने बताया कि ग्राम कटंगझरी तहसील लालबर्रा का निवासी हूं। पीतमलाल डहरवाल पिता सातलराम डहरवाल जो शासकीय एसएसपी कालेज वारासिवनी में आउटसोर्स कर्मी है। उसने मुझे शासकीय कालेज में नौकरी दिलाने का झांसा देकर मुझसे कुल ३ लाख रूपये, एक कोरा स्टाम्प और मूल दस्तावेजो की छायाप्रति ली और मेरे अन्य साथियों से भी दो.दो लाख रूपये की मांग की गई। मैने उसे २ लाख ७५ हजार रूपये नगद एवं २५ हजार रूपये फोनपे के माध्यम से रविशंकर कबिरे आउटसोर्स कर्मी को दिये। इसके अतिरिक्त पीतमलाल डहरवाल की पत्नि सुजाता डहरवाल के माध्यम से १ लाख रूपये का चेक ७ अक्टूबर २०२५ और तारा बिझोरे को १ लाख २५ हजार रूपये का चेक २६ सितम्बर २०२५ को दिया गया। जब मैने अपने पैसे वापस मांगे तो पीतमलाल डहरवाल और उनकी पत्नि सुजाता डहरवाल के द्वारा मुझे और मेरे साथियों को डराया धमकाया जा रहा है। वे अपनी राजनैतिक पहुंच बीजेपी मण्डल उपाध्यक्ष एवं आरएसएस के पद का हवाला देकर पुलिस कार्यवाही नही होने देने की धमकी दे रहे है। साथ ही वे मुझे जाति सूचक शब्दो से अपमानित कर रहा है और मुझे झूठे मामलो में छेड़छाड़ बलात्कार में फंसाने व जान से मारने की धमकी दे रहे है। उक्त व्यक्तियों के द्वारा विभिन्न बैंक खातो में अवैध रूप से एकत्रित की गई लगभग ४० लाख रूपये की राशि जमा की गई जो सीधे तौर पर वित्तीय हेराफेरी और बैंकिंग नियमों का उल्लघन है। मैने इस संबंध में १९ फरवरी २०२६ को पुलिस थाना वारासिवनी एवं पुलिस अधीक्षक बालाघाट को आवेदन किया है। किन्तु अभी तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई है। मेरी मांग है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल एफ्आईआर दर्ज कर मेरे और मेरे साथियों के पैसे वापस दिलाया जायें ,दोषियों के विरुद्ध उचित कानूनी कार्यवाही कर हमें न्याय प्रदान किया जाये।

पैसा मांगने जाओ तो फसाने की दी जाती है धमकी

चर्चा में शिकायतकर्ता पीयूष ने बताया कि मैं आउटसोर्स कर्मचारी के रूप में काम करने के लिए पीतमलाल डहरवाल को २७५००० रूपये नकद एवं उसके साथी रवि शंकर कबिरे जो वारासिवनी महाविद्यालय में आउटसोर्स के पद पर कार्य कर रहा है उसके मोबाइल नंबर पर २५००० रूपये फोन पर किया था। हम महाविद्यालय के विद्यार्थी रहे हैं हमारा रवि शंकर कबिरे के माध्यम से पीतमलाल डहरवाल से संपर्क हुआ। हमें बताया गया कि उनकी जो पत्नी है वह भाजपा मंडल उपाध्यक्ष है और आरएसएस कार्यकर्ता है। उनके घर हमको लेकर गए जहां हमें मुख्यमंत्री और बड़े.बड़े नेताओं के साथ फोटो टंगी हुई दिखाई गई और बताया गया कि उठना बैठना लगा हुआ है। जिससे हमें भरोसा हुआ तब हमने पैसा दिया उसके साथ इन्होंने हमसे कोरा स्टांप हमारी साइन करके माँगा सभी दस्तावेजों की फोटो कॉपी और पूर्ण आश्वासन नौकरी लगने का दिया। परंतु इसमें १५ दिन करते हुए ६ महीने निकल गए तो हमने अपना पैसा मांगना शुरू किया की नौकरी हमें नहीं करना। तो उन्होंने चेक के माध्यम से १ लाख मुझे वापस किया अब कहते हैं कि उधार लिया है यह फसाने की कोशिश की जा रही है। २ लाख रूपये मेरा वापस नहीं दे रहे हैं मांगने पर उनकी पत्नी और उनके द्वारा धमकी दी जाती है कि तुम्हें बलात्कार के केस में फंसा देंगे। उनके घर जाओ तो वह घर से बाहर नहीं निकलते, फोन नहीं उठाते, घर में रहकर बहाने करते हैं। मुझे इस संबंध में रविशंकर कबीरे ने लिखित रूप से बयान दिया है उसे भी इनके द्वारा डराया जा रहा है बात करने से मना कर दिया गया है। हमने इस मामले की शिकायत जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर की है। पूर्व में हमने वारासिवनी थाने में १९ फरवरी को शिकायत की थी २० फरवरी को उनके द्वारा मेरे ऊपर चेक बाउंस की शिकायत से डरा रहे हैं। मेरे संपर्क में ६ युवक है जिनसे इन्होंने धोखाधड़ी की है दो लोगों से मेरी बात भी हुई उनकी कॉल रिकॉर्डिंग भी है। वहां आने तैयार है परंतु कोई काम आया होगा या दबाव के कारण वह नहीं आ पाये। हर कोई डरा हुआ है इनका कहना आता है कि तुम्हारे पास कोई सबूत नहीं है, ज्यादा करोगे तो फंसा देंगे। हमारी बहुत ऊपर तक पहुंच है तुम्हारे दस्तावेज का गलत इस्तेमाल कर कर देंगे जिससे जीवन में कभी नौकरी नहीं लगेगी। इन लोगों की मेरे पास कुछ रिकॉर्डिंग भी है उनकी पत्नी सुजाता डहरवाल ने मुझसे कहा कि यह सारा काम मेरा है उनका कुछ नहीं है। पीतमलाल डहरवाल अपनी पत्नी को आगे कर रहे हैं सुजाता डहरवाल उनकी पत्नी है वह अनुसूचित जाति की महिला है विवाह उन्होंने पीतमलाल डहरवाल से करा है जिससे वह लोगों को डरा रहे हैं।

भविष्य में पट प्रतियोगिता को और भव्य रूप प्रदान करेंगे-प्रबल जायसवाल

प्रतियोगिता में लालू टाईगर मुरझड डोंगरगांव की जोडी रही विजेता

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम मदनपुर की पट प्रतियोगिता में शामिल होकर प्रबल जायसवाल ने विजेता बैल जोडियो के मालिको को पुरस्कृत किया है। ग्राम मदनपुर में जय बजरंग बैलजोडी पट प्रतियोगिता में उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुये प्रबल प्रदीप जायसवाल ने कहा की आज जिले के सबसे लोकप्रिय खेल पट प्रतियोगिता में अधिक संख्या में ग्रामीणो की उपस्थिति हौसला बढाते हुये नजर आ रही है। पट मैदान में म.प्र. सहित अन्य राज्यो की बैल जोडीयां भी शामिल होने से उसकी रोचकता बढ गयी है। साथ ही बैल जोडीयो की रूप में पशुधन को स्वस्थ देखकर हमे प्रसन्नता भी हो रही है। प्रबल जायसवाल ने कहा की पट प्रतियोगिता से किसानो की ताकत और आत्मनिर्भरता का परिचय मिलता है। साथ ही आपसी मेलजोल को मजबूत करने में मदद मिलती है। आज के आयोजन से आपसी एकता से ग्राम विकास की ताकत को एक नया बल भी मिला है। हम अगले साल से इस आयोजन को और अधिक बडे स्वरूप में करने की सोच भी रखते है। पट प्रतियोगिता के समापन में प्रबल जायसवाल ने विजेता प्रथम जोडी लालू टाईगर मुरझड डोंगरगांव को ईनाम की राशी पच्चीस हजार, दुसरी विजेता जोडी पवन करण महाजन साहब येवराघाट को बीस हजार रूपये व तीसरी जोडी निलू मूंडा उडिला साल्हे के मालिक को पंद्रह हजार रूपये का ईनाम प्रदान किया। इसी तरह एक से लेकर २६ जोडीयो को ईनाम की राशी से पुरस्कृत किया गया। पट प्रतियोगीता को सफल बनाने में श्रीमती प्रिति झिल्पे , कितींभाउ राहंगडाले, सुरेश बाहेश्वर, बंशीलाल पारधी, दिवानचंद राहंगडाले, सुनील झिल्पे, केशोलाल राहंगडाले, अशोक पटले का योगदान सराहनीय भी रहा।

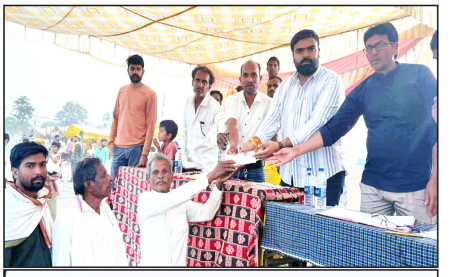

मुकेश भगत ने फांसी लगाकर की इहलीला समाप्त

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम कायदी के बनियाटोला निवासी मुकेश भगत उम्र ३४ वर्ष के द्वारा २५ फरवरी की शाम करीब ५ बजे अपने कमरे में पंखे से फांसी लगाकर इहलीला समाप्त कर ली गई। घटना की जानकारी लगते ही पड़ोसियों के द्वारा दरवाजा तोड़कर तत्काल फांसी पर लटके मुकेश को संजीवनी १०८ से सिविल अस्पताल हैं। जिसके बाद वंदना के द्वारा हल्ला मचाकर आसपास उसके लोगों को बुलाया गया। जिसमें बच्चियों के द्वारा भी पड़ोसियों के घर में जाकर जानकारी दी गई। सूचना लगते ही तत्काल पड़ोसी कुल्हाड़ी लेकर दौड़े और कमरे का दरवाजा तोड़कर मुकेश भगत को फांसी से उतार कर संजीवनी १०८ के माध्यम से सिविल अस्पताल में लेकर आये। जहां डॉक्टर के द्वारा जांच करने के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया गया । वहीं घटना की सूचना तत्काल अस्पताल तहरीर के माध्यम से पुलिस थाने को दी गई। जिसमें पुलिस अधिकारी के द्वारा अस्पताल जाकर घटना की जानकारी ली गई। वहीं शाम हो जाने से पोस्टमार्टम संभव नही होने पर शव को सुरक्षित अस्पताल परिसर स्थित शव विच्छेदन गृह के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया गया। जिनका पोस्टमार्टम २६ फरवरी को सुबह १० बजे किया जायेगा। पड़ोसी राजकुमार ने बताया कि हम इनके पड़ोसी है बाजू में किराए से रहते हैं यह अपनी पत्नी और दो बच्चों जो लड़कियां हैं उनके साथ रहते हैं। परिवार में चार सदस्य हैं बच्चिया दौड़कर आई और बताने लगेगी फांसी लगा लिए तो मैं कुल्हाड़ी लेकर दौड़ा और जाकर दरवाजा तोड़कर देखा तो फांसी पर लटके हुए थे। गमछे के माध्यम से पंखे पर यह लटके थे हम गांव के तीन चार लोग थे जिन्होंने इन्हें नीचे उतारा उस समय शायद सांस चल रही थी रास्ते में उनकी मौत हो गई।

लाया गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना में अस्पताल के द्वारा पुलिस तहरीर थाने को भेज दी गई है जिसमें पुलिस के द्वारा आवश्यक कार्यवाही २६ फ रवरी को की जायेगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुकेश पिता खुशियाल भगत उम्र ३४ वर्ष बनियाटोला कायदी में अपनी पत्नी श्रीमती वंदना भगत दो बच्चियों के साथ निवास करते थे। वह मेहनत मजदूरी कर अपना जीवन व्यापन करते थे। मुकेश भगत २५ फरवरी को घर में ही थे जो दूसरे नंबर के कमरे में आराम कर रहे थे। इस दौरान उनकी पत्नी श्रीमती वंदना भगत का अचानक उनके कमरे की ओर जाना हुआ तो देखा कि मुकेश भगत कमरे के पंखे में फांसी पर लटक रहे

आशा कार्यकर्ता संगठन ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

१० सूत्रीय मांगो का तत्काल निराकरण करने की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। अखिल भारतीय आशा कर्मचारी महासंघ के द्वारा २५ फ रवरी को राष्ट्रीय आव्हान पर एसडीएम कार्यालय में डॉ मोहन यादव मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन भोपाल के नाम का ज्ञापन देकर आशा कर्मचारी की प्रमुख मांगों का निराकरण करने की मांग की है। ज्ञापन में आशा कार्यकर्ताओं ने बताया की हम अनेकों बार आंदोलन प्रदर्शन के माध्यम से स्थानीय मांगों के ज्ञापन सौंपने के पश्चात भी हमारी न्यायोचित मांगों को आज तक पूर्ण नहीं किया गया है। जबकि हम बहुत छोटी कड़ी है हमारी मांग हैं कि मुख्यमंत्री के द्वारा वर्ष २०२२ में प्रतिवर्ष रुपए १००० की वृद्धि की घोषणा की गई थी। जो आज तक अप्राप्त है तथा शासन से कोई भी आदेश आज तक लागू नहीं किया गया। आशा कार्यकर्ताओं को ईपीएफ एवं इएस आई के दायरे में लाया जाए। आशा कार्यकर्ताओं को सामाजिक सुरक्षा के अंतर्गत १८००० रुपए न्यूनतम वेतन प्रदान कर पेंशन बीमा का लाभ देते हुए सरकारी कर्मचारी घोषित किया जाए। आशा वर्कर्स को कार्य के दौरान दुर्घटना होने पर या मृत्यु होने पर ५ लाख रूपये की राशि का भुगतान मुआवजा के रूप में दिया जाए। अनुभवी आशा कार्यकर्ताओं को टीकाकरण के प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाए। आशा वर्कर्स हेतु चिकित्सालय में विधाम स्थल की व्यवस्था की जाए तथा यात्रा भत्ता भी प्रदान किया जाए। ग्राम पंचायत की तदर्थ समिति में जितनी भी आशाएं हैं सभी आशाओं के खाते में १०००० रूपये दिया जावे। आशाओं को पूर्व की भांति टीकाकरण का ३०० रूपये दिया जाए। आशाओं को ड्रेस केवल एक बार मिली है प्रत्येक वर्ष कम से कम तीन ड्रेस वर्ष में एक बार दिया जाए। कुछ डिलीवरी वाली महिला प्राइवेट में अपनी डिलीवरी करती है लेकिन गर्भवती महिलाओं को आशा ९ महीने अपनी सेवाएं देती है जिसका उचित इलाज नही मिलने

के कारण उन्हें परेशानी उठानी पड़ती है। साथ ही अन्य और मांगे हैं जिस पर तत्काल निराकरण किया जाना चाहिए। इस अवसर पर गीता कटरे ,गीता देव्हारे ,सविता उंदीरवाडे ,रोहता ठाकरे ,हिना मात्रे ,प्रभा राउत ,पदमा मेश्राम,सरिता गोस्वामी ,सरिता पारधी, पूजा सोनकुसरे ,चंद्रकला बर्वे ,चंद्रकला भीमटे ,गायत्री ग्वालवंशी ,रत्ना डोंगरे ,निर्मला सोनी, रेखा मेश्राम, शशि पंचेश्वर, चंद्रशेखर बाघमारे मौजूद रही।

आशा कार्यकर्ताओं की मांगो पर आज तक कोई निर्णय नहीं दिया है-गीता कटरे

आशा कार्यकर्ता गीता कटरे ने बताया कि हमारा देश व्यापी ज्ञापन है प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम दिया जा रहा है। आशा कार्यकर्ताओं की कई मांगे है जिस पर आज तक कोई निर्णय नहीं दिया गया है। जैसे आशा कार्यकर्ता को निश्चित मानदेय मिले १८००० न्यूनतम रखा है ,बीमा पेंशन का लाभ मिले। प्रसव सहित जितने भी कार्य आशाओं के द्वारा किए जाते हैं उनका भुगतान समय पर किया जाए। इसमें देखने में आता है कि अपने काम के भुगतान के लिए आशाओं को महीनो इंतजार करना पड़ता है। तो यही हमें चाहिए कि जब तक मानदेय ना मिले काम का पैसा समय पर दिया जाए। पूर्व में हमने एक ज्ञापन और दिया था कि आयुष्मान कार्ड जो आशाओं ने बनाई थी उसका भुगतान दिया जाए, जिसमें आठ दिन का आश्वासन दिया गया था किंतु आज तक भुगतान नहीं मिला है। हमारी सभी मांगों पर तत्काल निराकरण सरकार के द्वारा किया जायें।

सरकार आशा बहनो के साथ भेदभाव करती है-गीता देव्हारे

गीता देव्हारे ने बताया कि ब्लॉक स्तर पर हमने ज्ञापन दिया है हमारे स्थानीय मांगे भी है। ६ महीने तक हमें भुगतान नहीं होता है आशा बहनों को कई समस्या होती है। घर चलाने में परिवार का लालन पालन करने में बच्चों की पढ़ाई में परेशानियां आती है। जो हर समय उनके सामने बनी रहती है और बहुत दिक्कत होती है। जरूरी नहीं है कि हर कोई सक्षम हो बहुत सारे लोग कमाने खाने वाले हैं। दैनिक जीवन की समस्या इन्हें हो रही है वहीं आशा कार्यकर्ताओं के द्वारा कोई भी डिलीवरी केस लाया जाता है। जिसमें कुछ को रिफर कर दिया जाता है जिससे वह प्राइवेट अस्पताल में जाते हैं तो उसे डिलीवरी का लाभ आशाओं को नहीं मिलता है। जबकि ९ महीने तक कार्यकर्ता सेवा देती है इस प्रकार के कई नुकसान हैं इसलिए हम परेशान हैं,अभी पिछले नवंबर से इंसेंटिव आज तक नहीं मिला है हमें मानदेय नहीं इंसेंटिव मिलता है। जितना काम उतना पैसा तो हम चाहते हैं कि वह तो

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का वारासिवनी आगमन आज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। मध्य प्रदेश शासन के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का २६ फरवरी को नगर आगमन होना है। जहां वह पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष धवल मॉडल के निवास पर पहुंच कर सौजन्य भेंट करेंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का रूट मेंप जारी हुआ है। जिसमें वह २६ फरवरी को सड़क मार्ग होते हुए सर्किट हाउस रायपुर से डोंगरगढ़ में मां बमलेश्वरी के दर्शन कर किरनापुर पूर्व विधायक हीना कावरे के निवास होते हुए शाम ५ बजे वारासिवनी नगर आगमन होगा। जहां वह पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष धवल मॉडल के निवास पर पहुंचेंगे। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का यह दौरा सौजन्य भेंट बताया जा रहा है।

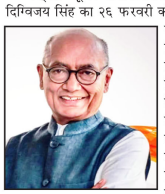

फांसी पर लटका शैलेश सूर्यवंशी का शव पुलिस ने किया बरामद

मामले में पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही कर मार्ग जांच की प्रारंभ

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर ७ चौरडिया गली में २४ फरवरी की रात एक मकान में ५० वर्षीय व्यक्ति का शव फांसी पर लटका होने से पूरे नगर में सनसनी फैल गई। मौके पर पुलिस के द्वारा पहुंच कर फांसी पर लटके शैलेश सूर्यवंशी का शव उसके घर से बरामद कर सिविल अस्पताल के शव विच्छेदन गृह के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया गया। जहां २५ फरवरी को आवश्यक कार्यवाही कर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। इस घटना में शैलेंद्र सूर्यवंशी के फ ांसी लगाने का कारण अज्ञात है जिसमें पुलिस के द्वारा जांच की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शैलेंद्र पिता रामेश्वर सूर्यवंशी उम्र ५० वर्ष अपनी पत्नी के साथ वार्ड नंबर ७ चौरडिया गली में निवास करते हैं। जिनके दो बच्चे हैं वह बाहर नौकरी करते हैं जिनके परिवार में सब कुछ सामान्य था। परंतु २४ फ रवरी की शाम को शैलेंद्र सूर्यवंशी की पत्नी सब्जी खरीदने के लिए बाजार जाने निकली थी। जो सब्जी लेकर घर पहुंची तो

देखा कि घर में उनके पति शैलेंद्र सूर्यवंशी फांसी पर लटके हुए हैं। जिसके बाद वह तत्काल आसपास के लोगों को आवाज देने लगे जहां वार्डवासी पहुंचे और भीड़ लग गई। इसी दौरान घटना की जानकारी पुलिस को दी गई जिसमें पुलिस अधिकारियों के द्वारा मौके पर पहुंचकर फांसी पर लटके शैलेंद्र सूर्यवंशी के शव को बरामद कर सिविल अस्पताल के शव विच्छेदन गृह में लाकर सुरक्षित रखवा दिया गया। जहां २५ फरवरी को पुलिस ने सुबह शव परीक्षण करने के उपरांत आवश्यक पंचनामा कार्यवाही कर शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। हालांकि इस घटना में शैलेंद्र सूर्यवंशी के फांसी लगाने का कारण अज्ञात है। जिसमें पुलिस के द्वारा प्रार्थी आशीष कुमार की शिकायत पर मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी गई है।

आवश्यकता है
वारासिवनी कार्यालय में
केबल में कार्य हेतु
लड़कों की
आवश्यकता है
स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता
- संपर्क करें -
पद्मेश सिटी केबल
बस स्टेण्ड, वारासिवनी

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

â^Ø×ß ßÌ ØSØ ÎØ÷ Î÷Úá âßÎ÷Ð
·¤÷×R¤ôÏö ßà÷ ØSØ â â÷ÏÌ - ·¤%ØÌ ÕÏÌÐÐ

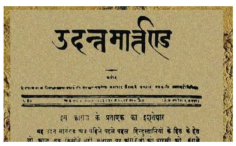

केंद्र सरकार द्वारा जारी देश की पहली आतंकवाद रोधी नीति इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह दर्शाती है कि देश आतंकवाद के खिलाफ प्रतिक्रियात्मक से पूर्व-सक्रिय रणनीति की ओर बढ़ रहा है। हालांकि, किसी भी नई पहल की तरह इस नीति की वास्तविक परीक्षा भी इसके क्रियान्वयन में ही होगी।

आतंक के खिलाफ प्रहार

ऐसे समय में, जब सीमापार प्रायोजित आतंक, ड्रोन के जरिये हथियारों की तस्करी, साइबर हमले, क्रिप्टोकरेंसी से फंडिंग, डार्क वेब व विदेशी आतंकियों के स्लीपर सेल इत्यादि देश की खुफिया व सुरक्षा एजेंसियों के सामने लगातार जटिल चुनौतियां पेश कर रहे हैं, तब भारत द्वारा पहली बार एक समग्र आतंकवाद रोधी नीति %प्रहार% का अनावरण महज एक प्रशासनिक पहल नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से एक संरचनात्मक बदलाव का संकेत भी है। अब तक भारत आतंकवाद के खिलाफ कानूनी और संस्थागत उपायों के सहारे लड़ता रहा है, जो कुछ हद तक कारगर भी रहे हैं, लेकिन एक स्पष्ट, लिखित और बहु-आयामी नीतिगत ढांचे का अभाव अक्सर विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय तथा रणनीतिक एकरूपता में बाधा बनता था। नई नीति इसी शून्य को भरने का एक प्रयास है। इसकी खासियत है कि यह आतंकवाद को महज कानून- व्यवस्था की समस्या नहीं, बल्कि बहुस्तरीय चुनौती के रूप में देखती है। इसमें रोकथाम, प्रतिक्रिया, क्षमताओं का एकीकरण, मानवाधिकार व विधि का शासन, आतंकवाद को बढ़ावा देने वाली स्थितियों को कम करने, अंतरराष्ट्रीय प्रयासों का समन्वय और हमलों से उबरने व सहनशीलता दिखाने की भी बात शामिल है। दरअसल, आतंकी संगठन जिस तेजी से संगठित कार्रवाइयां कर रहे हैं, उसे देखते हुए यह जरूरी है कि इनसे निपटने की रणनीतियों में भी एक समन्वय हो। यही वजह है कि नीति में आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक प्रयासों में तालमेल बैठाने पर खास जोर दिया गया है। दशकों से भारत आतंकवाद की मार झेलता आया है, पर अब तक की उसकी प्रतिक्रियाएं घटना के बाद ही होती रही हैं, किंतु प्रहार इस नजरिये में क्रांतिकारी बदलाव लाता है, जिसमें खुफिया जानकारियों पर आधारित पूर्व-रोकथाम को सर्वोच्च प्राथमिकता मिलने की बात कही गई है। नई नीति में खुफिया ब्यूरो (आईबी) के मल्टी एजेंसी सेंटर और संयुक्त खुफिया कार्यबल के जरिये केंद्रीय एजेंसियों और राज्य पुलिस बलों के बीच सशक्त साझेदारी की बात भी की गई है। बेशक, नीति का असल परीक्षण क्रियान्वयन में होगा, लेकिन किसी आतंकवाद रोधी नीति की सफलता केवल सख्ती पर निर्भर नहीं करती, इसके लिए लोकतांत्रिक समाज में सुरक्षा और नागरिक स्वतंत्रता के बीच संतुलन का ध्यान रखना होगा। इसके अतिरिक्त, नई नीति महज एक कागजी दस्तावेज बनकर न रह जाए, इसके लिए एनआईए, आईबी, रॉ, राज्य पुलिस, अर्धसैनिक बलों इत्यादि के बीच समन्वय, संसाधनों का उचित आवंटन, तकनीकी क्षमता का विस्तार और राजनीतिक इच्छाशक्ति की निरंतरता जरूरी होगी। ऐसा होने पर ही प्रहार सही मायनों में देश को आतंकवाद-मुक्त बनाने की दिशा में एक ठोस कदम साबित हो सकेगा।

सहयोग का नया वैश्विक मॉडल

-आनंद कुमार (एसोसिएट फेलो एमपीआईडीएसए)

अगर भारत और ब्राजील घोषित लक्ष्यों तथा हस्ताक्षरित समझौतों को ठोस परिणामों में बदल सके, तो यह विन-विन साझेदारी न केवल द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाई देगी, बल्कि वैश्विक दक्षिण के लिए सहयोग का एक सशक्त और व्यावहारिक मॉडल भी प्रस्तुत करेगी।

ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा की हालिया भारत यात्रा ने भारत-ब्राजील संबंधों को एक नए चरण में प्रवेश करा दिया है। वर्ष 2006 में स्थापित सामरिक साझेदारी को अब दोनों देशों ने व्यापक, बहुस्तरीय और दीर्घकालिक सहयोग में बदलने का निर्णय लिया है। यह केवल एक औपचारिक राजकीय यात्रा नहीं थी, बल्कि बदलती वैश्विक परिस्थितियों में दो प्रमुख उभरती शक्तियों द्वारा अपने हितों की रक्षा और विस्तार के लिए उठाया गया रणनीतिक कदम था। नई दिल्ली में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा की भागीदारी और प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी विस्तृत वार्ता ने स्पष्ट कर दिया कि दोनों देश अपने संबंधों को केवल प्रतीकात्मक स्तर पर नहीं, बल्कि ठोस नीतिगत आधार पर आगे बढ़ाना चाहते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की संरक्षणवादी और अस्थिर टैरिफ नीतियों ने कई विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को झटका दिया है। भारत व ब्राजील, दोनों अमेरिकी बाजार से जुड़े हैं और अचानक बढ़ाए गए शुल्कों ने उनके निर्यात को प्रभावित किया है। ऐसे में, यदि वैश्विक दक्षिण के देश अपने आर्थिक और सामरिक हितों की रक्षा करना चाहते हैं, तो उन्हें पारंपरिक पश्चिमी बाजारों पर निर्भरता कम करके परस्पर सहयोग को सुदृढ़ करना होगा। राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा की यह यात्रा इसी रणनीतिक पुनर्संतुलन का हिस्सा प्रतीत होती है।

दोनों देशों ने वर्ष 2025 में लगभग 15 अरब डॉलर को पार कर चुके द्विपक्षीय व्यापार को अब 2030 तक 30 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। यह केवल संख्यात्मक वृद्धि का संकेत नहीं, बल्कि संरचनात्मक परिवर्तन की इच्छा को दर्शाता है। गैर-शुल्क बाधाओं को कम करने, एंटी-डंपिंग मुद्दों पर संवाद बढ़ाने और भारत-मर्कोसुर वरीयता प्राप्त व्यापार समझौते का विस्तार करने पर सहमति इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। लैटिन अमेरिका में ब्राजील भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और दोनों अर्थव्यवस्थाओं की पूरक प्रकृति इस लक्ष्य को यथार्थवादी बनाती है। खनिज और इस्पात क्षेत्र में सहयोग इस यात्रा के सबसे महत्वपूर्ण परिणामों में से एक है। भारत अपनी अवसंरचना, औद्योगिकीकरण और विनिर्माण क्षमता को तेजी से बढ़ा रहा है, जिसके लिए लौह अयस्क और अन्य महत्वपूर्ण खनिजों की निरंतर आपूर्ति आवश्यक है। ब्राजील विश्व के प्रमुख लौह अयस्क उत्पादकों में से एक है और उसके पास दुर्लभ मृदा तत्वों सहित कई महत्वपूर्ण खनिजों के विशाल भंडार हैं। चीन पर निर्भरता कम करना भारत की रणनीतिक प्राथमिकता है, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां आपूर्ति श्रृंखला का नियंत्रण कुछ सीमित देशों के पास है। ऐसे में, खनन और खनिज सहयोग समझौता भारत को संसाधन सुरक्षा प्रदान कर सकता है, जबकि यह ब्राजील को स्थायी और विस्तारित बाजार उपलब्ध कराएगा। यह सहयोग केवल कच्चे माल के आयात-निर्यात तक सीमित नहीं है, बल्कि अन्वेषण, तकनीकी निवेश और इस्पात अवसंरचना के विकास को भी शामिल करता है। डिजिटल और तकनीकी सहयोग भी इस रिश्ते का उभरता हुआ स्तंभ है।

एआई इम्पैक्ट समिट में राष्ट्रपति लूला ने एआई के अंतरराष्ट्रीय नियमन और संयुक्त राष्ट्र के अंतर्गत विकासोन्मुख वैश्विक शासन की आवश्यकता पर बल दिया। भारत, जो डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में अग्रणी बनकर उभरा है, इस दृष्टिकोण के साथ सामंजस्य रखता है। डिजिटल साझेदारी की संयुक्त घोषणा के तहत कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, डाटा संरक्षण, जैव प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष और नवाचार जैसे क्षेत्रों में सहयोग का मार्ग प्रशस्त हुआ है। यह पहल दर्शाती है कि दोनों देश वैश्विक तकनीकी मानकों के निर्माण में सक्रिय भागीदारी चाहते हैं। रक्षा और सुरक्षा सहयोग भी उल्लेखनीय रूप से सुदृढ़ हुआ है। स्कॉर्पियन श्रेणी की पनडुब्बियों के रखरखाव में सहयोग, रक्षा औद्योगिक सह-निर्माण और संभावित एयरोस्पेस निवेश इस बढ़ते विश्वास के प्रमाण हैं। आतंकवाद, आतंकी वित्तपोषण तथा अंतरराष्ट्रीय अपराध के खिलाफ सहयोग ने इस साझेदारी को मजबूती प्रदान की है। ऐसे वक्त में, जब साइबर खतरे और समुद्री चुनौतियां बढ़ रही हैं, इस प्रकार का सहयोग दोनों देशों की सामरिक स्वायत्तता को सुदृढ़ करता है। भारत की सस्ती जेनेरिक दवाओं की वैश्विक प्रतिष्ठा और ब्राजील की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली की आवश्यकताएं एक-दूसरे की पूरक हैं। दोनों देशों के नियामक निकायों के बीच समझौते से दवाओं और टीकों के स्थानीय उत्पादन, अनुसंधान सहयोग और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को बढ़ावा मिलेगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन में समान दवा पहुंच के समर्थन का संयुक्त रुख इस साझेदारी को वैश्विक स्वास्थ्य कूटनीति से भी जोड़ता है।

ऊर्जा संक्रमण और जलवायु सहयोग के क्षेत्र में भी व्यापक सहमति बनी है। हरित हाइड्रोजन, सतत विमानन ईंधन और स्वच्छ ऊर्जा निवेश में सहयोग से दोनों देशों को जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने के साथ-साथ आर्थिक अवसर भी मिल सकते हैं। दोनों देश जलवायु कार्रवाई को केवल पर्यावरणीय प्रतिबद्धता नहीं, बल्कि हरित औद्योगिक विकास के अवसर के रूप में देख रहे हैं।

बहुपक्षीय मंचों पर समन्वय इस यात्रा का एक महत्वपूर्ण राजनीतिक संदेश था। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार और स्थायी सदस्यता के लिए पारस्परिक समर्थन लंबे समय से दोनों देशों की प्राथमिकता रहा है। ब्रिक्स और अन्य मंचों पर समन्वय से भारत और ब्राजील वैश्विक दक्षिण की आवाज को अधिक सशक्त बनाने के इच्छुक हैं। स्थानीय मुद्राओं में व्यापार की संभावना पर विचार इस दिशा में एक सावधानीपूर्ण कदम है, जो वित्तीय विविधीकरण की ओर संकेत करता है। दीर्घकालिक वीजा सुविधा, छात्र आदान-प्रदान और सांस्कृतिक सहयोग से पारस्परिक समझ और विश्वास को बढ़ावा मिलेगा। किसी भी सामरिक साझेदारी की सफलता अंततः सामाजिक और मानवीय जुड़ाव पर निर्भर करती है।

समग्रता में देखें तो, भारत-ब्राजील संबंध सकारात्मक दिशा में अग्रसर है, परंतु इस गति को बनाए रखना अत्यंत आवश्यक होगा। घोषित लक्ष्यों और हस्ताक्षरित समझौतों को ठोस परिणामों में बदलना ही वास्तविक परीक्षा होगी। यदि दोनों देश अपने संकल्प को व्यावहारिक रूप दें, तो यह विन-विन साझेदारी न केवल द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाई देगी, बल्कि वैश्विक दक्षिण के लिए सहयोग का एक सशक्त और व्यावहारिक मॉडल भी प्रस्तुत करेगी।

आकाश को ऐसे देखो, जैसे पहली बार देख रहे हो। हवा को ऐसे महसूस करो, जैसे उसका स्पर्श अभी-अभी खोजा हो। ऐसा मानो, जैसे तुम इस धरती पर पहले मनुष्य हो और लिखो ऐसे, जैसे पहले लिखा ही न गया हो।

-रेवर मारिया रिल्के

लिखें, जैसे पहले लिखा ही न गया हो

जीवन के कुछ निर्णय ऐसे होते हैं, जिन पर न कोई सलाह काम करती है, न कोई बाहरी सहारा। कोई तुम्हें यह नहीं बता सकता कि तुम्हें क्या बनना है, क्या करना है और किस दिशा में चलना है। तुम्हारे लिए केवल एक ही मार्ग है, अपने भीतर उतरना और उस गहरे स्रोत तक पहुंचना, जहां से तुम्हारी सच्ची आकांक्षाएं जन्म लेती हैं। उस कारण को खोजो, जो तुम्हें लिखने के लिए प्रेरित करता है। खुद से ईमानदारी से पूछो कि क्या इसकी जड़ें तुम्हारे हृदय में गहराई तक फैली हैं? क्या तुम यह स्वीकार कर सकते हो कि यदि तुम्हें लिखने से रोक दिया जाए, तो तुम्हारा अस्तित्व अधूरा रह जाएगा? रात की सबसे शांत घड़ी में, जब संसार का शोर थम जाए और केवल तुम्हारी धड़कनें तुम्हारा साथ दें, तब स्वयं से पूछो, क्या मुझे लिखना ही है? यदि भीतर से स्पष्ट, अटल और शांत स्वर उठे, हां, मुझे लिखना ही है, तो अपने जीवन को उसी पर आधारित कर दो। फिर लेखन तुम्हारा शौक नहीं रहेगा, वह तुम्हारा धर्म बन जाएगा। अपने जीवन के सबसे साधारण क्षणों को भी इस आंतरिक पुकार का प्रमाण बना दो। आकाश को ऐसे देखो, जैसे पहली बार देख रहे हो। हवा को ऐसे महसूस करो, जैसे उसका स्पर्श अभी-अभी खोजा हो। स्वयं को ऐसा मानो, जैसे तुम इस धरती पर पहले मनुष्य हो। जो देखो, जो अनुभव करो, जो प्रेम करो और जो खो दो, उसी को लिखो। और लिखो ऐसे, जैसे पहले लिखा ही न गया हो। बड़े विषयों की चमक में अपनी सचाई को खोने मत दो। अपने दैनिक जीवन की छोटी-छोटी बातों को अपनाओ। अपने दुखों, अपनी इच्छाओं, अपने क्षणिक विचारों, अपने विश्वासों और अपने संदेहों को शांत, गहन और विनम्र स्वर दो। यदि कभी तुम्हें अपना जीवन साधारण और नीरस लगे, तो जीवन को दोष मत दो। स्वयं से कहो कि तुम अभी उतने सजग नहीं बने कि उसकी छिपी हुई संपदा को पहचान सको। हर अनुभव, हर स्मृति, हर पीड़ा और हर प्रसन्नता उसके लिए रचना का बीज होती है। यदि तुम एकांत में भी हो, यदि चारों ओर सन्नाटा हो, तब भी तुम्हारे भीतर स्मृतियों का एक विस्तृत संसार है। तुम्हारा बचपन, तुम्हारे सपने, तुम्हारे पुराने घाव, यही तुम्हारा खजाना है। उसी में उतर जाओ। धीरे-धीरे तुम्हारा एकांत तुम्हारा आश्रय बन जाएगा, और तुम उसमें शांति पाओगे। यदि इस गहन आत्म-अवलोकन से कविता जन्म ले, तो उसकी गुणवत्ता पर प्रश्न मत उठाओ। बस उसे लिखो। सची कला वही है, जो अनिवार्यता से उत्पन्न होती है। सृजनकर्ता को अपना संपूर्ण संसार अपने भीतर ही खोजना होता है। यदि भीतर से उत्तर मिले कि तुम्हें लिखना है, तो उस पुकार को स्वीकार करो, उसके भार और उसके गौरव, दोनों को। और यदि उत्तर यह हो कि तुम बिना लिखे भी जी सकते हो, तब भी यह यात्रा व्यर्थ नहीं जाएगी। भीतर की यह खोज तुम्हें तुम्हारे जीवन का सचा, शांत और गहन मार्ग दिखा देगी।

-लेटर्स टू ए यंग पोएट के अनूदित अंश

सूत्र- लक्ष्य के प्रति अडिग रहें

जब आप बाहर की आवाजों को शांत कर अपने भीतर उतरते हैं, तभी वह सचा उत्तर मिलता है, जो जीवन की दिशा तय करता है और अपने लक्ष्य के प्रति अडिग बना देता है। यदि हृदय की गहराई से यह स्वर उठे कि लिखना ही है, तो उसे ही अपना धर्म मानकर जीवन के हर साधारण क्षण को अर्थपूर्ण और उज्ज्वल बना दो।

दूसरा पहलू

डिजिटल क्रांति ने जीवन को सरल तो बनाया है, लेकिन दिमाग की रासायनिक संरचना को बिगाड़ा भी है।

डिजिटल डोपामिन का अदृश्य नशा

इक्कीसवीं सदी को यदि किसी एक प्रतीक में संक्षेपित करना हो, तो वह होगा, मनुष्य की हथेली में सिमटा हुआ स्मार्टफोन। मानव इतिहास में पहली बार सूचना इतनी तीव्र, सुलभ और सर्वव्यापी हुई है, किंतु हर क्रांति अपने साथ अप्रत्याशित परिणाम भी लाती है। डिजिटल क्रांति ने जहां जीवन को सरल बनाया है, वहीं इसने मानव मस्तिष्क की रासायनिक संरचना को भी सूक्ष्म रूप से प्रभावित करना शुरू कर दिया है। इस प्रभाव का केंद्र है, डोपामिन।

डोपामिन एक न्यूरोट्रांसमीटर है, यानी मस्तिष्क की कोशिकाओं के बीच संदेश संप्रेषित करने वाला रासायनिक पदार्थ। इसे सामान्य भाषा में आनंद का हार्मोन कहा जाता है। डोपामिन मानव विकास की आधारशिला रहा है। हालांकि, समस्या तब आरंभ होती है, जब यह जैविक प्रणाली कृत्रिम रूप से और अत्यधिक उत्तेजित होने लगे। डिजिटल तकनीक, विशेष रूप से सोशल मीडिया, इसी प्रणाली को बार-बार सक्रिय करती है। मनोविज्ञान में वैरिएबल रिवॉर्ड सिस्टम का सिद्धांत बताता है कि यदि कोई पुरस्कार अनियमित अंतराल पर मिले, तो व्यक्ति उस व्यवहार को अधिक तीव्रता से दोहराता है। सोशल मीडिया ने इसी सिद्धांत को डिजिटल रूप दिया है। कभी पोस्ट पर अत्यधिक प्रतिक्रिया मिलती है, कभी बहुत कम, कभी

संदेश तुरंत आता है, कभी देर से। यह अनिश्चितता मस्तिष्क में प्रत्याशा को जन्म देती है, जो डोपामिन का स्रोत बन जाती है। समय के साथ यह व्यवहार बाध्यकारी प्रवृत्ति बन सकता है। डिजिटल डोपामिन का प्रभाव किशोरों में अधिक दिखाई देता है। दरअसल, किशोरावस्था में मस्तिष्क का प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स पूर्णतः विकसित नहीं होता, जो आत्म-नियंत्रण और निर्णय क्षमता का केंद्र है। दूसरी ओर, पुरस्कार-प्रणाली अत्यंत सक्रिय होती है। यह असंतुलन डिजिटल उत्तेजनाओं को और प्रभावशाली बना देता है। न्यूरोप्लास्टिसिटी का सिद्धांत बताता है कि यदि मस्तिष्क को बार-बार छोटी व तीव्र उत्तेजनाएं मिलती हैं, तो व्यक्ति का ध्यान खंडित होने लगता है। यही कारण है कि कई विद्यार्थी व पेशेवर लोग कार्य के दौरान भी मोबाइल जांचने की इच्छा अनुभव करते हैं। देर रात तक स्क्रीन का उपयोग करने से उससे निकलने वाली नीली रोशनी मेलाटोनिन के स्राव को कम करती है, जिससे नींद की गुणवत्ता घटती है।

डोपामिन मस्तिष्क की कोशिकाओं के बीच संदेश संप्रेषित करने वाला रासायनिक पदार्थ है, जिसे आनंद का हार्मोन भी कहा जाता है।

डोपामिन मानव विकास की आधारशिला रहा है। हालांकि, समस्या तब आरंभ होती है, जब यह जैविक प्रणाली कृत्रिम रूप से और अत्यधिक उत्तेजित होने लगे।

हालांकि, यह स्वीकार करना भी आवश्यक है कि डिजिटल माध्यम पूर्णतः नकारात्मक नहीं है। इसने शिक्षा, चिकित्सा, सामाजिक जागरूकता और अभिव्यक्ति के नए अवसर दिए हैं। समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके असंतुलित उपयोग में है।

-दीपक कोहली

मुद्दा

कचरा प्रबंधन को लेकर सरकार की मंशा पर शक नहीं किया जा सकता, पर सवाल यह है कि नए नियम प्रभावी रूप से लागू हो पाएंगे या नहीं?

कचरा प्रबंधन और एक अनुत्तरित सवाल

देश में कचरा प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए केंद्र सरकार के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की ओर से आगामी एक अप्रैल से लागू होने वाले ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 की अधिसूचना जारी कर दी गई है। पिछले दस सालों के अंतराल के बाद, लगभग एक साल तक जनता की राय, आपत्तियों और गहन चर्चा के बाद इन नए नियमों को अंतिम रूप दिया गया है। वर्तमान सरकार ने स्वच्छ भारत अभियान पर खास जोर दिया है। सरकार की इस मंशा पर रत्ती भर भी शक नहीं किया जा सकता है, लेकिन अब भी सबसे अहम यक्ष प्रश्न अनुत्तरित ही रह जाता है कि नए नियमों को प्रभावी रूप से लागू किया जा सकेगा अथवा नहीं?

कचरा प्रबंधन की शुरुआत 1994 में उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति से हुई। इसके बाद पिछले तीन दशकों से अधिक समय में नियमों को अलग-अलग बदलावों के साथ तीन बार लागू किया गया, किंतु वास्तविकता यह है कि इन नियमों का पालन बहुत धीमा रहा और वे अब भी काफी हद तक कागजों तक ही सीमित हैं। सर्वप्रथम, नगरीय अपशिष्ट (प्रबंधन एवं संचालन) नियम, 2000 लागू किए गए। फिर, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 लागू हुए। हाल ही में, इनके संशोधित और विस्तारित रूप 2026 को लागू किया गया है, ताकि कचरा प्रबंधन बेहतर ढंग से हो सके, चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिले और जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम किया जा सके। जहां पूर्व के दोनों नियम मात्र शहरी सीमाओं तक सीमित थे, वहीं नया रूप भारत के समस्त भूस्वामियों एवं उपयोगकर्ताओं पर लागू होता है। उसी क्रम में पूर्ववर्ती नियमों के तहत कचरा प्रबंधन का संपूर्ण दायित्व स्थानीय निकायों तक ही सीमित था, पर नए नियमों के तहत कचरा उत्पन्न करने वाले नागरिकों, बाजारों, उद्यमों आदि को भी उक्त प्रबंधन के लिए उत्तरदायी बनाया गया है।

कचरा प्रबंधन के विज्ञान में मुख्य अपेक्षा यह होती है कि यह पर्यावरण के अनुकूल हो और चक्रीय अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों के अनुसार काम करे। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए पहली आवश्यकता कचरा उत्पादन के स्तर से ही इन्हें अलग-अलग इकट्ठा करना एवं कचरे को एक बार ही हस्तालन (हैंडलिंग) करने की है। प्रवर्तित नियमों में इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए एक मुख्य और सामान्य प्रावधान यह है कि कचरे को उसके स्रोत पर ही अलग-अलग किया जाए। वर्ष 2000 के नियमों में कचरा गीला और सूखा, 2016 के नियमों में सूखा, गीला एवं घरेलू घातक, तथा नए नियमों में सूखा, गीला, सेनेटरी, तथा विशेष देखभाल वाले, चार भागों में विभाजित करने का प्रावधान किया गया है। हर बार नियमों में बदलाव के साथ कचरे को अलग-अलग भागों में बांटने की श्रेणियां बढ़ती गईं, पर 2000 के नियमों की मूल भावना के अनुसार, गोवा को छोड़कर पूरे देश में, कुछ गिने-चुने शहरों को छोड़ दें तो, कचरा स्रोत स्तर पर गीला व सूखा जैसे दो हिस्सों में भी अलग होकर नहीं आ रहा है। अलग-अलग करके ही कचरे का सदुपयोग किया जा सकता है। इसके लिए जरूरी है कि हर स्तर पर उत्पन्न कचरे को विभिन्न उद्योगों व उत्पादन के अनुरूप कच्चे माल के रूप में चिह्नित किया जाए।

दुर्भाग्यवश, कुछ अपवादों के अतिरिक्त वर्तमान व्यवस्था किसी भी रूप में स्रोत से अलग-अलग कचरा एकत्रित करने हेतु सक्षम नहीं है। देश में आम तौर पर कचरा इकट्ठा करने के लिए इस्तेमाल होने वाले साधन बाहर से दो रंगों में विभाजित दिखाई देते हैं, मानो कचरा अलग-अलग रखा जा रहा हो, पर सच यह है कि इंजीनियरिंग, आर्थिक व प्रबंधन के दृष्टिकोण से एक ही संग्रहण वाहन में कचरे को कम से कम दो हिस्सों में रखना लगभग असंभव है। यह पर्यावरण सम्मत भी नहीं होगा। इन्हीं संदेहों के मध्य सर्वाधिक चुनौतीपूर्ण होगा विशेष देखभाल वाले चतुर्थ भाग में वर्णित अपशिष्ट को इकट्ठा कर उसका निस्तारण करना। इसमें एक्सपायर्ड दवाओं, बैटरी, ट्यूबलाइट, थर्मामीटर, समेत कई प्रकार के अपशिष्ट पदार्थों को एकत्रित करने की अभिशंषा की गई है। इनके भौतिक व रासायनिक स्वरूपों में अंतर होने के कारण संग्रहित होने के बाद इन्हें पुनः विभाजित करना अत्यंत चुनौतीपूर्ण रहेगा। उचित होता कि दवाओं, धातु की वस्तुओं, बैटरी इत्यादि के बेहतर निष्पादन प्रबंधन हेतु उनके मूल विक्रय स्थान पर पुनर्खरीद व्यवस्था को ठोस रूप में लागू किया जाता।

-डॉ. विवेक एस अग्रवाल

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। आवकों के चलते बुधवार को तिलहनों में सरसो बाजार नरमी के रहे। सोयाबीन बना रहा। खाद्य तेलों में व्यापार सामान्य रहा। दलहनों में चना मजबूती पर रहा। किराना जिंसों में हल्दी बाजार मजबूत हुये। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार सरसो में आवकें सुधरने से भावों में मंदी रही। सरसो में बाजार 6400-6700 रू. प्रति क्विंटल पर रहे। सोयाबीन बना रहा। खाद्य तेलों में व्यापार सामान्य ही रहा। दलहनों में चना 5600 रू. प्रति क्विंटल पर बना रहा। उधर, किराना जिंसों में हल्दी बाजार सुर्ख हुये। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4100-4150, खोपरा गोला 320-375, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-260, ऊंझा हल्का 265-275, मीडियम 280-295, बेस्ट 300-310, हल्दी निजामाबाद 275-277, सांगली 283-285, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 760-770, गरबल 725-730, मटरदाना 790-810, खसखस अनक्लीन 1200-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 2000-2100, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरी इलायची शंकर बोल्ड 1675-1775, मीडियम 1825-1875, बेस्ट 1925-2050, एक्ट्रा बोल्ड 2250-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1575-1850, बेस्ट1900-2100, तरबूज मगज 490-550, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 860-900, कैलिफोंनिया 780-795, अखरोट 500-850, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 850-950, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2900-3100, (160) 3300-3500, (200) 3900-4100, (250) 4600-5000

तेल- सींगदाना 1710-1730, मुम्बई 1740, राजकोट तेलिया 2700, सोया साल्वेंट 1270-1275, सोया रिफाइंड 1330-1340, कपास्या 1270-1275, धूलिया 1280, कड़ी 1280,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1700, मुम्बई पाम 1290-1295, मुम्बई सोया 1370-1375,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2325, देवास-उज्जैन 2325, खंडवा-बुरहानपुर 2300, अकोला 3600 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6400-6700, रायडा 5300-5700, सोयाबीन 5200-5300, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5600-5650, एवरेज 5200-5300, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5600-5650, एवरेज 5500-5550, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, हल्की 7000-7100, तुअर महाराष्ट्र 7800-8000, उड़द बेस्ट 8600-8700, एवरेज 8400-8500, शंकर 8200-8300, हल्की 8000-8100,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7500-7800, तुअर दाल सवा नं. 8400-8800, तुअर दाल फूल 10500-10800, तुअर दाल बोल्ड 11500-11700, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 320 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार मजबूत नज़र आये। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 262500, चॉंदी (99) 262000, टंच 261000, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 158500,

रुपया बढ़त पर बंद

नई दिल्ली। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 2 पैसे की बढ़त के साथ ही 90.93 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह भारतीय रुपया 90.94 पर खुला और फिर 90.89 तक पहुंच गया, ये पिछले बंद भाव से 6 पैसे की बढ़त दिखाता है। वहीं गत दिवस मंगलवार को रुपया 6 पैसे टूटकर 90.95 पर बंद हुआ था। आज सुबह शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया 6 पैसे बढ़कर 90.89 पर पहुंच गया। इसका कारण डॉलर का कमजोर होना और घरेलू इक्विटी मार्केट में मजबूत शुरुआत को माना जा रहा है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आये बदलाव का प्रभाव भी रुपये पर पड़ा है।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुए। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 50.15 अंक की बढ़त के साथ ही 82,276.07 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 57.85 अंक बढ़कर 25,482.50 पर बंद हुआ। आज सुबह बाजार आईटी शेयरों में तेजी से ऊपर आया पर सत्र के अंत में बड़े लार्जकैप शेयरों में बिकवाली हावी होने से दिन भर की बढ़त उसने खो दी। बाजार में और भी गिरावट होती पर मेटल और ऑटो स्टॉक्स ने उसे संभाल लिया। निफ्टी मेटल 2.70 फीसदी और निफ्टी ऑटो और फार्मा 1.85-1.85 फीसदी बढ़त पर बंद हुए। निफ्टी हेल्थकेयर 1.59 फीसदी, निफ्टी आईटी 1.57 फीसदी, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग 1.35 फीसदी, निफ्टी इंडिया डिफेंस 0.93 फीसदीऔर निफ्टी कमोडिटीज 0.75 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर निफ्टी पीएसयू बैंक 0.39

फीसदी, निफ्टी इन्फ्रा 0.30 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी 0.25 फीसदी और निफ्टी रियल्टी 0.19 फीसदी टूटकर बंद हुआ। आज लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 339.75 अंक की की तेजी के साथ 59,406.10 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 160.05 अंक की मजबूती के साथ 17,118.70 पर था। सेंसेक्स पैक में आज एचसीएल टेक, टाटा स्टील, टीसीएल, इंडिगो, सन फार्मा, एमएंडएम, मारुति सुजुकी, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, बीईएल, एलएंडटी, टेक महिंद्रा, टाइटन, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, एचयूएल और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर लाभ में रहे जबकि एसबीआई, , भारती एयरटेल, आईटीसी, कोटक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस और ट्रेंट नुकसान में रहे थे। गत दिवस विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 102.53 करोड़ रुपए की बिकवाली की थी। वहीं, इससे पहले सोमवार को एफआईआई ने कैश मार्केट में 3,483.70 करोड़ रुपए की खरीदारी की थी। इससे पहले आज सुबह भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स करीब 475 अंक बढ़कर 82,748 और निफ्टी 145 अंक उछलकर 25,568 पर खुला।

8वां वेतन आयोग कब लागू होगा? तारीख और एरियर को लेकर सस्पेंस बरकरार

नई दिल्ली। एजेंसी। देश के करीब एक करोड़ केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए नया साल 2026 उम्मीदों और जिज्ञासा लेकर आया है। हर किसी की जुबान पर बस एक ही सवाल है 8वां वेतन आयोग कब लागू होगा? वेतन वृद्धि की सटीक तारीख और एरियर को लेकर सस्पेंस बरकरार है। नवंबर 2025 में केंद्र सरकार ने इस आयोग के टर्म ऑफ रेफरेंस को हरी झंडी दिखाते हुए इसके चेयरमैन और सदस्यों की नियुक्तियों पर मुहर लगा दी थी, जिसके बाद से ही कर्मचारी संगठनों के साथ परामर्श और सिफारिशें तैयार करने का दौर युद्ध स्तर पर जारी है। नया साल शुरू होते ही कई कर्मचारियों को उम्मीद थी कि जनवरी 2026 से नया वेतन ढांचा जमीन पर उतर आएगा, लेकिन प्रशासनिक हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। सरकार ने आयोग को अपनी विस्तृत रिपोर्ट सौंपने के लिए 18 महीने का समय दिया है। अधिकारियों का स्पष्ट कहना है कि वेतन संशोधन और सबसे अहम फिटमेंट फैक्टर पर कोई भी अंतिम फैसला आयोग की अंतिम सिफारिशों के बाद ही लिया जाएगा। ऐसे में यह कहना अभी जल्दबाजी होगी कि बढ़ा हुआ वेतन और उसका एरियर खाते में कब तक क्रेडिट होगा। आठवें वेतन आयोग की चर्चाओं के बीच पिछले वेतन आयोग के आंकड़ों को समझना बेहद जरूरी है, क्योंकि यही भविष्य की बुनियाद तय करेंगे। सातवें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर 2.57 तय किया गया था। इसके जरिए न्यूनतम वेतन को 7,000 रुपए से बढ़ाकर 18,000 कर दिया गया था। पहली नजर में यह वृद्धि कागजों पर 157 फीसदी की हुई है, लेकिन अगर गहराई से देखें तो वास्तविक वेतन वृद्धि केवल 14 फीसदी के आसपास ही थी।

खादय तेलों की कीमतों में आएगी कमी

नई दिल्ली। एजेंसी। खादय तेलों की बढ़ी कीमत से परेशान लोगों को राहत देने के लिए मोदी सरकार ने खाद्य तेलों पर आयात शुल्क में बड़ी कटौती कर दी है। केंद्र सरकार के फैसले के बाद 31 मई से बाजार में खाद्य तेल की कीमतों में गिरावट देखने को मिलेगी। इस कदम का सीधा असर तेल की बोतलों पर छपे अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) पर होगा और कंपनियां जल्द ही नए दामों के साथ तेल उत्पाद बाजार में उतारेंगी। खबरों के अनुसार केंद्र सरकार ने कच्चे पाम, कच्चे सोयाबीन और कच्चे सूरजमुखी तेल पर बेसिक कस्टम ड्यूटी कम कर दी है। अब तक कच्चे पाम ऑयल, सोयाबीन और सूरजमुखी तेल पर 20 प्रतिशत आयात शुल्क वसूला जा रहा था, इस अब मोदी सरकार ने घटाकर सीधा 10 प्रतिशत किया है। चूंकि भारत अपनी खाद्य तेलों की जरूरत का करीब 70 प्रतिशत हिस्सा दूसरे देशों से खरीदकर पूरा करता है, इसकारण टैक्स में हुई 10 प्रतिशत की कटौती सीधे तौर पर घरेलू बाजार में तेल की बोतलों और पैकेटों के दाम नीचे लाएगी। शुल्क में कमी के बाद इन तेलों के आयात की लागत कम होगी, जिससे रिफाइनरी कंपनियों को सस्ता कच्चा माल मिलेगा। माना जा रहा है कि इसका फायदा सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाएगा। दरअसल भारत पाम ऑयल के लिए मलेशिया और इंडोनेशिया जैसे देशों पर निर्भर है, जबकि सूरजमुखी तेल यूक्रेन और रूस जैसे देशों से आता है। सितंबर 2024 में जब केंद्र सरकार ने टैक्स बढ़ाया था, तब तेल के दाम अचानक आसमान छूने लगे थे। केंद्र सरकार ने तेल उद्योग से स्पष्ट कहा है कि आयात शुल्क में दी गई राहत का लाभ ग्राहकों तक पहुंचना चाहिए। खाद्य तेल कंपनियां अब अपने स्टॉक और नई खेप के हिसाब से अधिकतम खुदरा मूल्य में संशोधन कर रही हैं। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि अगले कुछ हफ्तों में खुदरा बाजार में कीमतों में पांच से 10 रुपये प्रति लीटर तक की कमी देखने को मिलेगी, हालांकि वास्तविक गिरावट ब्रांड और क्षेत्र के अनुसार अलग-अलग हो सकती है। उद्योग संगठन सॉल्वेंट एक्सट्रेक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने केंद्र सरकार के फैसले का स्वागत किया है। संगठन का कहना है कि इससे घरेलू बाजार में कीमतों पर दबाव कम होकर मांग में सुधार आएगा।

मेष- आज का दिन आपको खास तौर पर सोच-समझकर कदम बढ़ाने की सलाह दे रहा है, खासकर व्यापार से जुड़े मामलों में। कोई भी फैसला लेने से पहले हर पहलू को ध्यान से देखना जरूरी रहेगा, क्योंकि छोटी सी जल्दबाजी भी नुकसान करा सकती है। जीवनसाथी की भावनाओं को समझना और उनकी सेहत का ख्याल रखना आपके रिश्ते को और मजबूत बनाएगा।

वृषभ- आर्थिक दृष्टि से दिन संतोषजनक रहेगा और आपकी मेहनत का फल आपको साफ-साफ दिखाई देगा। घर में धार्मिक या आध्यात्मिक माहौल बनाने की इच्छा जाग सकती है और आप किसी पूजा या कार्यक्रम का आयोजन कर सकते हैं। बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखना जरूरी रहेगा, क्योंकि गलत संगति भविष्य में परेशानी खड़ी कर सकती है। आज विवादों से दूर रहना ही बेहतर रहेगा, क्योंकि बेवजह की बहस मानसिक तनाव बढ़ा सकती है।

मिथुन- आज मन थोड़ा उलझन और तनाव महसूस कर सकता है, खासकर यदि कोई कानूनी या औपचारिक मामला चल रहा है। हालांकि उच्च अधिकारियों का सहयोग और विश्वास आपको राहत देगा और आपके काम की सराहना भी होगी। कोशिश करें कि महत्वपूर्ण कामों में दूसरों पर निर्भर न रहें, क्योंकि आत्मनिर्भरता ही सफलता दिलाएगी। भविष्य को लेकर थोड़ी चिंता स्वाभाविक है, लेकिन सकारात्मक सोच बनाए रखें। निजी या गोपनीय जानकारी साझा करते समय सावधान रहें।

कर्क- आज आप दूसरों की मदद और सामाजिक कार्यों के माध्यम से सम्मान और पहचान पा सकते हैं। लंबे समय से चल रही रुकावटें धीरे-धीरे खत्म होती नजर आएंगी और तरक्की का रास्ता साफ होगा। नौकरी में अपनी वाणी पर नियंत्रण रखना बेहद जरूरी होगा, क्योंकि शब्द ही आपके रिश्तों को मजबूत या कमजोर बना सकते हैं। आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए उठाए गए कदम सकारात्मक परिणाम देंगे।

सिंह- आज का दिन उत्साह और सकारात्मकता से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ नए बदलाव करने का विचार आपके मन में आएगा और ये बदलाव आगे चलकर लाभदायक साबित हो सकते हैं। विद्यार्थी पढ़ाई और प्रतियोगी तैयारी में पूरी लगन से जुटे रहेंगे। मौसम का असर सेहत पर पड़ सकता है, इसलिए लापरवाही न करें।

कन्या- आज का दिन परिश्रम और समर्पण का है, और आपकी मेहनत आपको अच्छे परिणाम देगी। जरूरतों और सुविधाओं पर खर्च बढ़ सकता है, लेकिन यह खर्च आपको संतोष देगा। प्रेम जीवन में मधुरता रहेगी और साथी के साथ बिताया गया समय रिश्ते को और गहरा करेगा। विद्यार्थी पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करेंगे और आत्मविश्वास बढ़ेगा।

तुला- आज समृद्धि और प्रगति के संकेत मिल रहे हैं। धन और संसाधनों में बढ़ोतरी आपको मानसिक संतोष देगी। प्रभावशाली लोगों से मुलाकात भविष्य के नए अवसर खोल सकती है। अपनी सकारात्मक सोच और संतुलित दृष्टिकोण से आप परिस्थितियों का पूरा लाभ उठाएंगे। संपत्ति खरीदने या निवेश की योजना बन सकती है। परिवार में किए गए किसी वादे को निभाना जरूरी होगा।

वृश्चिक- आज हर काम में धैर्य और विवेक की जरूरत होगी, क्योंकि जल्दबाजी नुकसान पहुंचा सकती है। आपका प्रभाव और प्रतिष्ठा बढ़ेगी, जिससे आत्मविश्वास भी मजबूत होगा। संतान के प्रति आपका सहयोग और मार्गदर्शन सराहनीय रहेगा। जीवनसाथी के साथ समय बिताने या छोटी यात्रा का मौका मिल सकता है, जिससे रिश्ते में नयापन आएगा। नौकरी में पद या सम्मान बढ़ने से खुशी होगी।

धनु- आज का दिन समझदारी और संतुलन के साथ आगे बढ़ने का संकेत दे रहा है। यदि व्यापार में आपका पैसा कहीं अटका हुआ था, तो उसके वापस मिलने की संभावना है, जिससे राहत मिलेगी। संतान के करियर को लेकर थोड़ी चिंता रह सकती है, लेकिन सही मार्गदर्शन से स्थिति बेहतर होगी।

मकर- आज धैर्य और संतुलन ही आपकी सबसे बड़ी ताकत रहेगा। जीवनसाथी का सहयोग आपको भावनात्मक मजबूती देगा और रिश्ते में अपनापन महसूस होगा। वाहन चलाते समय सावधानी बरतना जरूरी रहेगा। कुछ अनचाहे खर्च सामने आ सकते हैं, जिन्हें टालना मुश्किल होगा, इसलिए बजट संभालकर चलें। परिवार में चल रही किसी बहस या गलतफहमी का अंत हो सकता है और माहौल शांत रहेगा।

कुंभ- आज का दिन लाभ के अवसर लेकर आएगा, लेकिन जल्दबाजी से बचना जरूरी होगा। नौकरी या रोजगार की तलाश कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है और मन में नई उम्मीद जागेगी। अपने कामों को योजना के साथ करना आपको सफलता की ओर ले जाएगा। किसी नए काम की शुरुआत का विचार मजबूत हो सकता है, लेकिन निवेश सोच-समझकर ही करें। घर में किसी अतिथि के आने से खुशियां और हलचल का माहौल बनेगा।

मीन- आज कुछ चुनौतियां सामने आ सकती हैं, लेकिन आपकी आस्था और सकारात्मक सोच आपको संभाल लेगी। धर्म-कर्म या आध्यात्मिक गतिविधियों में मन लगेगा, जिससे मानसिक शांति मिलेगी। सेहत को नजरअंदाज करना परेशानी बढ़ा सकता है,इसलिए समय पर ध्यान दें। यदि आप कर्ज लेने की सोच रहे थे, तो परिस्थितियां आपके पक्ष में बन सकती हैं। किसी काम में जल्दबाजी से बचें, क्योंकि धैर्य से किया गया प्रयास ही सफलता दिलाएगा।

शब्दजाल - 8182

शब्द जाल में 10 जोड़ीदार शब्द ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते है.

अ	ट	र	प	ट	र	धि	अ	र	प	अ
न	ग	क	म	इं	डो	ने	फ	ति	मा	ना
अ	दा	ल	ला	मा	ग	अं	रा	ह	प	प
आ	ग	ल	ब	जा	न	स	त	ह	अ	श
ना	न	अ	र	ग	न	मे	फ	का	ग	ना
जा	अं	न	र	व	ल	का	री	ह	र	प
ना	ज	ल	फा	व	अ	ला	र	मा	म	ग
आ	र	पा	र	न	प	स	रा	ल	ग	ला
अ	पं	बा	अ	लं	न	र	ह	न	र	दे
र	ज	ति	मा	अ	द	ली	ब	द	ली	श
बां	र	ल	प	रु	स	स	त्ता	प	र	र

आना जाना, अदली बदली, अगर मगर, अंजर पंजर, अफरा तफरी, आर पार, अगल बगल, आनन फानन, अटर पटर अनाप शनाप

शब्दजाल - 8181 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

26 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	07.19 बजे से
चंद्र	मिथुन में	मेष	08.50 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	10.30 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	12.28 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	14.41 बजे से
शुक्र	कुंभ में	सिंह	16.57 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	19.09 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	21.20 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	23.35 ब.से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		धनु	01.51 बजे से
		मकर	03.56 बजे से
		कुंभ	05.42 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 57 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** दशमी 00.34 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** मृगशीर्ष 12.12 बजे को समाप्त। **योग** प्रीति 22.34 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 13.37 बजे तदनन्तर गर 00.34 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 8.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 08° 48' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872632 **जूलियन दिन** 2461097.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रमजान **तारीख** 08

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7126

बायें से दायें:-

१. शाहरूख, अपूर्व अग्निहोत्री, महिमा की 'किसी रोज तुम से' गीत वाली फिल्म-४
४. 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली धर्मेन्द्र, जीनत अमान की फिल्म-४
६. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मुझे दुनियावलों शरबी' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
११. अजय, सैफ, विवेक, करीना, बिपाशा की 'बीड़ी जलई' गीतवाली फिल्म-४
१३. 'आ ये हसीना रात' गीत वाली जीतेंद्र, आदित्य, एकता की फिल्म-४
१६. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आँखों से दिल में' गीत वाली फराज खान, सुमन रंगनाथन की फिल्म-३
१८. दिलीपकुमार, सायरा की 'सारे शहर में आपसा कोई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'रात दुल्हन बनी चॉंद दूल्हा बना' गीत वाली जीतेंद्र, बिस्वजीत, माला सिन्हा, मुमताज की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, संजीव, शर्मिला की 'जिंदगी है क्या बोलो' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'दिल गम से' गीत वाली विजय, सुरैया की फिल्म जो सुरैया की अंतिम फिल्म थी-२
२६. संजयदत्त, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम दीवानों को' गीत वाली फिल्म-२
२७. आमिर, ममता कुलकर्णी की 'बाजी' में मुख्यमंत्री विश्वासराव चौधरी की भूमिका किसने की थी-२,३
२८. सनी, सुनील शेट्टी, शिल्पा की 'कोई परी आती नहीं' गीत वाली फिल्म-२
२९. फिल्म 'सात रंग के सपने' में अरविंद स्वामी के साथ नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, शाहरूख, सुनील, रानी, जूही की फिल्म-३
२. 'दुनिया में ऐसा कहाँ सबका नसीब' गीत वाली फिल्म-३
३. नसीरूद्दीनशाह, पूजा भट्ट की फिल्म-२
४. 'आते जाते हुए मैं सब पे नजर' गीत वाली फिल्म-२
५. इंद्रकुमार, आयशा जुल्का की फिल्म-३
७. आर्यन वैद, सोनाली कुलकर्णी की मकरंद देशपांडे निर्देशित फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
१०. 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
११. अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-२
१२. 'लम्हा लम्हा जिंदगी है' गीत वाली फिल्म-४
१३. मोहित अहलावत, निशा की फिल्म-२
१४. 'ये वादा करो चाँद' गीत वाली फिल्म-४
१५. मनोज बाजपेयी, रेखा, करिश्मा की फिल्म-३
१६. 'हम दर्द के मारों का इतना ही' गीत वाली फिल्म-२
२०. धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा की फिल्म-३
२१. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली फिल्म-३
२२. आफताब शिवदासानी, अमीषा पटेल, एशा देओल की फिल्म-४
२३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली फिल्म-३
२४. जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२५. 'इंतहा हो गई इंतजार की' गीत वाली अमिताभ, जया प्रदा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली-7125

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: योग्या का सम्मान

कोलकाता के एक कॉलेज में संस्कृत व्याकरण के शिक्षक का पद खाली हुआ। उन दिनों चारों तरफ ईश्वरचंद्र विद्या सागर की धूम थी। वह संस्कृत के प्रकांड विद्वान थे। स्थान खाली होते ही कॉलेज के प्रिंसिपल के मन में संस्कृत अध्यापक के पद के लिए ईश्वरचंद्र विद्यासागर का नाम आया। उन्होंने उन्हें पत्र भिजवाया और आग्रह किया कि वह पद ग्रहण करके कॉलेज व उसके विद्यार्थियों को गौरवान्वित करें । ईश्वरचंद्र ने पत्र पढ़ा तो तत्काल जवाब लिखने बैठ गए। उन्होंने लिखा, 'आपको व्याकरण पढ़ाने वाले अध्यापक की आवश्यकता है। मैं सोचता हूं कि व्याकरण के मामले में मैं इस नगर का योग्यतम व्यक्ति नहीं हूं। इस विषय में मुझसे अधिक विद्वान मेरे मित्र वाचस्पति हैं। यदि आप उनकी नियुक्ति कर सकें तो मुझे बड़ी प्रसन्नता होगी। मेरा उस पद पर आना वाचस्पति की योग्यता का अपमान होगा। इसलिए कृपया मुझे आवेदन करने को न कहें।' कॉलेज के प्राचार्य विद्यासागर का पत्र पढ़कर उनके प्रति नतमस्तक हो गए और सोचने लगे कि यह व्यक्ति कितना महान है। किसी दूसरे व्यक्ति को अपने से बड़ा बताना हर किसी के बस की बात नहीं। कोई भी व्यक्ति दूसरे के सामने स्वयं को कमतर कभी नहीं साबित करता। लेकिन बेहद गुणी व विनम्र ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने ऐसा किया है । निश्चित रूप से उनका हृदय अत्यंत विशाल है। उनके इस प्रस्ताव को कॉलेज की प्रबंध समिति ने खुशी-खुशी स्वीकार कर लिया। मित्र की नियुक्ति पाकर ईश्वरचंद्र विद्यासागर को हार्दिक प्रसन्नता हुई। जब वाचस्पति को इस घटना का पता चला तो वह तुरंत विद्यासागर के पास पहुंचे और उन्हें गले लगाते हुए बोले, 'मित्र वास्तव में आपके बड़प्पन व विशाल हृदय का कोई सानी नहीं। इतना अद्भुत व गौरवशाली व्यक्तित्व व सोच सिर्फआपकी ही हो सकती है। मुझे सच में नौकरी की बेहद आवश्यकता थी।' यह कहते हुए उनकी आंखों में आंसू आ गए। विद्यासागर ने उनकी पीठ थपथपाते हुए कहा, 'मित्र, जो योग्य है उसे उपयुक्त अवसर मिलना ही चाहिए।'

सूडोकु नवताल- 7435

★★★★★ कठिनतम

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7434 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

शब्द पहेली - 8650

बाएँ से दाएँ

1. लाचार,बेबस-3
3. प्राण,जान-3
5. दुर्ग,फोर्ट-2
6. सद्पुरुष-2
8. कवायद-4
10. प्रतिघात,मुआवजा-3
12. कंठ,गला-3
13. लकड़ी-2
14. प्रथम मानव-2
15. धोखेबाज,कपटी-3
17. माजरा,घटना-3
19. कहासुनी,झंझट -4
21. संबोधन-2
23. चावल-2
24. रगड़ना,लगाना-3
25. वादा,प्रतिज्ञा -3

ऊपर से नीचे

1. लता,लतिका-2
2. चावल (अंग्रेजी-3)
3. हूर,अप्सरा-3
4. आकाश,व्योम-2
5. शायरी करनेवाला-3
7. योग्य,उपयुक्त-3
8. अदाकार,फनकार-4
9. घोड़ागाड़ी-2
12. बजरंगबली-4
15. माह,मास-3
16. जांघ,जंघा-2
18. धिक्कार,फटकार-3
19. मामूली,तुच्छ-3
20. बहने का भाव-3
22. संस्कृत में 'मेरा'-2
23. होश,आभास-2

शब्द पहेली -8649 का हल

आ	ह		प	र	दा		क	म
ग		क	ना	त		र	च	ना
	क	ल	ह		ग	ह	रा	
श	र	म		ह	र	म		स
री	म		आ	रा	म		क	म
फ		शी	स	म		न	ह	र
	क	त	रा		अ	म	र	
बा	द	ल		रा	ज	न		त
ज	र		ज	ह	र		द	वा

Jagrutidaur.com, Bangalore

टेमनी चौंदाटोला के किसानों ने भानेगांव विद्युत केंद्र पर सौंपा ज्ञापन

धान की रबी फसल के लिए 10 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति की मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लांजी।

रबी सीजन में धान की फसल लगाने वाले किसानों को बिजली आपूर्ति की कमी से गंभीर संकट का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र के सैकड़ों किसानों ने मध्य प्रदेश विद्युत वितरण कंपनी से लगातार 10 घंटे बिजली देने की मांग को लेकर 25 फरवरी को भानेगांव स्थित विद्युत वितरण केंद्र पर पहुंचकर कनिष्ठ अभियंता को एक ज्ञापन सौंपा। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांग पूरी नहीं हुई तो वे आंदोलन की राह अपनाने को मजबूर होंगे।

किसानों के अनुसार, ग्राम टेमनी, चौंदाटोला, दीनाटोला, पीपलगांव सहित आसपास के गांवों में लगभग 700 एकड़ भूमि पर धान की रबी फसल लगाई गई है। इनमें से करीब 75 प्रतिशत किसानों के पास स्थायी विद्युत कनेक्शन हैं, जबकि शेष के अस्थायी टीपी कनेक्शन हैं। मध्य प्रदेश विद्युत वितरण कंपनी की नीति के अनुसार किसानों को कृषि कार्यों के लिए प्रतिदिन 10 घंटे लगातार बिजली उपलब्ध करानी चाहिए, लेकिन वर्तमान में यहां दिन में मात्र 4 घंटे और रात में 1 घंटे ही बिजली सप्लाई हो रही है।

इस कमी के कारण ट्यूबवेल और अन्य सिंचाई साधनों से फसलों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है, जिससे धान की फसल को भारी नुकसान का खतरा मंडरा रहा है। किसानों का कहना है कि रबी धान की फसल के लिए पानी और बिजली की पर्याप्त उपलब्धता अत्यंत आवश्यक है, अन्यथा पूरी मेहनत बर्बाद हो जाएगी।

ज्ञापन सौंपने वाले प्रमुख किसानों में डालेश्वर कावरे, महेश मातरे, लेखराम मातरे, गिरधारी सिल्हारे, हेमेश्वर आवरे, प्रदीप आवरे, सुनील, भुनेश्वर, दिनेश आवरे, गणपत मातरे, राधेलाल मातरे, प्यारेलाल कावरे, ईश्वरदास नागफासे, सोहन कावरे, सालिकराम नागफासे, शेषराम मातरे, यशवंत राव मातरे, भक्तकुमार कावरे, परसराम कावरे, मन्नुलाल कावरे, गेंदलाल पंचाले, राजेन्द्र सिल्हारे, भाऊलाल नागफासे, गुलाबराव गेड़ाम, महेश आवरे, ओमप्रकाश आवरे सहित दर्जनों अन्य किसान उपस्थित रहे।

किसानों ने विभाग से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है और कहा है कि यदि 10 घंटे की निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित नहीं की गई तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। क्षेत्र में पहले से ही बिजली कटौती और सिंचाई की समस्या को लेकर किसानों में रोष व्याप्त है, और यह मामला अब प्रशासन के समक्ष गंभीर चुनौती बन चुका है।

दिव्यांग जन कल्याण संघ ने मनाया 8वां स्थापना दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्य प्रदेश की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था दिव्यांग जन कल्याण संघ ने अपने 8वें स्थापना दिवस को हर्षोल्लास के साथ संघ कार्यालय भानेगांव में मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता के पूजन के साथ हुई, जिसके बाद संघ के अध्यक्ष तन्मय मिश्रा ने तिरंगा फहराकर समारोह का शुभारंभ किया।

विगत 8 वर्षों से बिना किसी सरकारी सहायता के दिव्यांगजन सशक्तिकरण और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में निरंतर कार्यरत इस संघ ने इस अवसर पर एक महत्वपूर्ण घोषणा की। संघ ने दिव्य ज्योति पुरस्कार 2026 की आधिकारिक घोषणा की। यह पुरस्कार अध्यक्ष तन्मय मिश्रा की दिवंगत माता स्व. श्रीमती ज्योति मिश्रा की स्मृति में समर्पित है। प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) के अवसर पर समाज में उत्कृष्ट योगदान देने वाली मातृ शक्तियों को यह सम्मान प्रदान किया जाता है। यह संघ द्वारा दिया जाने वाला दूसरा प्रमुख पुरस्कार है, जिसकी शुरुआत वर्ष 2024 से की गई थी।

चयन समिति के निर्णय के अनुसार, वर्ष 2026 के लिए यह सम्मान किरनापुर निवासी पत्रकार कुं. गोल्डी अशोक बिसेन को प्रदान किया जाएगा। आगामी 8 मार्च को संघ की संरक्षक श्रीमती परमिला देवीचरण जी ठाकरे द्वारा उन्हें यह पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

स्थापना दिवस समारोह में अध्यक्ष तन्मय मिश्रा ने सभी निष्ठावान सदस्यों को उनके निस्वार्थ सेवा कार्यों के लिए बधाई दी और संघ के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संघ की संरक्षक श्रीमती परमिला देवीचरण ठाकरे, उपाध्यक्ष वीरेंद्र ठाकरे, सचिव रूपेश कुमार कुथे, कोषाध्यक्ष कु. सुनीता बिसेन, संयुक्त सचिव सुश्री अनीता उईके, शिकायत अधिकारी पारुल ठाकरे, सुश्री सलीता ठाकरे, श्रीमती प्रमिला पारधी, नरेश कुमार रोकड़े, दिनेश आठोंडे, प्रेरक जगदीश मिश्रा तथा अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

यह समारोह दिव्यांगजन और महिला सशक्तिकरण के प्रति संघ की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो बिना किसी बाहरी सहायता के सामाजिक सेवा में लगातार सक्रिय है।

सेन शक्ति महासंगठन लांजी द्वारा महामहिम राष्ट्रपति के नाम एस डी एम को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश के रीवा में एवं राजस्थान घटित विभिन्न अप्रिय घटनाओं के विरोध एवं पीड़ितों को न्याय दिलाने हेतु सेन शक्ति महासंघटन द्वारा 25 फरवरी को राष्ट्रपति के नाम लांजी एस डी एम को ज्ञापन सौंपा गया। जिसके अंतर्गत भारत के विभिन्न राज्यों में हो रही घटनाओं के विरोध में सेन शक्ति महासंघठन लांजी द्वारा राजस्थान एवं मध्यप्रदेश में हो रही अप्रिय घटनाओं के संबंध में ज्ञापन में

उल्लेख किया गया है। जिसमें बताया गया हैं कि राजस्थान के बीकानेर जिला के रंजीतपुर गांव में हृदय विरादक घटना ने पूरे देश को झकझोर कर दिया हैं कक्षा आठवीं की छात्रा जो परीक्षा हेतु अपने घर से निकली थी जिसका मृत शरीर संदिग्ध अवस्था में मिला हैं जो अत्यंत दुखद और निंदनीय विषय हैं। सेन शक्ति महासंघठन जबलपुर संभाग अध्यक्ष संतोष श्रीवास के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा गया हैं, जिसमें मुख्यमंत्री से मांग की गई हैं कि घटना की उच्च स्तरीय जांच करके छात्रा के परिवारजन को न्याय दिलाया जाए एवं दोषियों को फांसी की सजा दिलाई जावे तथा परिवारजन को सुरक्षा एवं मुआवजा प्रदान किया जावे। घटना के विरोध में प्रदेश अध्यक्ष राजेश्वर सेन के नेतृत्व में समाज के सभी संगठन के पदाधिकारियों के द्वारा 25 फरवरी को ज्ञापन सौंपा गया हैं।

शैक्षणिक संस्था शैल श्री पैरामेडिकल ने लगाया विज्ञान प्रदर्शनी

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी नगर की शैक्षणिक संस्था शैल श्री पैरामेडिकल संस्थान लांजी में 24 फरवरी को संस्थान प्रबंधन के द्वारा एक विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया जिसमें अध्ययनरत छात्र छात्राओं ने एक से बढकर एक विज्ञान मॉडल प्रस्तुत किये। इस विज्ञान प्रदर्शनी में संस्थान के ऑपरेशन थिएटर टेक्निशियन एवं पंचकर्म टेक्निशियन के छात्र छात्राओं द्वारा भाग लिया गया। जिसमें उनके द्वारा अपने कोर्स से संबंधित विषय पर मॉडल तैयार किये गये जिसकी प्रदर्शनी संस्थान के सभा हॉल में प्रदर्शित किया गया।

डाक्टर्स की टीम ने किया प्रदर्शनी का निरीक्षण

शैल श्री पैरामेडिकल संस्थान में 24 फरवरी को आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में प्रमुख रूप से क्षेत्र के प्रतिष्ठित डाक्टर्स को आमंत्रित किया गया था जिनमें बीएमओ डॉ अक्षय उपराड़े, डॉ किशोर सोनवाने, डॉ राजेश रणदिवे, डॉ अंकित तुरकर, एचओडी डॉ देवेश ऐडे, डॉ सुचिता ऐडे, डॉ आरपी ऐडे के द्वारा उक्त प्रदर्शनी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान डाक्टर्स ने उन सभी छात्र छात्राओ से चर्चा की जिनमें द्वारा अलग अलग विज्ञान संबधी मॉडल प्रस्तुत किये गये थे। इन मॉडल में ऑपरेशन थियेटर, सुसज्जिज हास्पिटल मैनेजमेंट, बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट, ह्यूमन आर्गन्स जिसे किड्नी, हृदय, फेफड़े, ऑपरेशन थियेटर से संबधित उपकरण, सक्शन मशीन, हेमोडायलेसिस, वर्किंग मॉडल सी-सेक्शन ऑपरेशन, ड्रेसिंग एण्ड बैंडेज सहित पंच कर्म से संबधित टेक्निशियन ने कटी बस्ती, शिरोधारा जैसे मॉडल तैयार किये गये। सभी निरीक्षणकर्ताओ के द्वारा छात्र छात्राओं के बनाये गये मॉडल को खुब सराहा गया तथा शुभकामनाऐं प्रेषित की गई। बताते कि नगर में संचालित उड़ान स्कूल के छात्र छात्राऐं भी उक्त विज्ञान प्रदर्शनी को देखने के लिये पंहुचे तथा आवश्यक जानकारी हासिल की। इस दौरान संस्थान के डायरेक्टर उज्जवल श्रीवास्तव, श्रीमती प्रिया श्रीवास्तव, विजेता श्रीवास्तव, साजिद शालू अली, सौरभ मोनू पशीने, श्रीमती ईशा पशीने, महेन्द्र करहि, जितेन्द्र तिड़के, शैलेन्द्र बागड़े, सुदर्शना बागड़े, अमन मिश्रा, आरिफ खान सहित संस्थान के छात्र छात्राऐं, शिक्षक गण एवं कार्यालयीयन स्टाफ उपस्थित रहा जिनका उक्त विज्ञान प्रदर्शनी को प्रदर्शित करने में सराहनीय योगदान रहा है।

चोरी की गई मारुति ईको कार एवं टीवीएस मोटरसाइकिल सहित घटना में प्रयुक्त डिजायर कार और पल्सर मोटरसाइकिल जब्त

किरनापुर पुलिस की त्वरित कार्रवाई 24 घंटे के भीतर चोरी की घटनाओं का किया खुलासा

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। बालाघाट जिले में चोरी के अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण एवं त्वरित निराकरण के उद्देश्य से आदित्य मिश्रा पुलिस अधीक्षक बालाघाट द्वारा विशेष निर्देश दिये गए हैं। उक्त निर्देशों के पालन में आदर्शकांत शुक्ला अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर एवं ओमप्रकाश अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) लांजी के सक्रिय मार्गदर्शन में थाना किरनापुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मात्र 24 घंटे के भीतर एक चार पहिया वाहन एवं एक दो पहिया वाहन चोरी की घटनाओं का सफलतापूर्वक खुलासा किया है।

घटना दिनांक 23/02/2026 एवं 24/02/2026 की दरमियानी मध्य रात्रि में थाना किरनापुर क्षेत्र अंतर्गत दो अलग-अलग स्थानों पर वाहन चोरी की घटनाएँ प्रकाश में आई। पहली घटना ग्राम किरनापुर में किरनापुर बालाघाट मुख्य मार्ग पर स्थित एक मकान के बाहर टीन शेड के नीचे खड़ी टीवीएस स्टार सिटी मोटरसाइकिल की चोरी से संबंधित है। इसी प्रकार दूसरी घटना ग्राम परसवाड़ा में एक मकान के बाहर टीन शेड के नीचे खड़ी मारुति ईको कार की चोरी से संबंधित पाई गई। दोनों घटनाओं की सूचना प्राप्त होते ही थाना किरनापुर में तत्काल अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।

थाना क्षेत्र में हुई चोरी की वारदातों को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी किरनापुर के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा चोरी गए दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों तथा संदिग्ध आरोपियों की तलाश हेतु थाना क्षेत्र एवं आसपास के संभावित स्थानों पर सघन सर्च अभियान चलाया गया। घटनास्थल एवं संबंधित मार्गों के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का बारीकी से परीक्षण किया गया तथा मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर लगातार पतासाजी की गई।प्रकरण में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने

आरोपी बृजेश धुर्वे उम्र 28 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 27 प्रेम नगर बालाघाट एंव अक्षय उर्फ प्रिंस वर्मा उम्र 21 वर्ष वार्ड नंबर 19 प्रेम नगर बालाघाट के 2 आरोपियों को गिरफ्तार करते हुये, 02 विधि-विरुद्ध बालकों को अभिरक्षा में लिया गया है। आरोपियों के कब्जे से घटना में चोरी गई 01 चार पहिया ईको कार एवं 01 टीवीएस मोटरसाइकिल जप्त की गई है। इसके अतिरिक्त, घटना में प्रयुक्त 01 चार पहिया डिजायर कार एवं 01 बजाज पल्सर मोटरसाइकिल भी जप्त की गई है। इन चोरी की वारदातों का 24 घंटे मे पर्दाफाश करने मे थाना प्रभारी किरनापुर उप निरीक्षक अनुराग सिंह भदोरिया, स.उ .नि नेहरू बहेरवंश, सउनि. ग्लेडविन छत्रिय सउनि. गणेश चौधरी, प्रआ. तोपराम कुमरे,आर. कैलाश मेश्राम, आर. समीर चौधरी, शिव शंकर वर्मा,शिव कुरौचिया, राजकुमार ठाकरे,एस एस यू कर्म , चंद्रप्रकाश कावरे, विवेक जामरे, कैलाश पन्दे काजल गर्दे, सुरेखा खैरवार की उल्लेखनीय एवं सराहनीय भूमिका रही।

कुसुम श्रीवास्तव पंच तत्व में विलीन

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश शासन के पूर्व मंत्री व विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष स्वर्गीय नरबदा प्रसाद श्रीवास्तव (एनपी.श्रीवास्तव) जी की धर्म पत्नि श्रीमती कुसुम श्रीवास्तव जी का 90 वर्ष की आयु में भोपाल स्थित उनके निवास में 25 फरवरी 2026 को सुबह 5 बजे निधन हो गया। आप अपने पीछे दो पुत्र विजय प्रकाश श्रीवास्तव, कृष्ण प्रकाश श्रीवास्तव सहित नाती पोतो से भरा पुरा परिवार छोड़ इस दुनिया से विदा हो गई। आपका अंतिम संस्कार भोपाल स्थित मोक्षधाम में 25 फरवरी को दोपहर 3 बजे किया गया। आपकी अंतिम यात्रा में नाते रिश्तेदार, जनप्रतिनिधि, ईष्ट मित्र सहित सामाजिक गण शामिल हुये जिनके द्वारा पंच लकड़ी प्रदान कर ईश्वर से मृत आत्मा कि शांति के लिये प्रार्थना की गई। लांजी क्षेत्र के समस्त श्रीवास्तव परिवार एवं कांग्रेस परिवार ने श्रृद्धा सुमन अर्पित किये।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबैंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

सरकारी नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया में बार-बार लापरवाही

कैग की रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा...पीएससी और विभागों में तालमेल नहीं

भोपाल। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग और प्रदेश के सरकारी विभागों के बीच समन्वय की कमी से प्रदेश में भर्तियां ही समय पर नहीं हो पा रही हैं। साल 2018 से 2023 के बीच प्रस्तावित 44 परीक्षाओं से में से सिर्फ 28 परीक्षाएं ही आयोजित की जा सकीं, बाकी 16 परीक्षाओं को लेकर विभाग विज्ञापन ही जारी नहीं कर सका। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक कैग ने प्रदेश में एमपी पीएससी स्तर की भर्ती की प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

अलग-अलग विभाग राज्य लोक सेवा आयोग की वेबसाइट के जरिए भर्ती के लिए आयोग को खाली पदों की जानकारी भेजते हैं। आयोग राज्य सिविल सेवा, वन सेवा और इंजीनियरिंग सेवाओं में भर्ती के लिए संबंधित विभागों से खाली पदों की जानकारी मांगता है। इस तरह आयोग और संबंधित विभागों के आपसी सहयोग से

चयन की प्रक्रिया की जाती हैं। लेकिन सीएजी ने 2017-18 से 2022-23 के दौरान ऊर्जा विभाग, औद्योगिक नीति व निवेश प्रोत्साहन विभाग, जेल विभाग, मध्यप्रदेश आवास एवं अधोसंरचना विकास बोर्ड और लोक स्वास्थ्य यात्रिकी विभाग के मामले में पाया कि इन विभागों ने 101 खाली पदों की जानकारी भेजने में 31 माह से लेकर 68 माह का समय लग गया। इसके चलते आयोग द्वारा सिर्फ 25 पदों पर ही भर्ती प्रक्रिया की जा सकी। विभागों के अलावा दूसरी भर्तियों में आयोग द्वारा भी समय सीमा का पालन नहीं किया गया। रिपोर्ट में सामने आया कि आयोग ने 2018-19 से लेकर 2022-23 के दौरान 12 हजार 336 पदों के लिए 56 परीक्षाओं से संबंधित 94 विज्ञापन जारी किए थे। आयोग द्वारा इन विज्ञापनों में से 30 विज्ञापन जारी करने में ही औसतन 136 दिनों का समय लिया गया।

बार-बार बदलते रहे कोटा, चार साल लग गए भर्ती में

सीएम ने दिव्यांगों को आरक्षण को लेकर पूर्व में जताई गई आपत्तियों के बाद भी इसमें सुधार नहीं किया। उच्च शिक्षा विभाग में सहायक प्राध्यापक के 2371 खाली पदों की अधिसूचना फरवरी 2016 में निकाले जाने के बाद भी इसकी परीक्षा में चार साल का समय लग गया। विभाग द्वारा दिव्यांगजन कोट की गणना को लेकर बार-बार संशोधन जारी किया जाता रहा। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि आरक्षण नीति के अनुसार खाली पदों की जानकारी लेने के संबंध में कोई स्पष्ट आंतरिक व्यवस्था को नहीं अपनाया गया। इसके चलते नियुक्तियां आरक्षण विवादों में उलझती रहीं।

सीएजी ने कहा-केरल मॉडल किया जाए लागू

सीएजी ने राज्य शासन को भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए केरल लोक सेवा आयोग के मॉडल को अपनाने का सुझाव दिया है। केरल में एक माह का समय सीमा निर्धारित है। उधर सामान्य प्रशासन विभाग ने कहा है कि इसमें सुधार के लिए एक पोर्टल विकसित किया जा रहा है। इस पोर्टल पर खाली पदों को विभाग द्वारा ऑनलाइन अपलोड किया जाएगा। इससे आयोग को विज्ञापन के प्रकाशन में लगने वाले समय को बचाया जा सकेगा।

विधानसभा में सरकार ने विधायक डॉ. विक्रांत भूरिया के सवाल के लिखित जवाब में जानकारी दी

इंडस्ट्रियल मीट-जीआईसी में 201 करोड़ खर्च, न निवेश, न रोजगार

भोपाल। पिछले तीन साल में मप्र में आयोजित संभागीय इंडस्ट्रियल मीट और भोपाल में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट पर सरकारी खजाने से कुल 201 करोड़ 85 लाख 31 हजार रुपये खर्च किए गए, लेकिन इन आयोजनों से न तो कोई एमओयू हुआ, न निवेश आया और न ही रोजगार सृजन का कोई अनुबंध हुआ। यह जानकारी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विधायक डॉ. विक्रांत भूरिया के सवाल के लिखित जवाब में दी। विधायक डॉ. भूरिया ने वर्ष 2020 से 2025 के बीच संभाग स्तर पर आयोजित इंडस्ट्रियल समिट में किए गए एमओयू, संबंधित संस्थाओं और प्रस्तावित निवेश की जानकारी मांगी थी। साथ ही भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट में किन कंपनियों से समझौते हुए, कितनी राशि के निवेश का अनुबंध हुआ और कितने लोगों को रोजगार देने का एमओयू किया गया। इसका भी ब्यौरा चाहा था। मुख्यमंत्री के जवाब के अनुसार, वर्ष 2023 में 1565 लाख 22 हजार रुपये, वर्ष 2024 में 7753 लाख रुपये और वर्ष 2025 में प्रावधिक रूप से 10867 लाख 9 हजार रुपये खर्च किए गए। इस तरह तीन वर्षों में कुल व्यय 201 करोड़ 85 लाख 31 हजार रुपये तक पहुंच गया। हालांकि इस अवधि में उद्योग स्थापना के लिए किसी भी प्रकार का एमओयू नहीं किया गया। जब निवेश और उद्योग स्थापना के समझौते ही नहीं हुए, तो रोजगार सृजन को लेकर भी कोई औपचारिक अनुबंध नहीं हुआ। सरकारी जवाब के बाद विपक्ष ने इन आयोजनों की उपयोगिता पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि भारी-भरकम खर्च के बावजूद यदि ठोस निवेश या रोजगार का परिणाम सामने नहीं आया, तो यह जनता के धन का दुरुपयोग है।

70 महीनों में 715 कैदियों की मौत, 36 ने की आत्महत्या

भोपाल। मध्यप्रदेश की जेलों में एक अप्रैल 2020 से पिछले 70 महीनों के दौरान 715 कैदियों की मौत हो चुकी है। इनमें 36 बंदियों ने आत्महत्या की, जबकि 54 कैदी जेल से फरार हो गए। यह जानकारी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विधायक उमाकांत शर्मा के सवाल के लिखित जवाब में दी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में 11 केंद्रीय जेल, 41 जिला जेल, 73 उपजेल और 8 खुली जेल संचालित हैं। इसके बावजूद जेलों में क्षमता से अधिक कैदी रख जा रहे हैं, जिससे व्यवस्थाओं पर अतिरिक्त दबाव बना हुआ है। सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए प्रदेश की 15 जेलों की बाउंड्रीवाल पर इलेक्ट्रिक वायर फेंसिंग लगाई गई है, ताकि कैदी दीवार फांदकर फरार न हो सकें। अन्य जेलों में भी यह कार्य प्रक्रियाधीन है। सभी जेलों को सीसीटीवी नेटवर्क से जोड़ा गया है।

जेलों में कैदियों को दिया जा रहा तकनीकी प्रशिक्षण

सरकार ने जेलों में सुधार और पुनर्वास की दिशा में भी कदम उठाने का दावा किया है। प्रदेश की 13 सर्किल जेलों और 11 जिला जेलों में विभिन्न उद्योग संचालित किए जा रहे हैं, जहां बंदियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाता है। वर्ष 2025 में 2828 बंदियों को इन उद्योगों में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसके अलावा तीन जेलों में आईटीआई संचालित हैं, जिनमें वर्ष 2025 के दौरान 96 बंदियों को तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया। शिक्षा के क्षेत्र में भी पहल की गई है। वर्ष 2025 में विभिन्न कक्षाओं में 1007 बंदियों ने अध्ययन किया, 550 बंदी हिंदी राष्ट्रभाषा परीक्षा में शामिल हुए। 6,646 बंदियों को साक्षर बनाया गया। सरकार का कहना है कि इन प्रयासों का उद्देश्य बंदियों का पुनर्वास और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ना है।

नई जेलों का किया जा रहा है निर्माण

इस बीच, जेलों में बढ़ती संख्या को देखते हुए नए कारागारों का निर्माण भी किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने विधायक अर्चना चिटनीस के प्रश्न के उत्तर में बताया कि सीहोर जिले के ग्राम बिजौरी, शिवपुरी के ग्राम बड़ौदी, अनूपपुर के ग्राम दुलहरा, भिंड के रतनपुरा, बुढार, रुंगटा, कठौंद, अंबाड़ा, बुरहानपुर के बहादरपुरा, इंदौर के ग्राम पचडेरिया और छिंदवाड़ा के ग्राम पचडेरिया में नई जेलों का निर्माण कार्य चल रहा है। हालांकि मौतों और आत्महत्याओं के आंकड़े जेल प्रबंधन और बंदियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े करते हैं।

9-सूत्रीय मांगों को लेकर सड़कों पर उतरे हजारों आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी

प्रदेशव्यापी आंदोलन की कड़ी में भोपाल में हुई 'न्याय यात्रा' और सामूहिक हड़ताल

भोपाल। लंबे समय से अपनी 9-सूत्रीय मांगों को लेकर आवाज उठा रहे मध्य प्रदेश के लगभग 30 हजार आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी 25 फरवरी 2026 से प्रदेशव्यापी आंदोलन की राह पर है। इसी कड़ी में भोपाल में 'न्याय यात्रा' और सामूहिक हड़ताल की गई। इससे जिला अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों की सेवाएं प्रभावित हुईं हैं। प्रदर्शन के दौरान भोपाल के जेपी अस्पताल परिसर में हजारो कर्मचारियो ने पहुंचकर सरकार और विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। हालांकि किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिये अस्पताल परिसर में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था, साथ ही प्रदर्शनकारियो को रोकने के लिये बैरिकेडिंग करते हुए अस्पताल के सारे रास्ते बंद कर दिए गए थे। इसके बाद प्रदर्शनकारियो ने गेट पर ही नारेबाजी करते हुए भीतर जाने का प्रयास किया जिसे लेकर उनकी पुलिस कर्मियो से खासी बहस भी हुई। इस दौरान न्याय यात्रा में शामिल अपने ढाई साल के बच्चे के साथ शामिल होने आई एक महिला कर्मचारी बेहोश होकर गिर गई। प्रदर्शन में एड्स कंट्रोल एम्प्लॉइज यूनियन, जॉइंट डेंगू-मलेरिया एम्प्लॉइज यूनियन, ऑल हेल्थ ऑफिसर्स एम्प्लॉइज फेडरेशन, कॉन्ट्रैक्ट आउटसोर्सड हेल्थ वर्कर्स यूनियन और नर्सिंग ऑफिसर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। स्वास्थ्य अधिकारी कर्मचारी महासंघ के पदाधिकारियो का कहना है की अपनी मांगो को लेकर सींविदा कर्मचारी लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन विभागीय अधिकारी उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दे रहे। यदि जल्द ही उनकी मांगो पर ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन और तेज किया जायेगा।

विधानसभा में पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल ने माना...

महिला समूहों का दो साल से नहीं हुआ बकाया भुगतान

भोपाल। विधानसभा के बजट सत्र के दौरान महिला समूहों का भुगतान बकाया होने का मामला उठा। भाजपा विधायक रीति पाठक ने प्रश्नकाल के दौरान सीधी जिले का मुद्दा उठाते हुए कहा कि वर्ष 2022-23, 23-24 और 24-25 में स्व सहायता समूहों के माध्यम से गणवेश वितरण का कार्य किया गया था। उनका भुगतान अब तक लंबित है, यह कब तक किया जाएगा। उन्होंने पूरे मामले में जांच कराए जाने की मांग की। इस पर पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल ने माना है कि स्कूलों में यूनिफार्म उपलब्ध कराने वाली ग्रामीण आजीविका मिशन की महिला समूहों का दो साल से भुगतान नहीं हुआ है। विधायक के सवाल के जवाब में पंचायत मंत्री ने कहा कि ग्रामीण आजीविका मिशन की महिला समूहों का करीब 35 करोड़ रुपए बकाया है। मंत्री प्रहलाद पटेल ने बताया कि मामला वर्ष 2022-23 और 23-24 के

भुगतान का है। इस मामले की ईओडब्यू में जांच चल रही है। अभी तक 393.25 करोड़ का भुगतान हो गया है, करीब 35 करोड़ शेष है। सात जिलों में 2 करोड़ रुपए से ज्यादा शेष है। मंत्री ने बताया कि कलेक्टर से वेरीफिकेशन मांगा है, इसके बाद भुगतान किया जाएगा। शिक्षा विभाग और आजीविका मिशन में समन्वय की कमी से भुगतान में देरी। वहीं आजीविका मिशन के तहत वर्ष 2024 से अब तक गणवेश राशि के बकाया होने का मामला विधानसभा में कांग्रेस विधायक रामसिया भारती ने उठाया। उन्होंने बड़ामलहरा और बक्स्वाहा विकासखंडों में स्व सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए जांच जल्द कराने की मांग की। इस पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने बताया कि मामले में जांच चल रही है और 28 फरवरी तक रिपोर्ट देने का समय है। अकेले छतरपुर में साढ़े तीन करोड़ का भुगतान लंबित है।

सहारा समूह में एमपी के 9 लाख से ज्यादा निवेशकों का पैसा फंसा

- 6,689 करोड़ में से सिर्फ 355 करोड़ वापसी जो केवल 5 प्रतिशत

सदन में अधूरी व भ्रामक जानकारी देने पर जयवर्द्धन सिंह ने उठाएं सवाल

भोपाल। पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस विधायक जयवर्द्धन सिंह ने विधानसभा में सहारा इंडिया समूह से जुड़े मध्यप्रदेश के लाखों निवेशकों के फंसे धन का गंभीर मुद्दा उठाते हुए सरकार से स्पष्ट और पारदर्शी जवाब देने की मांग की। जयवर्द्धन सिंह ने कहा कि सहारा इंडिया समूह में मध्यप्रदेश के 9 लाख से अधिक छोटे मध्यम दैनिक रोजगार वाले निवेशकों की कमाई फंसी हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लगभग 1 लाख 55 हजार आवेदकों के आवेदन ही प्रोसेस में लिए गए हैं, जबकि हजारों निवेशक अब भी न्याय की प्रतीक्षा में हैं। उन्होंने बताया कि लगभग 6,689 करोड़ रुपये की देय राशि में से मात्र 355 करोड़ रुपये ही वापस किए गए हैं, जो कुल राशि का लगभग 5 प्रतिशत है। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है और राज्य सरकार की उदासीनता को दर्शाती है। जयवर्द्धन सिंह ने विधानसभा में पूछे गए प्रश्न के माध्यम से यह भी उजागर किया कि वर्ष 1978 से 2012 के बीच विभिन्न योजनाओं के माध्यम से छोटे, मध्यम एवं दैनिक जमाकर्ताओं से लगभग 25,000 करोड़ रुपये जुटाए गए थे। आज वही जमाकर्ता अपने ही पैसे के लिए दर-दर भटक रहे हैं। उन्होंने गंभीर आपत्ति जताते हुए कहा कि सदन में उन्हें उनके प्रश्न का विधिवत लिखित उत्तर प्राप्त नहीं हुआ। उत्तर की शैली से ऐसा प्रतीत होता है मानो आरटीआई के अंतर्गत दी जाने वाली सामान्य जानकारी प्रस्तुत कर दी गई हो। मंत्री द्वारा दिया गया मौखिक वक्तव्य संसदीय परंपराओं और मर्यादाओं के प्रतिकूल था, जिसकी वे घोर निंदा करते हैं। जयवर्द्धन सिंह ने स्पष्ट कहा कि वे इस संबंध में विधानसभा अध्यक्ष, मुख्यमंत्री एवं प्रमुख सचिव को लिखित शिकायत करेंगे ताकि भविष्य में सदन की गरिमा के साथ इस प्रकार का व्यवहार न हो। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सहारा इंडिया समूह के विरुद्ध दर्ज एफआईआर की जानकारी सदन में छिपाई गई। उनके पास 123 एफआईआर दर्ज होने की जानकारी है, जबकि सदन में केवल 4 एफआईआर की जानकारी दी गई। यह तथ्य स्वयं में सरकार की मंशा पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है। जयवर्द्धन सिंह ने कहा कि उन्होंने सदन में यह जानकारी मांगी थी कि सहारा इंडिया द्वारा मध्यप्रदेश में खरीदी गई संपत्तियों को अटैच करने के संबंध में सरकार ने अब तक क्या कार्रवाई की है ? लेकिन आश्चर्यजनक रूप से राज्य सरकार के पास इस विषय में कोई ठोस जानकारी उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि यह सरकार की गंभीर लापरवाही को दर्शाता है, जबकि आवश्यक है कि सहारा समूह की प्रदेश में स्थित सभी संपत्तियों को तत्काल चिन्हित कर नियमों के अनुसार कुर्क एवं जब्त किया जाए, ताकि उनकी नीलामी के माध्यम से लाखों पीड़ित निवेशकों का फंसा हुआ पैसा शीघ्र वापस कराया जा सके।

सदन में उठा भोपाल मास्टर प्लान में देरी पर सवाल

विधानसभा में विधायकों ने सरकार पर की सवालों की बौछार

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा बजट सत्र में बुधवार को भोपाल के मास्टर प्लान जारी होने में देरी पर सवाल उठे हैं। इसे लेकर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह ने सरकार को जमकर घेरा। इस पर नगरीय प्रशासन मंत्री ने जवाब दिया। वहीं वन विभाग ने श्रमिकों के भुगतान के अकाउंट नंबर देने से इनकार कर दिया है। इसके अलावा सदन में प्रश्नकाल के दौरान जजों की सुरक्षा और पत्रकारों की सुरक्षा का मामला भी उठाया गया।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मास्टर प्लान और मेट्रो को लेकर कहा कि सरकार के सदस्यों के बीच टकराव साफ दिख रहा है। नगरीय प्रशासन मंत्री को फ्री हैंड क्यों नहीं है ? फ्री हैंड नहीं देना है तो इस्तीफा ले ली और देना है तो मंत्री को काम करने दो। सिंघार ने कहा कि आपसी लड़ाई से मास्टर प्लान अटका हुआ है। क्या जनता को मास्टर प्लान की जरूरत नहीं ? अवैध कॉलोनियों का निर्माण लगातार जारी है। इनके लोग अवैध निर्माण जोडकर वैध करा लेते है। बड़े शहरों की जनता के साथ अन्याय हो रहा है। इंदौर-भोपाल को लेकर सरकार असंवेदनशील है, यह साबित हो गया है।

कांग्रेस विधायक ने कहा- लापरवाही के कारण बढ़ा टेंडर

कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने कहा कि भोपाल का मास्टर प्लान जारी नहीं होने का असर हर नागरिक और व्यवसाय करने वाले लोगों को भुगतना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि भोपाल का मास्टर प्लान लगभग 20 साल से लंबित पड़ा है। अधिकारियों की लापरवाही और मिलीभगत के कारण 22 करोड़ रुपए का टेंडर बढ़कर 72 करोड़ रुपए का हो गया है। जयवर्धन सिंह ने कहा कि प्रदेशभर में इंदौर मॉडल लागू हो। नगरीय विकास विभाग की अनुदान मांगों पर चर्चा के दौरान कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान में इंदौर देश में सबसे आगे है, लेकिन प्रदेश के कई जिलों में स्वच्छता के लिए दी गई राशि खर्च नहीं हो पा रही है

नगरीय निकायों में इंदौर मॉडल लागू करने की मांग

उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी नगरीय निकायों को स्वच्छ बनाने के लिए इंदौर मॉडल लागू किया जाना चाहिए। नगर छोटा हो या बड़ा, यदि इंदौर मॉडल के तहत विकेंद्रीकरण कर घर-घर से कचरा एकत्र कर उसका उचित निष्पादन किया जाए, तो प्रदेश में एक बड़ा संदेश जाएगा। जयवर्धन ने अंतर्राष्ट्रीय बैंकों के साथ टाई-अप कर मॉडल सिटी के कॉन्सेप्ट पर काम करने की भी बात कही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भोपाल और इंदौर में मेट्रो तभी सफल होगी, जब उसे पब्लिक ट्रांसपोर्ट से जोड़ा जाएगा।

गौ मांस पर जीएसटी के सवाल पर बवाल

पूर्व नगरीय प्रशासन मंत्री जयवर्धन सिंह ने गौ मांस पर जीएसटी वाले विधानसभा में लगे प्रश्न पर कहा कि भाजपा के लोग सनातन की बड़ी बड़ी बाते करते है। सरकार गौ मांस पर कोई जीएसटी नहीं ले रही है। विधानसभा में लगाए सवाल के जवाब को लेकर जयवर्धन ने आरोप लगाया कि मैंने गौ मांस पर जीएसटी न लगाने पर सवाल किया था। वहीं उन्होंने प्रदेश सरकार ने केंद्र सरकार का हवाला दिया है।

नगरीय प्रशासन मंत्री बोले- कब्रिस्तान को नहीं होगा नुकसान

नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि मेट्रो के अंडरग्राउंड के चलते कब्रिस्तान को नुकसान नहीं होगा। यह बात उन्होंने इंदौर और भोपाल मेट्रो के अंडरग्राउंड करने के काम को लेकर कही है। कैलाश ने कहा कि अंडरग्राउंड एलीवेटेड यानी भूमिगत मेट्रो की लाइन के लिए अब नेटम टेक्नोलॉजी का उपयोग कर बनाई जाएगी। मैंने यह तकनीक दिल्ली में देखी थी। केवल एक जगह होल कर अंडरग्राउंड टनल तैयार कर दी जाती हैय हमारे फोन लाइन सीवेज लाइन या अन्य लाइन इतनी गहराई पर नहीं होती है, इसलिए किसी अन्य तरह की समस्या नहीं आती है। कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि इंदौर में इसके लिए मशीन आ चुकी है। उन्होंने कहा कि भोपाल से कांग्रेस विधायक आतिफ अकील ने कब्रिस्तान को लेकर जो बात कही हैं, वो पूरी तरफ गलत है। कब्रिस्तान को कोई हानि नहीं होगी। सिर्फ ब्रांड्रीवॉल तुटेगी, जिसे काम होने के बाद फिर बनावा दिया जाएगा। मंत्री ने यह भी कहा कि इस मामले में किसी भी तरह से भ्रम ना फैलाएं।

श्रमिकों के भुगतान के अकाउंट नंबर देने से इनकार

वहीं श्रमिकों के भुगतान के अकाउंट नंबर देने से वन विभाग ने इनकार कर दिया है। विधानसभा में बीजेपी विधायक उमाकांत शर्मा ने सवाल किया। उन्होंने वनमण्डल विदिशा में पौधरोपण का सवाल पूछा। विधायक ने श्रमिकों के भुगतान की जानकारी मांगी और कहा कि पता बैंक खाता नहीं बताया गया है। बाहर के मजदूरों को काम करते देखा गया है। प्रदेश स्तरीय टीम से जांच कराएं। इस पर वन राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार ने जवाब देते हुए कहा कि अकाउंट नम्बर देना मर्यादा होती है। व्यक्तिगत तौर पर जानकारी दे दूंगा।

गोमांस के मुद्दे पर विशेष सत्र बुलाने की मांग

भोपाल। भोपाल के आधुनिक स्लॉटर हाउस में मिले गोमांस के मुद्दे को लेकर नगर निगम का विशेष सत्र बुलाने की मांग उठी है। इसे लेकर भाजपा पार्षद विलास राव घाडगे ने महापौर मालती राय को पत्र लिखा है। कहा कि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

उन्होंने बताया, भोपाल नगर क्षेत्र में गो हत्या की घटना से लोगों में आक्रोश और चिंता दोनों है। यह विषय केवल धार्मिक आस्था, गो संवर्धन से ही नहीं जुड़ा, बल्कि कानून व्यवस्था, सामाजिक सौहार्द और नगर सरकार की जवाबदेही से भी संबंधित है। इसलिए नगर निगम अधिनियम 1956 की धारा 30 के तहत महापौर को आवश्यक परिस्थितियों में विशेष बैठक बुलाने का विधिक अधिकार है। वर्तमान परिस्थिति को देखते हुए महापौर जल्द ही विशेष बैठक बुलाए और चर्चा करें।

उच्च स्तरीय जांच हो, फिर कार्रवाई की जाए

महापौर को लिखे पत्र में वार्ड-34 से पार्षद घाडगे ने कहा कि इस मामले की उच्च स्तरीय जांच हो। इसके बाद दोषियों पर कार्रवाई की जाए।

गोमांस का यह है मामला

जहांगीराबाद थाना प्रभारी मान सिंह चौधरी ने 24 दिसंबर को एक एफआईआर दर्ज की। इसमें 7 दिन पहले, 17 दिसंबर को कंटेनर नंबर यूपी 15 जेटी 4286 में मांस मिलने का हवाला दिया। 18 दिसंबर को वेटनरी अस्पताल जहांगीराबाद में कंटेनर में भरे 265 क्विंटल (26.5 टन) मांस में से वेटनरी डॉक्टर की टीम ने अलग-अलग 5 डिब्बों में सैंपल लिए। बाकी मांस कंटेनर के ड्राइवर शोएब पिता कमालउद्दीन को ही सुपुर्दगी में दे दिया गया।

तालाबों के संरक्षण के लिए 19 सदस्यीय टास्क फोर्स गठित

भोपाल। बड़े तालाब सहित शहर के 18 तालाबों से अतिक्रमण हटाने के लिए जिला प्रशासन ने पहली बार जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति गठित की है। 19 सदस्यीय इस समिति में 17 प्रशासनिक अधिकारी और 2 पर्यावरणविद् शामिल हैं। समिति में दो अपर आयुक्त, एक संयुक्त कलेक्टर, दो डिप्टी कलेक्टर, चार एसडीएम और पुलिस की ओर से अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (जोन-3) शालिनी दीक्षित को शामिल किया गया है। टास्क फोर्स हर 15 दिन में बैठक कर तालाबों के संरक्षण कार्यों की समीक्षा करेगी। बैठक में तैयार योजनाओं और की गई कार्रवाई का प्रतिवेदन कलेक्टर को सौंपा जाएगा।

समिति के अधिकारी नियमित रूप से निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करेंगे कि तालाबों के 50 मीटर दायरे में किसी प्रकार का अतिक्रमण न हो।

फायर ब्रिगेड का तय होगा रिस्पांस टाइम

भोपाल। मध्य प्रदेश के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाली आगजनी की घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए राज्य सरकार अगले 3 माह में फायर सेफ्टी एक्ट लाने जा रही है। विधानसभा में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने ध्यानाकर्षण के जवाब में इसकी जानकारी दी है। मंत्री ने कहा कि हमारी कोशिश है कि आगजनी की घटना के बाद फायर ब्रिगेड पहुंचने के रिस्पांस टाइम के निर्धारण करने पर विचार किया जा रहा है। इसके लिए प्रदेश के नगर निगमों सहित सभी नगरीय निकायों से जानकारी मांगी जा रही है।

विधानसभा सत्र में बीजेपी विधायक डॉ. अभिलाष पांडे ने प्रदेश में बढ़ती आगजनी की घटनाओं को रोकने के लिए प्रदेश में फायर सेफ्टी कानून और नियमित ऑडिट की व्यवस्था लागू किए जाने का मुद्दा ध्यानाकर्षण में उठाया। उन्होंने कहा कि मेरे जबलपुर विधानसभा क्षेत्र में ही ऐसे कई सघन क्षेत्र हैं, जहां आगजनी की घटना के दौरान फायर ब्रिगेड पहुंच ही नहीं सकती। इन क्षेत्रों में कई बार आगजनी की घटनाएं हो चुकी हैं।आगजनी की घटना में कई बार इंश्योरेंस कंपनियां भी हाथ खड़े कर लेती हैं। ध्यानाकर्षण के जरिए प्रदेश में फायर सेफ्टी एक्ट और फायर ऑडिट को लाए जाने की जरूरत है। इस मामले में कठोरता से व्यापारियों पर इसे लागू किया जाना चाहिए। यह व्यवस्था नगरीय निकायों से लेकर पंचायत स्तर तक लागू किया जाना चाहिए।

मंत्री बोले सरकार रिस्पांस टाइम कर रही फिक्स

जवाब में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि प्रदेश में ई नगर पालिका पोर्टल के जरिए फायर सेफ्टी प्लान तक फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट ऑनलाइन जारी किए जाते हैं। भारत सरकार द्वारा मॉडल फायर एक्ट उपलब्ध कराया गया है। इसके आधार पर मध्य प्रदेश का फायर एक्ट तैयार किया जा रहा है। आगले तीन माह में यह प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। मंत्री ने कहा कि प्रदेश का फायर एक्ट दूसरे राज्यों से बेहतर होगा। इसको लेकर विभागीय स्तर पर काम चल रहा है। मंत्री ने कहा कि हमारी कोशिश है कि आगजनी की घटना के 10 मिनट के अंदर फायर ब्रिगेड पहुंच जानी चाहिए, इस दिशा में योजना तैयार की जा रही है। एक्ट बनाए जाने के बाद इस दिशा में काम किया जाएगा। इसके लिए जरूरी कंस्ट्रक्शन कार्य शुरू किया जाएगा। प्रदेश में फायर सेफ्टी को पुख्ता करने के लिए कितने और फायर स्टेशन की जरूरत है, इसके लिए सभी नगरीय निकायों से जानकारी बुलाई जा रही है।

जिम्बाब्वे पर बड़ी जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम गुरुवार को यहां सुपर-8 के अपने दूसरे मैच में जिम्बाब्वे पर बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम को पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के हाथों 76 रनों की करारी हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसे सेमीफाइलन की उम्मीदें बनाये रखने के लिए इस मैच में बड़े अंतर से जीत चाहिये। भारतीय टीम के लिए हालांकि ये आसान नहीं है क्योंकि उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाज दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ असफल रहे थे। वहीं गेंदबाजी भी खास नहीं रही है। इसके अलावा जिम्बाब्वे का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है उसने लीग स्तर में ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका को हराया है। ऐसे में उसे कमजोर मानना भूल होगी।

दक्षिण अफ्रीका से मिली हार के बाद भारतीय टीका का रन रेट भी माइनस 3.80 हो गया है। इससे उससे सेमीफाइनल की उम्मीद बनाए रखने के लिए इस मुकाबले में बड़ी जीत चाहिये। इसके लिए पारी की शुरुआत और तीसरे नंबर की असफलता से उसे उबरना होगा। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा फार्म में नहीं है। वहीं नंबर तीन पर तिलक वर्मा भी अब तक बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। केवल ईशान किशन ने ही अब रन बनाये हैं।

ऑफ स्पिनरों के सामने अभिषेक रन नहीं बना पा रहे हैं जिससे भी भारतीय टीम को भारत को नुकसान हो रहा है। इस टूर्नामेंट में चार मैचों में वह केवल 15 रन ही बना सके हैं जबकि उनका स्ट्राइक रेट 75 और औसत 3.75 रहा। ऐसे में उनकी जगह पर इस मैच में संजू सैमसन को उतारने की मांग हो रही है।

वहीं तिलक को भी अपने प्रदर्शन को बेहतर करना होगा। अब तक केवल ईशान ने ही 193 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं। वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव का स्ट्राइक रेट 127 रहा है जो उनके टी20 करियर के 161 के स्ट्राइक रेट से काफी कम है जिससे ईशान पर काफी दबाव बन गया है। शिवम दुबे और हार्दिक पांड्या ने अब तक अच्छा खेला है और निचले क्रम पर इन दोनो से आगे भी बेहतर बल्लेबाजी की उम्मीदें हैं। बायें हाथ के तीन बल्लेबाजों ईशान, अभिषेक और तिलक के सामने विरोधी टीमों ने पावरप्ले में आफ स्पिनरों का उपयोग कर इनपर अंकुश लगाने का प्रयास किया है जिसमें वे सफल भी हुई हैं।

इस मैच में ऑफ स्पिनरों की रणनीति को विफल करने के लिए संजू सैमसन को अवसर मिल सकता है। उनके आने से दाये और बाएं हाथ की सलामी जोड़ी बेहतर रहेगी।

ऐसे में टीम प्रबंधन सूर्यकुमार को तीसरे और तिलक को चौथे नंबर पर उतार सकता है। वैसे चेपॉक की पिच से उन्हें काफी मदद मिल सकती है। जिम्बाब्वे के पास उतना खतरनाक स्पिन आक्रमण भी नहीं है। तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी , रिचर्ड एनगारावा और ब्राड इवांस को हालांकि कम नहीं आंका जा सकता है। गेंदबाजी में भी भारतीय टीम को वरुण चक्रवर्ती , जसप्रीत बुमराह से और बेहतर गेंदबाज की उम्मीद करनी होगी। पिछले मैच में भारतीय गेंदबाजों ने दक्षिण अफ्रीका के तीन विकेट 20 रन पर गिरा दिये थे पर बीच के दौर में कमजोर गेंदबाजी के कारण अफ्रीकी टीम 187 रन बनाने में सफल रही। जिससे भारतीय बल्लेबाज दबाव में आ गयी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हार्दिक पांड्या, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, संजू सैमसन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह।

जिम्बाब्वे- सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, ग्रीम क्रेमर, बेन कुरेन, ब्रैड इवांस, क्लाइव मदांडे, टिनोटेंडा मापोसा, तदिवानाशे मारुमनी, वेलिंगटन मसाकाद्जा, टोनी मुनयोंगा, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्लेसिंग मुजाराबानी, डायोन मायर्स, रिचर्ड एनगारवा।

एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालिफायर की तैयारियों में लगी है भारतीय टीम

बेहतर प्रदर्शन करना चाहती है साक्षी

बेंगलुरु। भारतीय महिला हॉकी टीम आजकल मुख्य कोच शॉर्ड मारिन के मार्गदर्शन में एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालिफायर की तैयारियों में लगी है। टीमें में शामिल उभरती हुई मिडफील्डर साक्षी राणा भी अभ्यास में लगी हुई है और अपनी ओर से और बेहतर प्रदर्शन करना चाहती है। साक्षी का कहना है कि वह हर दिन यही सोचकर मैदान पर उतरती हैं कि उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। इस शिविर में मुख्य कोच मारिन के अलावा वैज्ञानिक सलाहकार वेन लोम्बार्ड भी खिलाड़ियों की सहायता कर रहे हैं।

वहीं साक्षी ने कहा, हर दिन मैं यह सोचकर बाहर निकलती हूं कि मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। अगर मैं क्वालिफाइंग राउंड में खेलती हूं, तो मेरा लक्ष्य टीम की जीत में योगदान देना है। आजकल हम हर दिन अभ्यास कर रहे हैं और कोच द्वारा बनायी योजना को पूरी तरह लागू करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोचिंग स्टाफ टीम की कमजोरियों पर विशेष ध्यान दे रहा है। फिटनेस, ताकत और रिकवरी पर लगातार काम हो रहा है। लोम्बार्ड खिलाड़ियों को शारीरिक क्षमता और रिकवरी के महत्व को समझा रहे हैं। साक्षी ने कहा कि सीनियर खिलाड़ियों से भी पूरा सहयोग मिल रहा है। टीम में सकारात्मक माहौल है और सभी खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। कोच ने साक्षी को मैदान में संवाद शैली भी ठीक करने को कहा है। वह सेंटर मिडफील्ड में खेलती हैं, इसलिए खेल को तेजी से पढ़ना और सही समय पर पास देना उसके लिए सबसे जरूरी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव तेजी से बनता है, ऐसे में समय पर फैसला लेना भी जरुरी है। भारतीय टीम को पहले क्वालिफायर में 8 मार्च को तेलंगाना के हैदराबाद में उरुग्वे से खेलना है। इसके बाद टीम 9 मार्च को स्कॉटलैंड और 11 मार्च को वेल्स का सामना करेगी।

ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और इंग्लैंड के साथ खेलेगी दक्षिण अफ्रीकी टीम - सीएसए

प्रिटोरिया। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने कहा है कि उनकी टीम आने वाले समय में ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और इंग्लैंड के साथ टेस्ट और सीमित ओवरों की सीरीज खेलेगी। इसी का कार्यक्रम उसने जारी किया है। सीएसए के अनुसार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 24 से 30 सितंबर के बीच किंग्समीड स्टेडियम से शुरू होगी। वहीं इसके बाद टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के लिए तीन टेस्ट मैच खेलेगी। ये मैच नौ अक्टूबर से डरबन में खेले जाएंगे। इसके बाद गकेबरहा में 18 अक्टूबर से और न्यूलैंड्स में 27 अक्टूबर से तीसरा टेस्ट खेला जाएगा। इसके बाद बांग्लादेश से दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इसका पहला मैच 15 से 19 नवंबर तक वांडरर्स स्टेडियम में होगा, जबकि दूसरे मैच 23 से 27 नवंबर तक सेंचूरियन में खेला जाएगा।

वहीं इसके बाद 1 से 7 दिसंबर के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेली जाएगी। इसके अलावा 10 से 13 दिसंबर के बीच टी-20 मुकाबले किम्बरली, बेनोनी और सेंचुरियन में खेले जाएंगे। इसके बाद इंग्लैंड के साथ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज 17 दिसंबर से वांडरर्स स्टेडियम में शुरू होगी।

पावरप्ले में ऑफ-स्पिनरों के खिलाफ सहज नहीं सलामी बल्लेबाज - अभिषेक नायर

मुम्बई। भारतीय टीम के पूर्व सहायक कोच रहे अभिषेक नायर ने कहा है कि आईसीसी पुरुष टी20 विश्वकप में अब तक टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाजों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। अभिषेक के अनुसार सुपर 8 स्तर में सलामी जोड़ी संघर्ष करती दिखी है। वहीं पावरप्ले में ऑफ-स्पिनरों के खिलाफ बल्लेबाज सहज नहीं दिखे। अब तक केवल। ईशान किशन ही रन बनाने में सफल रहे हैं। ईशान ने 5 मैचों में 35.20 के औसत से 176 रन बनाए हैं। वहीं बल्लेबाज अभिषेक शर्मा अब तक असफल रहे हैं। वह चार मैचों में से तीन में खाता भी नहीं खोल पाये। वहीं चौथे मैच में उन्होंने 15 रन बनाए हैं।

शास्त्री ने टीम को सही रणनीति और संयोजन से उतरने की सलाह दी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का कहना है कि अब टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर-8 में मिली करारी हार से सबक लेते हुए आगे के मैचों में सही संयोजन से उतरना होगा। इस मैच में मिली हार के बाद प्रबंधन के कई फैसलों पर भी सवाल उठे हैं। ऐसे में अब टीम के ऊपर बचे हुए दोनो मैचों को बड़े अंतर से जीतने का दबाब है। शास्त्री का कहना है कि अब टीम को अपने संयोजन पर फिर से विचार करना होगा।

शास्त्री ने कहा, आप लगातार 12 मैच जीतते हैं, तो एक खराब दिन आना तय है। शायद यही वह बदलाव है जिसकी भारत को जरूरत थी। यह टीम को अपनी रणनीति और संयोजन पर फिर से सोचने के लिए मजबूर कर सकता है। इस हार से उन्होंने यह सीख लिया होगा कि अब चीजों को हल्के में नहीं लिया जा सकता है क्योंकि सुपर 8 में अगर एक और मैच हारते हैं तो बाहर हो जाएंगे।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अक्षर पटेल की जगह पर टीम ने वाशिंगटन सुंदर को अवसर दिया पर सुंदर असफल रहे। अब अक्षर को वापस टीम में लाने की मांग बढ़ रही है। वहीं शास्त्री चाहते हैं कि सुंदर को भी टीम से बाहर न किया जाए। उन्होंने कहा, ऽमुझे लगता है कि उन्हें अक्षर को वापस लाना चाहिए। आपको उनका अनुभव चाहिए। मैं कहूंगा कि दोनों को खिलाएं। स्वयं को एक अतिरिक्त विकल्प दें। किसी भी दिन एक गेंदबाज का खराब दिन हो सकता है, जैसे रविवार को वरुण चक्रवर्ती का हुआ था। वह अपने सर्वश्रेष्ठ पर नहीं थे और इसका नुकसान टीम को हुआ। अगर अक्षर पटेल खेल रहे हैं, तो वह नंबर 8 पर बल्लेबाजी कर सकते हैं।

भारतीय टीम को सेमीफाइनल की उम्मीदें बनाने जिम्बाब्वे को 60 रनों के अंतर या 12 ओवर में हराना होगा

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप सुपर 8 के अपने दूसरे मैच में गुरुवार को जिम्बाब्वे से खेलेगी। भारतीय टीम को पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका से करारी हार मिली थी। ऐसे में अब उसे सेमीफाइनल की संभावनाएं बनाये रखने के लिए जिम्बाब्वे को बड़े अंतर से हराना होगा। दक्षिण अफ्रीका से मिली 76 रनों की हार के साथ ही भारतीय टीम का नेट रन रेट काफी कम हो गया है। जिसे सुधारने के लिए उसे काफी अंतर से बचे हुए दोनो मुकाबलों में जीत हासिल करनी होगी। इसके लिए उसे जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए 190 से ज्यादा रन बनाने के बाद जिम्बाब्वे को 130 रनों के अंदर समेटना होगा क्योंकि भारतीय टीम को कम से कम 60 से ज्यादा रनों से जीत चाहिये।

इटली में महिला क्रिकेटर के यौन शोषण का मामला सामने आया, आरोपी अधिकारी निलंबित

रोम। इटली में एक महिला क्रिकेटर के यौन शोषण के आरोपों के बाद क्रिकेट बोर्ड से जुड़े एक अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है। महिला क्रिकेटर के आरोपों के बाद ऑर्डिनेटर प्रबाथ एक्नेलिगोडा को क्रिकेट फेडरेशन ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। फेडरेशन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि इस मामले की जांच फेडरल प्रॉसिक्यूटर करेगा। यौन शोषण का ये मामला पिछले साल का बताया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक फेडरेशन ने कहा, साल 2025 के दौरान फेडरेशन की अध्यक्ष ने एथलीट्स और इससे जुड़े दूसरे पक्षों की पूर्ण सुरक्षा की अपनी जिम्मेदारियों का पालन करते हुए आरोपी अधिकारी को हर तरह की फेडरल से बाहर किये जाने का आदेश दिया है।बोर्ड ने अपने बयान में कहा कि हालातों का पूरी तरह से आंकलन अभी नहीं किया गया है। निलंबन का फैसला इसलि लिया गया है जिससे गैरजरुरी अटकलों पर रोक लगे और खेल का वातावरण साफ बना रहे।

इंग्लैंड सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनी, बचे हुए तीन स्थानों के लिए सात टीमों में मुकाबला

कोलंबो। पाकिस्तान के खिलाफ सुपर-आठ मुकाबले में जीत के साथ ही इंग्लैंड की टीम टी20 विश्व कप 2026 सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। इंग्लैंड ने इससे पहले हुए सुपर-आठ मुकाबले में श्रीलंका को हराया। अपने दूसरे सुपर-8 मुकाबले में कप्तान हैरी ब्रूक की शानदार शतकीय पारी से इंग्लैंड ने पाकिस्तान को दो विकेट से हरा दिया। इस मैच पहले बल्लेबाजी करते हुए पाक टीम ने 164 रन बनाये और इंग्लैंड को जीत के लिए 165 रनों का लक्ष्य दिया। जिसे इंग्लैंड टीम ने कप्तान हैरी के शतक से 2 विकेट रहते हासिल कर लिया। हैरी टी20 विश्व कप के इतिहास में शतक लगाने वाले इंग्लैंड के पहले खिलाड़ी हैं। अब सेमीफाइनल के बचे अब तीन स्थानों के लिए कुल 7 दावेदारों के बीच मुकाबला है। सुपर-8 में शामिल अभी कोई टीम से टूर्नामेंट से बाहर नहीं हुई है।

पाकिस्तान - इंग्लैंड से हार के बाद भी पाक टीम अभी तक सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर नहीं हुई है। पाक का अंतिम मैच श्रीलंका से है। अगर पाकिस्तान वह मैच जीतता है और न्यूजीलैंड की टीम अपने अगले दोनों मैच हारती है तो पाक टीम सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। वहीं अगर इंग्लैंड टीम एक भी मैच जीतती है तो तब फैसला नेट रन रेट के आधार पर होगा।

भारत- भारतीय टीम की स्थित सबसे कठिन है। पहले सुपर-8 मैच में दक्षिण अफ्रीका से मिली 76 रनों से हार के कारण भारतीय टीम का नेट रन रेट निगेटिव में है। ऐसे में उसे अपने दोनो बचे हुए मैच बड़े अंतर से जीतने के साथ ही अन्य मैचों के परिणामों पर भी नजर रखनी होगी।

श्रीलंका - मेजबान श्रीलंका को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए सबसे पहले अपने बचे दो मुकाबले न्यूजीलैंड और पाकिस्तान से अच्छे अंतर से जीतने होंगे। खिलाफ जीतने होंगे। अगर श्रीलंका ऐसा करता है तो उनके अधिकतम 4 अंक होंगे। ऐसे में उन्हें प्रार्थना करनी होगी कि कीवी टीम सुपर-8 में एक मैच हारे जिससे उसके अंक 3 से आगे न हों। ऐसे में श्रीलंका सेमीफाइनल में पहुंच सकती है।

न्यूजीलैंड - न्यूजीलैंड का सुपर-8 में अगले दो मैच श्रीलंका और इंग्लैंड के खिलाफ खेलने है। अगर न्यूजीलैंड इन दोनों मैचों में जीत दर्ज करता है तो उन्हें सेमीफाइनल में पहुंचने से कोई नहीं रोक सकता। कीवी टीम का पहला मुकाबला पाक से था जो बारिश के कारण नहीं हुआ था। जिससे उसके पास अभी एक अंक है। ।

दक्षिण अफ्रीका- भारत से पहला मैच जीतकर उसके दो अंक हैं और नेट रनरेट भी काफी अच्छा है। ऐसे हराकर दक्षिण अफ्रीका की टीम अपने बचे हुए दोनो ही मैच वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे से जीतती है तो आसानी से सेमीफाइनल में पहुंच सकती है पर एक भी मैच हारने पर फैसला नेट रन रेट से होगा।

वेस्टइंडीज- वेस्टइंडीज ने जिम्बाब्वे से पहला मैच जीत लिया है। अब उन्हें सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए बचे दोनों मैच जीतने होंगे। इसमें अगर वेस्टइंडीज एक मैच हारती है तो फैसला नेट रन रेट से होगा।

जिम्बाब्वे- सिकंदर रजा की टीम भी अभी तक पूरी तरह से टूर्नामेंट से बाहर नहीं हुई है। उनके बचे दो कठिन मुकाबले भारत और दक्षिण अफ्रीका से है। उसे सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए पहले ये दोनों मैच जीतने होंगे, फिर नेट रन रेट के आधार पर उन्हें नॉकआउट में प्रवेश मिलेगा।

ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और इंग्लैंड के साथ खेलेगी दक्षिण अफ्रीकी टीम - सीएसए

प्रिटोरिया । क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने कहा है कि उनकी टीम आने वाले समय में ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और इंग्लैंड के साथ टेस्ट और सीमित ओवरों की सीरीज खेलेगी। इसी का कार्यक्रम उसने जारी किया है। सीएसए के अनुसार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 24 से 30 सितंबर के बीच किंग्समीड स्टेडियम से शुरू होगी। वहीं इसके बाद टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीसी) के लिए तीन टेस्ट मैच खेलेगी। ये मैच नौ अक्टूबर से डरबन में खेले जाएंगे। इसके बाद गकेबरहा में 18 अक्टूबर से और न्यूलैंड्स में 27 अक्टूबर से तीसरा टेस्ट खेला जाएगा। इसके बाद बांग्लादेश से दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इसका पहला मैच 15 से 19 नवंबर तक वांडरर्स स्टेडियम में होगा, जबकि दूसरे मैच 23 से 27 नवंबर तक सेंचूरियन में खेला जाएगा।

वहीं इसके बाद 1 से 7 दिसंबर के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेली जाएगी। इसके अलावा 10 से 13 दिसंबर के बीच टी-20 मुकाबले किम्बरली, बेनोनी और सेंचुरियन में खेले जाएंगे। इसके बाद इंग्लैंड के साथ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज 17 दिसंबर से वांडरर्स स्टेडियम में शुरू होगी। इसके बाद में पारंपरिक बॉक्सिंग डे टेस्ट और न्यूलैंड्स क्रिकेट ग्राउंड में नए साल का टेस्ट होगा। दक्षिण अफ्रीका का घरेलू सीजन 10 जनवरी से इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के साथ समाप्त होगा। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कार्यकारी अधिकारी फोलेत्सी मोसेकी ने कहा, हम इन तीनों टीमों के साथ खेलने को लेकर उत्साहित हैं। इससे हमारी टीम और बेहतर होकर उभरेगी।

तिलक को कोहली जैसी भूमिका निभानी चाहिये - कैफ

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने बल्लेबाज तिलक वर्मा से कहा है कि वह विराट कोहली की तरह पारी को संवारने की भूमिका निभाएं। कैफ का मानना है कि तिलक को तेजी से खेलने की जगह अपना स्वाभाविक खेल खेलना चाहिये। वहीं टीम प्रबंधन को भी ये स्पष्ट रूप से बताना चाहिए कि उनकी भूमिका कैसी होगी है। कैफ ने कहा कि हर टीम को एक ऐसे बल्लेबाज की जरूरत होती है जो पारी को संभाले और अंत तक लेकर जाए। उनका मानना है कि तिलक में वह क्षमता है और उन्हें उसी जिम्मेदारी पर ध्यान देनी की बात कही जानी चाहिए। एशिया कप में शानदार प्रदर्शन कर भारतीय टीम को जीत दिलाकर तिलक ने दिखाया था कि वह दबाव में लंबी पारी खेल सकते हैं पर टी20 विश्वकप में अपने कमजोर प्रदर्शन के कारण वह आलोचकों के निशाने पर हैं। तिलक इस बार पांच मैचों में 118 के स्ट्राइक रेट से 107 रन ही बना पाये है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर-8 मैच में तेजी से खेलने के प्रयास में उन्होंने शुरुआत में ही विकेट गंवा दिया। इसी को देखते हुए क ै फ का मानना है कि उन्हें आ क्र ा म क रुख अपनाने की जरुरत नहीं है। इसके लिए टीम में कई अन्य बल्लेबाज हैं। कैफ ने तिलक को विराट की भूमिका अपनाने की सलाह दी। कोहली टी20 क्रिकेट में आम तौर पर एक छोर संभले रहते थे। वह पारी को संभलते हुए जरूरत पड़ने पर शॉट भी लगा देते थे। तिलक अगर इसी भूमिका पर बरकरार रहते हैं, तो वे टीम के लिए अधिक उपयोगी साबित हो सकते हैं। स्ट्राइक रेट का दबाव हर खिलाड़ी पर होता है, लेकिन अपनी शैली से समझौता करना हमेशा सही रणनीति नहीं होती।कैफ के अनुसार, अगर पूरी टीम ही आक्रमाक तेज खेलने की कोशिश करेगी तो विकेट जल्दी गिर सकते हैं। इसलिए संतुलन बनाना जरूरी है।

कार्यालय जनपद पंचायत बालाघाट, जिला-बालाघाट (म.प्र.)

क्रमांक/952/मु.मं.क.वि.यो./ज.पं./2025-2026 बालाघाट,दिनांक 23-02-2026

निविदा आमंत्रण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि जनपद पंचायत बालाघाट द्वारा सामुहिक विवाह समारोह दिनांक 19/03/2026 कार्यस्थल ग्राम पंचायत हटटा में डेकोरेशन-साऊण्ड एवं भोजन व्यवस्था किये जाने हेतु पंजीकृत ठेकेदारों/सेवाप्रदाताओं एवं संविदाकारों से वेबसाईट **www.mptenders.gov.in** पर ऑनलाईन निविदाएं दिनांक 25/02/2026 सायं 05.30 बजे से 14/03/2026 सायं 05.30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदाएं दिनांक 16/03/2026 को अपरांह 12.00 बजे कार्यालय जनपद पंचायत बालाघाट में खोली जायेगी।

क्र.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	सामग्री का विवरण	रेट	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मुल्य	निविदाकार की श्रेणी	कार्य की अवधि
01	-	डेकोरेशन-साऊण्ड व्यवस्था	-	2.50 लाख	40.00 हजार	2000	निर्माता/अधिकृत/विक्रेता/सेवा प्रदाता	01 वर्ष
02	-	भोजन थाली(चावल,दाल, सीजनल सब्जी एवं जलेबी) भरपेट भोजन	-	2.00 लाख	40.00 हजार	2000	निर्माता/अधिकृत/विक्रेता/सेवा प्रदाता	01 वर्ष

नोट-निविदा से संबंधित समस्त जानकरी एवं निविदा की शर्ते ऑनलाईन पोर्टल पर देखी जा सकती है एवं निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन केवल उक्त वेबसाईट पर देखा जा सकता है, पृथक से समाचार सूत्र में प्रकाशित नहीं किया जावेगा।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत बालाघाट
बालाघाट, दिनांक 23/02/2026

शिखर धवन को राहत, फैमिली कोर्ट ने कहा पूर्व पत्नी 5.7 करोड़ रुपये क्रिकेटर को लौटाये

नई दिल्ली । दिल्ली की फैमिली कोर्ट से पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन को बड़ी राहत मिली है। पटियाला हाउस कोर्ट ने धवन की पूर्व पत्नी आयशा मुखर्जी को 8,94,397 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर करीब 5.7 करोड़ रुपये इस क्रिकेटर को लौटाने का आदेश दिया है, ये रकम उन्हें ऑस्ट्रेलिया में अंतरिम प्रॉपर्टी सेटलमेंट के तहत धवन से मिली थी। गौरतलब है कि धवन और आयशा का साल 2023 में तलाक हुआ था। तब से धवन सेटलमेंट राशि वापस पाने के लिए कानूनी लड़ाई कर रहे थे। आयशा ऑस्ट्रेलिया की नागरिक हैं ओर ऑस्ट्रेलियाई फैमिली कोर्ट के आदेश के बाद सेटलमेंट राशि उन्हें मिली थी।

पटियाला हाउस कोर्ट ने फाइनेंशियल सेटलमेंट के सभी दस्तावेज अमान्य किये कोर्ट ने पूर्व पत्नी आयशा को यह भी निर्देश दिया कि जब से धवन ने केस किया है, तब से वह रकम पर 9 फीदसी सालाना ब्याज भी उन्हें लौटायें। कोर्ट ने फैसला सुनाया कि ऑस्ट्रेलियाई कोर्ट को धवन और उनकी पूर्व पत्नी के बीच शादी के झगड़ों पर सुनवाई करने का अधिकार नहीं है क्योंकि वहां का कानून भारत से अलग है। कोर्ट ने आयशा को ऑस्ट्रेलियाई कोर्ट द्वारा दिए गए आदेश को लागू करने से रोक दिया।

गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलियाई कोर्ट ने धवन को अपनी संपत्ति बेचकर आयशा को पैसे देने का आदेश दिया था। ऑस्ट्रेलिया में पति-पत्नी की संपत्तियों को मैरिटल पूल माना जाता है। हालांकि, दिल्ली कोर्ट ने कहा कि भारत में ऐसा सिस्टम नहीं है। शादी भारतीय कानून के तहत हुई तो इसके ऑस्ट्रेलियाई कानून लागू नहीं हो सकता। धवन और आयशा ने साल 2012 में शादी की थी।

आईपीएल के कारण टी20 क्रिकेट का बेहतर खिलाड़ी बना हूं - एनगिडी

मुम्बई। दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) खेलने का लाभ उन्हें मिला है। एनगिडी के अनुसार आईपीएल में मिले अनुभवों से ही उनकी गेंदबाजी बेहतर हुई है। इस तेज गेंदबाज के अनुसार टी20 अंतरराष्ट्रीय नहीं बल्कि आईपीएल के कारण उनका गेंदबाजी कौशल बेहतर हुआ है। वह 2018 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ जुड़े थे और इस दौरान उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने एपस्टीन फाइल्स और इजराइल दौरे को लेकर पीएम मोदी को घेरा

-जैफरी ने बना दी जोड़ी वाले पोस्टर को लगाया और किए गंभीर सवाल -हर्षदीप पुरी की बैठकें और ईमेल पर स्पष्टता व जवाबदेही की मांग

नई दिल्ली। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री हरदीप पुरी, जेफ्री एपस्टीन, अनिल अंबानी और इजराइल के संबंधों का खुलासा करते हुए ई-मेल में जिन बातों का उल्लेख है उसका खुलासा भी किया। इजराइल और अमेरिका के साथ जो डील भारत की हो रही थी उसमें एपस्टीन के मेल से उन सब बातों का खुलासा हो गया है। इसके बाद भी पीएम मोदी इजराइल यात्रा पर हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने बुधवार को पत्रकारों के समक्ष अमेरिका से जारी 'एपस्टीन फाइल्स' के खुलासों पर जहां गहरी चिंता व्यक्त की वहीं उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इजराइल यात्रा को लेकर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने एपस्टीन फाइल्स में आए नामों और बातचीत में पीएम मोदी समेत उच्च स्तरीय नेताओं एवं मंत्रियों के नाम आने के मामले में पूरी स्पष्टता और जवाबदेही की मांग की। उन्होंने कहा कि यह मामला केवल अमेरिका तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत जैसे लोकतांत्रिक देश की छवि पर भी विपरीत असर पड़ रहा है।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने पत्रकार वार्ता में जैफरी ने बना दी जोड़ी पोस्टर लगाकर पीएम मोदी को घेरा और उठ रहे सवालों के जवाब देने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अभी तक इस मामले पर संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाई है कि आखिर किस संदर्भ में नेताओं के नाम जुड़े हैं और क्या ईमेल व बैठकों का आदान-प्रदान केवल औपचारिक/डिप्लोमैटिक संपर्क था या इसके पीछे कोई गोपनीय उद्देश्य था।

हर्षदीप पुरी के कथित मेल और बैठकों पर सवाल

पवन खेड़ा ने कहा कि यूएस

डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस से जारी फाइल्स के अनुसार केंद्रीय मंत्री हर्षदीप पुरी और जेफरी एपस्टीन के बीच 2014 से 2017 के बीच 62 ईमेल और 14 बैठकें दर्ज हैं। उन्होंने सरकार से सवाल किया, कि इन बैठकों और ईमेल का संदर्भ और उद्देश्य क्या था?

क्या यह केवल औपचारिक / संक्षिप्त बातचीत थी? क्या मंत्रालय या सरकारी कर्तव्यों से जुड़ा कोई तय कार्यक्रम था या अन्य किसी उद्देश्य के लिए मुलाकातें हुईं? पवन खेड़ा ने कहा, कि केवल ईमेल या संदेश का उल्लेख करना पर्याप्त नहीं है और स्पष्ट स्पष्टीकरण देना सरकार की जवाबदेही है।

आलोकित मुद्दों पर जवाबदेही की मांग

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने जोर देकर कहा, कि अगर बैठकें और ईमेल सरकारी कामकाज से संबंधित थीं, तो सरकार को स्पष्ट दस्तावेज और तर्क पेश करने चाहिए। अगर यह केवल क्लाइंट-प्रोफेशनल संबंध था, तो इसका कारण भी जनता के सामने स्पष्ट होना चाहिए। समय, तारीख, संदर्भ और बातचीत का सारांश जनता के सामने रखा जाना चाहिए। खेड़ा ने यह भी कहा कि मौजूदा स्थिति में केवल घोषणाओं और अनिश्चित बयानों से कोई संतोषजनक निष्कर्ष नहीं निकल रहा है।

राजनीतिक आलोचना और इस्तीफे की मांग

उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से सवाल किया कि क्या वे इस पूरे मामले में स्पष्टता लाएंगे और क्या जनता को आयोग या न्यायप्रस्ताव के माध्यम से जवाब मिल पाएगा। पवन खेड़ा ने कहा कि कांग्रेस का रुख स्पष्ट है कि यदि किसी मंत्री की भूमिका संदिग्ध या अनधिकृत रही, तो उन्हें पद से इस्तीफा देना चाहिए, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और जवाबदेही को मजबूती मिले।

संजीवनी 108 की तत्परता से तेंदुए के हमले में घायल व्यक्ति की बची जान

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। जिले में संजीवनी आपातकालीन सेवा 108 की त्वरित कार्रवाई से एक गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को समय पर उपचार मिल सका। जानकारी के अनुसार कटंगी तहसील के ग्राम बिसापुर निवासी दिनेश उर्फ दिनेश पिता दिलीप उयके को 25 फरवरी की रात्रि लगभग 7 बजे तेंदुए के हमले में गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

घटना की सूचना मिलते ही संजीवनी 108 की एंबुलेंस तत्काल मौके पर पहुंची और घायल को प्राथमिक उपचार देते हुए शीघ्र ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटंगी ले जाया गया। वहां डॉ. गौरी शंकर पटले द्वारा घायल का प्राथमिक उपचार किया गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए उन्हें जिला चिकित्सालय बालाघाट रेफर कर दिया।

संजीवनी 108 की तत्परता और चिकित्सा टीम की मुस्तैदी से घायल को समय पर उपचार उपलब्ध हो सका। स्थानीय नागरिकों ने आपातकालीन सेवा की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी त्वरित व्यवस्था से ग्रामीण क्षेत्रों में भी गंभीर परिस्थितियों में मरीजों की जान बचाना संभव हो पा रहा है।

प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वन क्षेत्र के आसपास सतर्कता बरतें और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत 108 सेवा का लाभ लें।

पीजी कॉलेज बालाघाट में दो दिवसीय जनजातीय उत्सव संपन्न

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में पी.एफ.सी. एवं भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में 24 एवं 25 फरवरी 2026 को दो दिवसीय जनजातीय उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को जनजातीय समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से अवगत कराना तथा स्वरोजगार एवं कौशल विकास के प्रति प्रेरित करना रहा।

उत्सव के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा मिलेट्स (श्री अन्न) से निर्मित विभिन्न व्यंजन जैसे इडली, चाकोली, लड्डू, बिस्किट, केक, नानखटाई, सूप एवं पेज आदि तैयार कर स्टॉल लगाकर विक्रय किए गए। इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों में उद्यमिता, स्वरोजगार एवं व्यावहारिक कौशल विकसित करने की भावना को प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम के दौरान निबंध, पेंटिंग, रंगोली एवं फैंसी ड्रेस प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

यह आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के मार्गदर्शन एवं पी.एफ.सी. प्रभारी डॉ. सीमा श्रीवास्तव के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में डॉ. प्रवीण कुमार श्रीवास्तव, डॉ. कंचन मसराम, डॉ. रचना कोरी, डॉ. आशा गोहे, प्रो. चित्रमाला भीमटे, प्रो. नाजली कुरैशी, डॉ. अल्का हिरकने एवं कु. प्रियांषु गौतम का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की गई। परिषद की प्रभारी श्रीमती बैजंती कटरे, श्री विजय सूर्यवंशी एवं अन्य मेंटर्स ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उठाया सवाल... 247 से अधिक विदेशी यात्राएं राहुल गांधी ने क्यों की

नेहरू ने भारत के अधिकार को चीन को सौंप दिया

पटना। बिहार की राजधानी पटना में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने नेहरू-गांधी परिवार पर गंभीर आरोप लगा दिए है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन ने कहा कि यह समझौता मिशन की कहानी है, जिसमें देश के हितों से समझौता कर परिवार के हितों को प्राथमिकता दी गई। नवीन ने कहा कि एक वक्त जवाहरलाल नेहरू ने कहा था कि 45 करोड़ लोग उनके लिए एक जिम्मेदारी हैं। उन्होंने कहा, 1954 में किस प्रकार नेहरू ने बिना किसी रिवॉर्ड के तिब्बत में भारत के अधिकार को चीन को सौंप दिया। इतना ही नहीं उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी पर रक्षा सौदों के जरिए निजी बैंक खाते भरने के आरोप लगाए। नवीन ने राजीव गांधी के कार्यकाल का जिक्र कर कहा कि तब रक्षा सेवाओं का उपयोग निजी वित्तीय हितों को मजबूत करने के लिए हुआ। नितिन नवीन ने राहुल गांधी को विदेशी शक्तियों की कठपुतली करार देकर कहा कि कांग्रेस का चुनावी इतिहास सीआईए की फंडिंग से दागदार रहा है।

बीजेपी अध्यक्ष नवीन ने सोनिया गांधी के राजनीतिक जीवन पर भी सवाल उठते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 2004 से 2014 के बीच राष्ट्रीय सलाहकार परिषद

के माध्यम से उन्होंने सुपर प्रधानमंत्री की तरह काम किया और मनमोहन सरकार के साथ एक समानांतर सरकार चलाई। उन्होंने दावा किया कि इसी अवधि में राजीव गांधी फाउंडेशन को चीनी सरकार और निवेशक जॉर्ज सोरोस के नेटवर्क से बड़ी फंडिंग मिली।

राहुल गांधी को लेकर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि उन्हें नकारात्मक राजनीति का चेहरा माना जाता है। उनके अनुसार राहुल गांधी ने 247 से अधिक विदेशी यात्राएं कीं, जिसमें से कई में सुरक्षा एजेंसियों को जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने सवाल उठाया कि इन यात्राओं के पीछे क्या उद्देश्य था। उन्होंने आरोप लगाया कि विदेशी नेताओं, जैसे इल्हान ओमर और जॉर्ज सोरोस से मुलाकातें भी इसी संदर्भ में देखी जानी चाहिए।

नितिन नवीन ने कहा कि आज हमारे देश का युवा सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहता है और यदि किसी भी तरह से उन्हें गुमराह करने की कोशिश होती है, तब यह पूरे समाज के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने दावा किया कि जनता अब इस तथाकथित समझौता मिशन को समझ चुकी है और देशहित को सर्वोपरि मानती है। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि राष्ट्रहित के मुद्दों पर जनता सजग है और भविष्य में वही नेतृत्व स्वीकार करेगी जो देश के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देता हो।

कांग्रेस पार्टी अपने युवा निडर सिपाहियों के साथ खड़ी - प्रियंका गांधी वाड्रा

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में पुलिस द्वारा इंडियन यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब की गिरफ्तारी को कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने शर्मनाक करार दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने युवा निडर सिपाहियों के साथ खड़ी है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने पोस्ट कर लिखा कि सत्य के लिए शांतिपूर्ण एवं अहिंसक प्रतिरोध हमारी गौरवशाली विरासत है जो हमें महात्मा गांधी और लाखों-करोड़ों भारतीय पूर्वजों से मिली है। दुनिया भर के दबाव में झुककर, भारत के हितों से समझौता करने वाली केंद्र सरकार के खिलाफ आवाज उठाने में 140 करोड़ भारतवासियों का हित है। जनता की आवाज उठाने के लिए युवा कांग्रेस के साथियों पर कार्रवाई अत्यंत निंदनीय एवं शर्मनाक है। दरअसल यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिब की गिरफ्तारी पर कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने नाराजगी जाहिर की है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि जो लोग जनता के लिए आंदोलन कर रहे हैं, जो आम लोगों की आवाज उठा रहे हैं, जो किसानों की आवाज उठा रहे हैं, केंद्र सरकार उनकी बात नहीं सुन रही है। कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि अगर सरकार का विरोध करना जुर्म है, तब कांग्रेस का हर व्यक्ति यह जुर्म बार-बार करेगा।

यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष की मां रजनीबाला ने कहा कि चिब को सोमवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने प्रदर्शन को साजिश बताया, लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा है कि देश में विरोध करना कब से साजिश होने लगा। संविधान में हमें हक दिया गया है कि अगर सरकार कोई गलत काम करे, तब आवाज बुलंद करें। रजनीबाला ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास रहा है कि लोग 10-10 साल तक जेल में रहे। कांग्रेस नेताओं की बड़ी कुर्बानियों के बाद देश को आजादी मिली है।

कांग्रेस पार्टी को नए खून और नई सोच की जरूरत है- शिवकुमार

बेंगलुरु। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने मंत्रिमंडल में नए खून को शामिल करने का समर्थन करते हुए कहा है कि पुरानी पीढ़ी हमेशा नहीं रह सकती और पार्टी के भविष्य के लिए नई सोच जरूरी है। शिवकुमार ने मंगलवार को पहली बार विधायक बने नेताओं को मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व देने की मांग का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि पार्टी को नए खून और नई सोच की जरूरत है। मैं नए खून का समर्थन करता हूं। पहली बार निर्वाचित हुए विधायकों द्वारा संभावित मंत्रिमंडल विस्तार के दौरान प्रतिनिधित्व की मांग को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत वरिष्ठ नेताओं को लिखे गए पत्र के संदर्भ में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए शिवकुमार ने यह बात कही।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस आलाकमान और सीएम सिद्धरमैया और डिप्टी सीएम शिवकुमार समेत प्रदेश नेतृत्व को एक संयुक्त ज्ञापन में विधायकों ने आग्रह किया है कि कम से कम पांच नवनिर्वाचित विधायकों को मंत्री पद दिया जाए। विधायकों ने अपने पत्र में कहा कि जैसा कि आप जानते हैं, कर्नाटक की जनता ने पहली बार कांग्रेस पार्टी से विधानसभा के लिए 38 सदस्यों को चुना है और इस तरह एक स्पष्ट संदेश दिया है कि वे विधानसभा में नए युवा चेहरों को देखना चाहते हैं। दलित सीएम होने संबंधी मुद्दे पर अपने मंत्रिमंडल सहयोगी एच सी महादेवप्पा को टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवकुमार ने कहा कि उन्हें राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि मैंने महादेवप्पा का बयान सुना। वह हमारे आलाकमान हैं और शायद उन्हें इस बारे में कुछ जानकारी हो। मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। जब उनसे पूछा गया कि क्या पार्टी आलाकमान ने उन्हें और सीएम सिद्धरमैया को दिल्ली बुलाया है, तो उन्होंने साफ किया कि मुझे कोई फोन नहीं आया। मुझे अपने विभाग से संबंधित कुछ काम के लिए दिल्ली जाना है। मंत्रियों के बयानों पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में अपनी चुप्पी की आलोचना पर शिवकुमार ने कहा, मंत्रियों और विधायकों को नियंत्रित करना सीएम का काम है। मैं तो पार्टी को इसकी जानकारी देने का काम कर रहा हूं।

शेख हसीना की दहाड़ कहा- जल्द बांग्लादेश लौटेंगे और सड़कों पर संघर्ष भी करेंगे

नई दिल्ली। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने महीनों की खामोशी के बाद एक ऐसा कदम उठाया है जिसने ढाका के सियासी गलियारों में हलचल तेज कर दी है। जुलाई 2024 के तख्तापलट और हिंसक विद्रोह के बाद भारत में शरण लेने वाली शेख हसीना ने अब अपने वतन लौटने की तैयारी का स्पष्ट संकेत दे दिया है। दिल्ली से अपनी पार्टी, आवामी लीग के नेताओं के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संवाद करते हुए उन्होंने कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से मानसिक और शारीरिक रूप से संघर्ष के लिए तैयार रहने को कहा है। उन्होंने दो-टूक शब्दों में कहा, बोरिया-बिस्तर बांध लो, अब देश लौटने और मैदान में उतरने का वक्त आ गया है। शेख हसीना का यह बयान ऐसे समय में आया है जब बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने उन पर कई गंभीर मुकदमे दर्ज किए हैं और उनकी पार्टी पर कई तरह की पाबंदियां लगा दी गई हैं। दिल्ली में हुई इस महत्वपूर्ण बैठक के दौरान हसीना ने न केवल अपनी वापसी का संकल्प दोहराया, बल्कि मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार की वैधता पर भी गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने अपनी पार्टी पर लगाए गए प्रतिबंधों को पूरी तरह अवैध करार देते हुए कहा कि जो सरकार खुद गैर-कानूनी तरीके से सत्ता में आई है, उसके आदेशों का कोई संवैधानिक महत्व नहीं है।

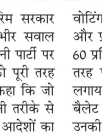

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि आवामी लीग पर से प्रतिबंध नहीं हटाया गया, तो पार्टी अपनी रणनीति खुद तय करेगी और कड़े कदम उठाएगी।

पूर्व प्रधानमंत्री ने हाल ही में बांग्लादेश में संपन्न हुए चुनावों को सिरे से खारिज करते हुए इसे एक मजाक करार दिया। उन्होंने दावा किया कि जनता ने बड़े पैमाने पर वोटिंग का बहिष्कार किया था और प्रशासन द्वारा जारी किए गए 60 प्रतिशत मतदान के आंकड़े पूरी तरह फर्जी हैं। हसीना ने आरोप लगाया कि चुनाव से पहले ही बैलेट बॉक्स भर दिए गए थे ताकि उनकी पार्टी को सत्ता से बाहर रखा जा सके। उन्होंने सीधे तौर पर तारिक रहमान के प्रभाव वाली व्यवस्था को चुनौती देते हुए कहा कि आवामी लीग के साथ घोर नाइंसाफी हुई है। शेख हसीना के इस कड़े रुख ने ढाका की अंतरिम सरकार और विपक्षी दलों की चिंता बढ़ा दी है। उनके समर्थकों के लिए यह बयान एक संजीवनी की तरह देखा जा रहा है, वहीं विरोधियों का मानना है कि उनकी वापसी से देश में फिर से अस्थिरता पैदा हो सकती है। शेख हसीना ने अपने संबोधन के अंत में कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे एकजुट होकर सड़कों पर उतरें और लोकतंत्र की बहाली के लिए संघर्ष करें। अब देखना यह है कि इस एलान के बाद बांग्लादेश की अंतरिम सरकार क्या कूटनीतिक और कानूनी कदम उठाती है।

45 साल से पारिवारिक पेंशन के लिए महिला लगा रही चक्कर, कोर्ट ने अफसरों को लगाई फटकार

प्रयागराज। एक महिला के पारिवारिक पेंशन के लिए 45 साल तक दफ्तरों के चक्कर लगाने के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गंभीरता से लेते हुए कानपुर नगर निगम के अधिकारियों को फटकार लगाई। हाईकोर्ट ने एक सप्ताह में इस मामले का निराकरण करने का आदेश दिया है। याची मंजू राय की ओर से दाखिल याचिका की सुनवाई जस्टिस विक्रम डी चौहान की सिंगल बेंच में हुई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दरअसल याचिकाकर्ता महिला के पिता नगर निगम में कर्मचारी थे। वह वर्ष 1975 में सेवानिवृत्त हुए और 1980 में उनका निधन हो गया। सेवाकाल और सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें नियमित पेंशन मिलती रही, लेकिन उनकी मृत्यु के बाद जब परिवार ने पारिवारिक पेंशन के लिए प्रार्थना पत्र दिया तो विभाग ने फाइलों में अड़ंगा लगा दिया। विवाद का कारण नाम की स्पेलिंग में त्रुटि थी। विभागीय सर्विस रिकॉर्ड में याची के पिता का नाम शिखर नाथ शुक्ल दर्ज था, जबकि प्रार्थना पत्र और कुछ दस्तावेजों में शेखर नाथ शुक्ल लिखा गया था। इस कारण अंग्रेजी में लिखे नाम से 'आई' और 'ई' का अंतर आ गया। इसे आधार बनाकर विभाग ने पारिवारिक पेंशन देने से इनकार कर दिया। यह मामला 45 साल तक लटका रहा। याचिका में कहा गया कि याची के पिता के नाम की स्पेलिंग में एक अक्षर का अंतर है, इसके लिए शपथ-पत्र भी दिया है। कोर्ट ने कहा कि याची ने पहचान साबित करने के लिए हलफनामा, सक्सेशन सर्टिफिकेट और अन्य पुख्ता दस्तावेज पेश किए, जिनसे यह प्रमाणित हुआ कि दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं। इस पर कोर्ट ने एक सप्ताह के अंदर मामले का निस्तारण करने का आदेश दिया। साथ ही कहा कि आदेश का पालन न किया गया तो 26 फरवरी को अगली सुनवाई पर नगर आयुक्त को हाजिर होकर स्पष्टीकरण देना होगा।

अविमुक्तेश्वरानंद की मांग, मामले की स्पष्टता से जांच की जाए

वाराणसी। प्रयागराज में बच्चों के साथ यौन उत्पीड़न के मामले में फंसे अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्यों पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है, और अब उन्होंने अग्रिम जमानत के लिए हाई कोर्ट का रुख किया है। वहीं अविमुक्तेश्वरानंद ने अपने ऊपर लगे आरोपों और मामले की स्पष्टता से जांच की मांग की है। उन्होंने कहा है कि यूपी पुलिस पर जनता को भरोसा नहीं है। उन्होंने बताया कि अब जांच शुरू हो चुकी है। इसकारण हमारे लोगों को ज्यादा कुछ नहीं बोलना चाहिए और न ही इस किसी भी तरह से प्रभावित करने की कोशिश करनी चाहिए। इसलिए, हमारा मानना ?है कि पहले जो सवाल पूछे गए थे, हम लोगों ने उनका जवाब दिया और यहीं काफी है। अब इस बारे में ज्यादा कुछ कहने को नहीं बचा है। जांच जारी है और जैसे-जैसे यह आगे बढ़ेगी, तथ्य स्पष्ट रूप से सामने आ जाएंगे।

पुलिसवालों के साथ फोटो वायरल होने के सवाल पर उन्होंने कहा, मैंने पूछा कि फोटो कहां से मिला, तब उन्होंने बताया कि उन्हीं के अकाउंट पर पोस्ट थी। अब सवाल है कि वे एआई जनरेटेड फोटो क्यों बना रहे हैं और पुलिसवालों के साथ हमारी घनिष्ठा क्यों दिखाना चाहते हैं। ये पता लगाना चाहिए कि फोटोज आईं कहां से हैं। आशुतोष ब्रह्मचारी की नाक काटने पर 21 लाख का इनाम की घोषणा पर सफाई देकर अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि नाक क्या ही कोई काटेगा, लेकिन साधु-संतों के बीच इस लेकर आक्रोश है, जो इसतरह से निकल रहा है। हमारे धर्म में हिंसा का कोई स्थान नहीं है, और यह सिर्फ दुख और गुस्सा है, जो शब्दों के जरिए निकलकर आ रहा है। अपने ऊपर लगे आरोपों पर अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा, किसी बड़े पद पर बैठे शंकराचार्य पर इसतरह के आरोप लगाना बहुत गलत है और बड़े स्तर पर मामले की जांच होनी चाहिए ताकि सनातन धर्म के इस सर्वोच्च पद की गरिमा बनी रहे। मामले में निष्पक्ष और स्पष्टता से जांच होनी चाहिए। हमारा मानना है कि हमारी तरह से ऐसा कुछ हुआ है, वहां भी स्पष्ट हो जाना चाहिए।

डीजीसीए ने चार्टर्ड प्लेन ऑपरेटर्स पर कसा शिकंजा, मेंटेनेंस हिस्ट्री और विमान की उम्र सार्वजनिक करना अनिवार्य

नई दिल्ली। देश में चार्टर्ड विमानों की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने नॉन-शेड्यूल्ड ऑपरेटरों के लिए नियम सख्त कर दिए हैं। अब चार्टर्ड प्लेन और एयर एंबुलेंस सेवाएं देने वाली कंपनियों को अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर विमान की मेंटेनेंस हिस्ट्री और उसकी उम्र से जुड़ी पूरी जानकारी सार्वजनिक करनी होगी। नियामक ने स्पष्ट किया है कि किसी भी दुर्घटना या सुरक्षा चूक के लिए केवल पायलट को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा, बल्कि ऑपरेटर की जवाबदेही भी तय की जाएगी।

यह फैसला हाल के दिनों में दो चार्टर्ड विमानों के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटनाओं के बाद लिया गया है। झारखंड में एक चार्टर्ड विमान के क्रैश होने के बाद डीजीसीए ने मंगलवार को सभी नॉन-शेड्यूल्ड ऑपरेटरों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में सुरक्षा मानकों की समीक्षा की गई और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के उपायों पर चर्चा हुई।

डीजीसीए ने प्रस्ताव दिया है कि अब ऑपरेटरों को उनके सेफ्टी रिकॉर्ड के आधार पर रैंक किया जाएगा। यह रैंकिंग डीजीसीए की आधिकारिक वेबसाइट पर सार्वजनिक की जाएगी, ताकि यात्री और चार्टर सेवाएं लेने वाले कॉर्पोरेट या निजी ग्राहक संबंधित कंपनी का सुरक्षा इतिहास देख सकें। माना जा रहा है कि इस कदम से पारदर्शिता बढ़ेगी और ऑपरेटरों पर सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने का दबाव बनेगा।

नॉन-शेड्यूल्ड ऑपरेटर वे कंपनियां होती हैं जो नियमित समय-सारिणी के तहत कमर्शियल उड़ानें नहीं चलातीं। ये ऑपरेटर जरूरत, अनुबंध या बुकिंग के आधार पर चार्टर्ड सेवाएं प्रदान करते हैं। इनमें बिजनेस जेट, निजी विमान और एयर एंबुलेंस शामिल होते हैं। चूंकि इन सेवाओं का उपयोग अक्सर आपातकालीन या विशेष परिस्थितियों में किया जाता है, इसलिए सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन अत्यंत आवश्यक माना जाता है। नए निर्देशों के तहत ऑपरेटरों को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि विमान के रखरखाव, निरीक्षण और पार्ट्स बदलने से संबंधित सभी रिकॉर्ड अद्यतन और सत्यापित हों। किसी भी तरह की लापरवाही पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है, जिसमें लाइसेंस निलंबन या रद्द करने जैसे कदम शामिल हो सकते हैं। एविएशन विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम चार्टर्ड विमानन क्षेत्र में जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

भरवेली मरारीटोला गांव के 95 लोगों पर हुक्का पानी बंद करने का गंभीर आरोप

गरीब ग्रामीणों को अब काम धंधा छोड़ कोर्ट कचहरी करना पड़ रहा

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

गांव में शासकीय शमशान की भूमि पर किए गए अतिक्रमण की शिकायत करना ग्राम पंचायत उपसरपंच और अन्य ग्रामीणों को उस वक्त महंगा पड़ गया,जब अतिक्रमण करने वाली एक महिला ने उपसरपंच सहित गांव के 95 ग्रामीणो पर समाज से बहिष्कृत करने का झूठा आरोप लगाकर मामले की शिकायत प्रशासनिक अधिकारियों से कर दी ।मामला जिला मुख्यालय से करीब 5 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत भरवेली के मरारी टोला का बताया गया है ।जहां करीब 2 वर्ष पूर्व महिला की समाज से बहिष्कृत करने वाली झूठी शिकायत पर अब ग्रामीणों को न्यायालय के चक्कर काटने पड़ रहे हैं जहां उन्हे सुनवाई के नाम पर तारीख पर तारीख दी जा रही है और 2 वर्ष बाद भी शासकीय भूमि से अतिक्रमण नही हटाया गया है ।ऐसा आरोप लगाते हुए ग्राम पंचायत भरवेली उपसरपंच सहित अन्य ग्रामीणों ने पंचायत की शासकीय शमशान घाट की भूमि पर किए गए अतिक्रमण को चिन्हित कर शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने की गुहार लगाई है, जहां उन्होंने प्रकरण पर उनकी सुनवाई न होने,और अब तक शासकीय भूमि से अतिक्रमण न हटाने पर अपना एतराज जताते हुए कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा है ।जिसमें उन्होंने जल्द से जल्द शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाने की मांग की तो वही समाज से बहिष्कृत करने वाले झूठे मामले की जल्द से जल्द सुनवाई कर मामले में इंसाफ दिए जाने की गुहार लगाई है ।जहां ग्रामीणों ने स्पष्ट कर दिया है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और इसमें जो भी दोषी हो उसपर वैधानिक कार्रवाई की जाए ताकि जल्द से जल्द उन्हें इन प्रकरणों से छुटकारा मिल सके।

शासकीय भूमि कब्जा कर बनाया मकान, मकान बेचकर, फिर कब्जा ली दूसरी भूमि

ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव व वार्ड में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर उस पर मकान बनाया जा रहा है और कुछ दिन निवास करने के बाद उस मकान को ऊंचे दामों में बेचने के मामले बढ़ गए हैं। जहां स्थानीय निवासी एक महिला सहित अन्य लोगों द्वारा चारागाह व मरघट घाट पहुंच मार्ग पर अवैध कब्जा कर मकान का निर्माण कराया गया है ।महिला ने पहले शासकीय भूमि पर कब्जा कर उसमें मकान बनाया, फिर मकान को ऊंचे दामो में बेच दिया, मकान बेचने के बाद पुन: दूसरी शासकीय भूमि पर कब्जा कर मकान बना लिया है ।स्वयं का आवास होने के बाद भी शासकीय भूमि पर कब्जा किया गया है ।उक्त शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त किए जाने की मांग करने और अधिकारियों से अतिक्रमण की शिकायत पर ,उक्त महिला ने गांव के 95 लोगो पर समाज से बहिष्कृत करने का झूठा आरोप लगा दिया ।इस मामले में न्याय पाने हम काम धंधा छोड़कर पेशी पर आ रहे है ।ना तो अबतक हमे इस झूठे आरोप से छुटकारा मिल पाया है ।ना ही 2024 से अब तक उक्त शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाया गया है।

अतिक्रमण हटाने में रुचि नही दिखा रहे जिम्मेदार

ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव व वार्ड में शासकीय भूमि पर लोगों ने कब्जा कर मकान बना दिए हैं। वही उस मकान के आजू-बाजू वाली भूमि पर भी कच्चा पक्का अवैध निर्माण कर शासकीय भूमि हड़पी गई है ।जिससे ग्रामीणों को मवेशी चराने में दिक्कत हो रही है। तो वही मरघट पहुंचने में भी ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा शासकीय भूमि ना होने के चलते गांव में शासकीय प्रोजेक्ट भी नहीं आ पा रहे हैं। जिन्होंने संयुक्त रूप से वार्ड की शासकीय भूमि में किए गए अवैध निर्माण को यथाशीघ्र हटाए जाने की मांग की है ।तो वही समाज से बहिष्कृत करने की झूठी शिकायत करने वाले प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराकर,मामले में इंसाफ दिए जाने की गुहार लगाई है।

निष्पक्ष जांच कर दोषी पर की जाए कार्यवाही-राजेश

भरवेली उपसरपंच राजेश बाहेश्वर ने बताया कि हमारी ग्राम पंचायत के मरारी टोला में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण किया गया है ,एक महिला ने तो श्मशान घाट रास्ता भूमि पर अतिक्रमण कर मकान बनाया है और उस मकान को पहले ऊंचे दामों पर बेच दिया। फिर से नई जगह पर अतिक्रमण कर मकान बना लिया है स्वयं का मकान होने के बावजूद भी शासकीय भूमि पर अतिक्रमण किया जा रहा है जिसकी शिकायत करने पर उक्त महिला द्वारा हमें ही झूठे आरोपों में फंसा दिया गया। समाज से बहिष्कार करने का आरोप लगा दिया गया है, जबकि ऐसा कुछ भी नहीं है। वर्ष 2024 में की गई इस शिकायत पर प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा आज तक शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त नहीं कराया गया है और हम गांव के 95 लोग झूठे मामले की पेशी पर जा रहे हैं। हमारी मांग है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए यदि हम दोषी है तो हम पर कार्यवाही हो और यदि महिला दोषी है तो उसे पर वैधानिक कार्रवाई की जाए। क्योंकि पेशी पर भी तारीख पर तारीख मिल रही है हम काफी परेशान हो चुके हैं अपना काम धंधा छोड़कर, बार-बार पेशी पर जा रहे हैं। हमें इस मामले में इंसाफ चाहिए उसी की गुहार लगाने आज ज्ञापन सौपा गया है।

नई परिवहन नीति से बस संचालकों की नींद उड़ी

2 मार्च से बेमियादी हड़ताल, थम जायेंगे बसों के पहिये

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

मध्य प्रदेश में प्रस्तावित नई परिवहन नीति को लेकर विरोध तेज हो गया है। राज्य सरकार द्वारा नीति संबंधी राजपत्र जारी किए जाने के बाद अब बस संचालकों ने इसका खुलकर विरोध शुरू कर दिया है। प्रदेश स्तर के साथ-साथ जिला स्तर पर भी बस ऑपरेटरों में नाराजगी देखी जा रही है। बस संचालकों का कहना है कि सरकार द्वारा लागू की जा रही नई परिवहन नीति से निजी बस ऑपरेटरों का नियंत्रण समाप्त हो जाएगा और उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। उनका आरोप है कि नीति में किए गए प्रावधान छोटे और मध्यम स्तर के संचालकों के हितों के खिलाफ हैं, जिससे उनके व्यवसाय पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। इसी क्रम में जिला बस एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर बालाघाट कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई है कि जारी राजपत्र और नई परिवहन नीति के प्रावधानों में आवश्यक संशोधन किया जाए। बस एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है, तो आगामी 2 मार्च को प्रदेश भर के साथ जिले में भी बसों का संचालन पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा।

प्रदेश में लागू की गई नई परिवहन नीति को लेकर जिले में बस ऑपरेटरों का विरोध तेज हो गया है। बस ऑपरेटर संघ के पदाधिकारी मुकेश चौहान ने 25 फरवरी को अपने सहयोगियों के साथ कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर शासन के नाम ज्ञापन सौंपा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार द्वारा लागू की गई नई नीति से निजी बस संचालकों की स्वतन्त्रता समाप्त हो जाएगी और उन पर अतिरिक्त आर्थिक भार डाला जाएगा। सन्गठन के प्रतिनिधियों ने बताया कि प्रस्तावित व्यवस्था के तहत बसों का संचालन भले ही निजी मालिकों के नाम पर रहेगा, लेकिन उसका नियंत्रण सरकारी तंत्र और उससे संबद्ध कंपनियों के हाथों में चला जाएगा। उनका कहना है कि इससे वे स्वतंत्र व्यवसायी के बजाय केवल अनुबंध पर कार्य करने वाले संचालक बनकर रह जाएंगे। बस ऑपरेटरों ने इसे उनके पारंपरिक व्यवसाय पर सीधा आघात बताया है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि नई नीति के अंतर्गत अतिरिक्त रॉयल्टी और अन्य शुल्क लगाए जाने की बात कही जा रही है, जिससे छोटे और मध्यम स्तर के बस मालिकों की आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। श्री चौहान ने बताया कि पहले से ही डीजल, मेंटेनेंस और टैक्स की बढ़ती लागत के बीच यह नया बोझ असहनीय होगा। बस ऑपरेटर संघ ने प्रदेश स्तरीय संगठन के आह्वान पर 2 मार्च से जिले में बसों का संचालन बंद करने की चेतावनी दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि सरकार 2 मार्च से पहले जारी राजपत्र में संशोधन कर नई नीति में आवश्यक बदलाव नहीं करती है, तो जिले में बसों के पहिए पूरी तरह थाम दिए जाएंगे। संघ ने यह भी कहा कि इस निर्णय से यदि आमजन को असुविधा होती है तो उसकी जिम्मेदारी शासन की होगी। बस ऑपरेटरों ने शासन से मांग की है कि नई परिवहन नीति और मोटर व्हीकल एक्ट के संशोधनों पर पुनर्विचार किया जाए, संबंधित प्रावधानों में संशोधन किया जाए तथा हितधारकों के साथ चर्चा कर संतुलित और व्यवहारिक नीति तैयार की जाए।

कॉविड-19 के दौरान सड़क दुर्घटना में मृत बेटे के नाम पर दोहरा लाभ लेने का आरोप

50 लाख रुपए लेने के साथ ही दी गई, अनुकंपा नियुक्ति, अंगेश्वरसिह मेरावी ने की उच्च स्तरीय जांच की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर पालिका परिषद मलाजखंड क्षेत्र में आने वाले खुर्सीपार निवासी एक व्यक्ति ने अपने ही गांव के एक व्यक्ति के विरुद्ध कोरोना काल के दौरान सड़क दुर्घटना में मृत अपने बेटे के नाम पर शासन प्रशासन को गुमराह करते हुए दोहरा लाभ लेने का आरोप लगाया। अंगेश्वर सिंह मेरावी ग्राम खुर्सीपार निवासी ने इस संबंध में कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और अनुविभागी दंडाधिकारी राजस्व बैहर को शिकायत करते हुए उच्च स्तरीय जांच करने की मांग की है।

अंगेश्वरसिह मेरावी द्वारा 26 दिसम्बर 2025 को की गई इस शिकायत में उल्लेख किया गया है कि फूलसिंह पन्द्रे के पुत्र रंजीत कुमार पन्द्रे परसवाड़ा तहसील में पटवारी के पद पर पदस्थ थे। कोविड-19 के दौरान 6 मई 2020 को ग्राम बघौली में रंजीत कुमार पन्द्रे की मोटरसाइकिल दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। रंजीत कुमार मेरावी अविवाहित थे। फूलसिह पन्द्रे ने शासन और प्रशासन को गुमराह करते हुए झूठी जानकारी देकर कोविड काल के दौरान मृत अपने बेटे को बीमा धारी बताकर 50 लाख रुपए राशि प्राप्त किये ।साथ ही अपनी बेटी निशा पन्द्रे को अनुकंपा नियुक्ति भी दिलवा दी। जबकि कोविड-19 के प्रकरण में स्पष्ट निर्देश था कि जिन्हें 50 लाख रुपए बीमा राशि की पात्रता है उन्हें अनुकंपा नियुक्ति की पात्रता नहीं रहेगी। किन्तु मृतक रंजीत पन्द्रे के परिवार को दोनों ही लाभ दिया गया है। जबकि उस समय फूलसिह पन्द्रे हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड मलाजखंड में नियमित कर्मचारी थे। अंगेश्वर सिंह मेरावी ने उच्च अधिकारियों से इस गंभीर विषय को संज्ञान में लेकर उच्च स्तरीय जांच करने की मांग की है।

मैंने शासन से कोई मांग नहीं की थी- जो सहायता दी गई है शासन के द्वारा ही दी गई है- फूल सिंह पन्द्रे

इस संबंध में जब पद्मेश न्यूज़ ने दूरभाष पर फूलसिह मरावी से संपर्क किया तो उन्होंने लगाये आरोप से इंकार करते हुए बताये की कोविड काल के दौरान उनके बेटे की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हुई थी। इस संबंध में उन्होंने शासन से कोई मांग नहीं की थी। क्योंकि उन्हें शासन से मिलने वाली सहायता के सम्बंध में पता ही नही था। बेटे की मृत्यु के बाद कलेक्टर बालाघाट, एसडीएम बैहर और तहसीलदार द्वारा हमसे जानकारी ली गई थी और दस्तावेज मांगे गए थे ।उसी के आधार पर बेटे की मृत्यु बीमा राशि दी गई है और उनकी बेटी को अनुकंपा मिली है। उन्होंने शासन को किसी प्रकार की मांग के संबंध में आवेदन नहीं किया था।

जांच कर तथ्यों को स्पष्ट करें प्रशासन

मामला आरोप-प्रत्यारोप के बीच प्रशासनिक जांच की मांग तक पहुंच चुका है। अब देखना होगा कि संबंधित विभाग जांच कर तथ्यों को स्पष्ट करते हैं या नहीं।

19 मार्च को हट्टा में 100 जोड़ो का सामुहिक विवाह कार्यक्रम होगा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत आगामी 19 मार्च को जनपद पंचायत बालाघाट के तत्वाधान में ग्राम पंचायत हट्टा में सामुहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसमें 100 जोडो का विवाह कराने का लक्ष्य रखा गया है। सामुहिक विवाह के इस कार्यक्रम के दौरान डेकोरेशन साउंड एवं भोजन व्यवस्था के लिए इच्छुक सेवा प्रदाताओं से ऑनलाईन निविदा 14 मार्च 2026 को सायं 05:30 बजे तक आमंत्रित की गई है। आनलाईन निविदा वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर दी जा सकती है। आनलाईन प्राप्त निविदा 16 मार्च को दोपहर 12 बजे जनपद पंचायत कार्यालय बालाघाट में खोली जाएगी। निविदा संबंधी जानकारी एवं शर्तें आनलाईन पोर्टल पर देखी जा सकती है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

आवश्यकता है
दुर्गा नारायणी प्राय/एशोसिएशन में
1. फिल्ड ऑफिसर - 08 पद महिला/पुरूष
2. लोन अधिकारी - 04 पद महिला/पुरूष
3. बचत समूह - 04 पद महिला/पुरूष
-सम्पर्क करें-
लालबर्रा एवं किरनापुर प्राय के लिए
मो. 9420866259, 9131611735

REQUIREMENT

Subject	Requirement	Qualification
English	- 01	Graduation D.Ed, B.Ed
Science	- 01	
Maths	- 01	
SST	- 01	
Computer Operator	- 01	

पता-अनुपमा रॉयल एकेडमी इंग्लिश मीडियम स्कूल
आशा निवास के पीछे वार्ड नं. 02 भटेरा चौकी, बालाघाट (म.प्र)
मो. 9399010324, 9981250403, 9893083276

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट